शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में हो सकता है बड़ा बदलाव @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 16 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-136

शरिया कानून को सुप्रीम कोर्ट में दी गई चुनौती

मुस्लिम पर्सनल लॉ से मुक्ति चाहती हैं सफिया

इस समय जब पूरा देश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर चर्चा कर रहा है और नरेंद्र मोदी सरकार इसे लाने और लागू करने की प्रक्रिया में है। इसी बीच केरल के अलप्पुझा जिले की एक महिला ने शरिया कानून के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। इसमें उसने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ के अंतर्गत नहीं आना चाहता, तो क्या उसे देश के पंथनिरपेक्ष कानून के अंतर्गत रखा जा सकता है? शीर्ष अदालत इस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गई है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सफिया की याचिका पर चर्चा के बाद केंद्र सरकार और केरल सरकार को नोटिस जारी किया है। तीन सदस्यीय पीठ में मुख्य न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्र भी हैं। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंटरमणी से इस मामले में एक कानून अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। याचिका पर जुलाई के दूसरे सप्ताह में सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता पीएम सफिया एक्स मुस्लिम्स ऑफ केरल की महासचिव हैं। सफिया तलाकशुदा और एक बच्ची की मां हैं। एक्स मुस्लिम्स ऑफ केरल की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य और अधिवक्ता मोहम्मद उर्फ दिलीप इस्माइल ने बताया कि सफिया ने जो याचिका दाखिल की है, उसमें शरिया कानून के बजाए पंथनिरपेक्ष कानून का लाभ पाने की मांग की गई है। उसने अपनी याचिका में कहा है कि वह भारतीय उत्तराधिकार कानून को मानना चाहती है। मजहब में उसकी आस्था नहीं है, इसलिए वह उत्तराधिकार के मामले में मुस्लिम पर्सनल लॉ यानी शरिया कानून के

मांग है, संविधान के अनुच्छेद-25 के तहत संरक्षण मिले

बजाए भारतीय संविधान के अनुच्छेद-25 को मानना चाहती है, जो पांथिक स्वतंत्रता देता है। याची का तर्क है कि पांथिक स्वतंत्रता में किसी मजहब-मत में विश्वास न करने का अधिकार भी शामिल है।

सफिया ने याचिका में कहा है कि उसके पिता भी इस्लाम को नहीं मानते, लेकिन उन्होंने आधिकारिक तौर पर मजहब से नाता नहीं तोड़ा है। शरिया कानून के अनुसार, यदि कोई मुस्लिम व्यक्ति इस्लाम से विमुख होता है या मजहब पर भरोसा नहीं करता तो उसे समाज से बाहर कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में उस व्यक्ति का अपने पिता की सम्पत्ति पर कोई अधिकार नहीं रह जाता। इसलिए सफिया चाहती हैं कि उत्तराधिकार के मामले में उन पर मुस्लिम पर्सनल लॉ के बजाए भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम-1925 लागू हो।

हालांकि सफिया की याचिका मजहब से जुड़ी है, फिर भी उन्होंने उत्तराधिकार मामले में पंथनिरपेक्ष व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया है। सफिया ने यह भी कहा है कि शरिया कानून के अनुसार, कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति का एक तिहाई से अधिक हिस्सा वसीयत में नहीं दे सकता है। इस लिहाज से उसके पिता अपनी जायदाद में से एक तिहाई से अधिक हिस्सा उसे नहीं दे सकेंगे, शेष दो तिहाई सम्पत्ति उसके भाई को मिलेगी।

सफिया की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पद्मनाभन मुकदमा लड़ रहे हैं। प्रशांत पद्मनाभन का कहना है कि पंथनिरपेक्षता भारत के संविधान में निहित है। यह पांथिक स्वतंत्रता का आश्वासन देता है और नागरिकों को मजहब-मत को मानने या नहीं मानने का अधिकार भी प्रदान करता है।

उनका कहना है कि यदि कोई नागरिक अपना मजहब छोड़ देता है, तो उसके साथ पुश्तैनी सम्पत्ति और नागरिक अधिकारों को लेकर किसी भी तरह का पक्षपात नहीं किया जाना चाहिए।

नासिक की विशाल जनसभा में पीएम मोदी ने की भविष्यवाणी

विपक्ष की हैसियत में भी नहीं रह जाएगी कांग्रेस नकली शिवसेना का भी मिट जाएगा नामोनिशान

नासिक (महाराष्ट्र), 15 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नासिक के डिंडोरी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के बाद नकली शिवसेना का नामोनिशान नहीं रहेगा और कांग्रेस की विपक्ष की हैसियत भी नहीं रह जाएगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस यह लोकसभा चुनाव इतनी बुरी तरह से हार रही है कि उनका संविधान के तहत विपक्ष बनना भी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन के एक नेता ने सुझाव दिया था कि महाराष्ट्र के छोटे-छोटे दलों को चुनाव के बाद कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए। मतलब नकली शिवसेना और नकली एनसीपी कांग्रेस में विलय कर लेगी। जब ऐसा होगा

मुस्लिम का एक ही अर्थ : कांग्रेस का वोट बैंक
विकसित भारत बनाने के लिए मुझे आशीर्वाद दें

तो मुझे सबसे अधिक बाला साहब ठाकरे याद आएंगे। बाला साहब कहते थे कि जिस दिन उन्हें लगेगा कि शिवसेना कांग्रेस बन गई है, उसी दिन वे शिवसेना को खत्म कर देंगे। मतलब अब नकली शिवसेना का नामोनिशान नहीं रहेगा।

सभा में पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यक का मतलब सिर्फ एक ही है, उनका अपना प्रिय वोट बैंक। उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि मैं जब मुख्यमंत्री था, तब कांग्रेस चाहती थी कि देश के कुल बजट का 15 प्रतिशत सिर्फ मुसलमानों पर खर्च हो। उस वक्त मैंने इसका पुरजोर विरोध किया था। पूरी भाजपा ने विरोध किया। इसलिए वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण देने के खिलाफ थे। लेकिन कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय का आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को देना चाहती है।

चुनावी रैली में पीएम मोदी ने कहा कि आपने पिछले 10 साल में मेरा काम देखा है। मैं अब आपसे अपने तीसरे कार्यकाल के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। विकसित भारत बनाने के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। मैंने पिछले 10 साल में बिना किसी भेदभाव के मुफ्त राशन, नल का पानी, पक्के घर और गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं। अब आने वाले समय में देशहित में कुछ नया और ऐतिहासिक करने की योजना है। मेरी इस योजना को आपके समर्थन का बल चाहिए।

बंगाल के हावड़ा और श्रीरामपुर में गरजे अमित शाह

मुल्ला मदरसा माफिया, ममता का है नारा रोहिंग्या बांग्लादेशी बोल रहे बंगाल हमारा

हावड़ा, 15 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलूबेरिया में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के लिए घुसपैठिए और रोहिंग्या वोटबैंक हैं। उनका नारा अब मुल्ला, मदरसा और माफिया हो गया है और पश्चिम बंगाल अब बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का हो गया है।

अमित शाह ने कहा, ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को खुली छूट दे रखी है। बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को खुश करने के लिए ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, ममता दीदी को जितना विरोध करना है, वो करें। एक-एक

बंगाल के लोग तय करें, वोट जेहाद को या विकास को
भाजपा लक्ष्मी भंडार योजना में 100 रुपए और बढ़ाएगी

शरणार्थी को नागरिकता देने का काम नरेंद्र मोदी करेंगे। ममता बनर्जी यह झूठ बोल रही हैं कि जो कोई भी सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करेगा, उसे समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमले तेज करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा कि मां, माटी और मानुष ये ममता दीदी का नारा था, जो अब बदलकर मुल्ला, मदरसा और माफिया हो गया है। ये मस्जिदों के इमाम को वेतन देती हैं लेकिन मंदिर के पंडितों को नहीं। ताजिया निकल सकता है, लेकिन दुर्गा विसर्जन यहां नहीं हो सकता। ममता दीदी कहती हैं कि भाजपा वाले आएंगे, तो लक्ष्मी भंडार योजना बंद कर देंगे। मैं आपको बताकर जाता हूं कि भाजपा कोई भी योजना बंद करने वाली नहीं है, हम लक्ष्मी भंडार योजना में 100 रुपए और बढ़ाएंगे।

ममता बनर्जी प्रधानमंत्री द्वारा भेजे गए पैसों और योजनाओं का नाम बदलकर अपने नाम पर कर देती हैं। मोदी जी ने हर गांव में पीएम सड़क योजना भेजी, ममता ने उसका नाम बंगाल ग्राम सड़क योजना कर दिया। इसी तरह ममता ने पीएम फसल बीमा योजना, पीएम आवास योजना और जल जीवन मिशन का नाम भी बदल दिया।

अमित शाह ने कहा कि चार चरण के लोकसभा चुनाव समाप्त हो चुके हैं। इन चरणों में ही मोदी जी 270 सीट प्राप्त कर बहुमत लेने का काम पूरा कर चुके हैं। अब पांचवें चरण में आपको 400 पार की ओर आगे बढ़ना है।

ईरान-भारत के बीच हुआ महत्वपूर्ण करार, चिहुंका अमेरिका

संकीर्ण सोच से बाहर आए अमेरिका : जयशंकर

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह को लेकर दस साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तुरंत बाद ही अमेरिका ने चेतावनी दी कि कोई भी तेहरान के साथ व्यापारिक सौदे करने के लिए विचार बना रहा है तो, उसे संभावित प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका की इस चेतावनी के बाद केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका को इसे लेकर संकीर्ण दृष्टिकोण नहीं रखना चाहिए, क्योंकि यह समझौता सभी को लाभ देने वाला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, मैंने देखा कि इस समझौते

* ईरान के चाबहार बंदरगाह का संचालन करेगा भारत
* अमेरिका ने ईरान पर लगे प्रतिबंध की याद दिलाई

को लेकर कुछ टिप्पणियां की गई हैं। उन्होंने अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, लेकिन मुझे लगता है कि यह संवाद और लोगों को समझाने का सवाल है। उन्हें यह समझना होगा कि चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत और ईरान के बीच हुआ समझौता सभी को लाभ देगा। इसके लिए संकीर्ण दृष्टिकोण नहीं रखना चाहिए।जयशंकर के अनुसार, अमेरिका ने पहले कभी भी चाबहार को लेकर कोई नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रखा। अमेरिका ने कई बार चाबहार की योग्यता की सराहना की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ईरान की तरफ से कई समस्याएं थीं। आखिरकार हम इसे सुलझाने और दीर्घकालिक समझौता करने में सक्षम हुए हैं। यह समझौता महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके बिना आप बंदरगाह संचालन में सुधार नहीं कर सकते। हमें भरोसा है कि इसके संचालन से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने चाबहार समझौते को लेकर कहा था कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू रहेंगे। पटेल ने कहा, मैं सिर्फ इतना कहूंगा ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू रहेंगे और हम उन्हें लागू करना जारी रखेंगे। कोई भी संस्था अगर ईरान के साथ व्यापार सौदों पर विचार कर रहा है, तो उन्हें इस जोखिम के बारे में पता होना चाहिए कि प्रतिबंध लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीसीएल) और ईरान के पोर्ट एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (पीएमओ) के बीच सोमवार को दीर्घकालिक द्विपक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

पीओके लेने के लिए 400 सीटों की जरूरत : हिमंत

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि जब भाजपा को 300 सीटें मिलीं तो उसने अयोध्या में राम मंदिर बनाया और अगर इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 सीटें जीतने में सफल रही तो मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि स्थान और वाराणसी में मंदिर बनाए जाएंगे। असम सीएम ने यह भी कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी कि पीओके भी वापस लेंगे।

सीएम हिमंत सरमा ने कहा, जब कांग्रेस की सरकार सत्ता में थी तो हमें बताया गया कि एक कश्मीर भारत में है और एक पाकिस्तान में। संसद में इस बात की चर्चा कभी नहीं हुई कि पीओके असल में हमारा है। अभी पीओके में हर दिन विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पाकिस्तान में लोग भारत का तिरंगा झंडा लेकर पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर मोदी जी को 400 सीटें मिलीं तो पीओके भी भारत का हिस्सा होगा और इसकी शुरुआत भी हो गई है।

गौरतलब है कि पीओके में बीते कई दिनों से भारी विरोध प्रदर्शनों का दौर चल रहा है। पीओके के लोग पाकिस्तान की सरकार के खिलाफ आटे की बढ़ती कीमतों, बिजली बिल की बढ़ती दरों, सब्सिडी में कटौती जैसी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं। पीओके में जारी हंगामे पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा था और हमेशा रहेगा।

असम के सीएम ने कहा, भाजपा सरकार देश में आरक्षण को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। पीएम मोदी खुद पिछड़ा वर्ग से आते हैं। भाजपा बीते 10 वर्षों से सत्ता में है और हमारी सरकार आरक्षण को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। कांग्रेस देश में एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण को खत्म करके मुस्लिमों को आरक्षण देना चाहती है और वे कर्नाटक में इसकी शुरुआत कर चुकी है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 22°

उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग से सुप्रीम कोर्ट चिंतित

जंगल की आग काबू करने में सरकार नाकाम

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग पर गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जंगल की आग को काबू में करने का राज्य का दृष्टिकोण चिंताजनक है। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को 17 मई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा है। पीठ में न्यायमर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति संदीप मेहता भी शामिल हैं।

उत्तराखंड के मुख्य सचिव सुप्रीम कोर्ट तलब

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि कई योजनाएं तैयार की जाती हैं लेकिन कदम कोई भी नहीं उठाए जा रहे हैं। साथ ही शीर्ष अदालत ने वन विभाग में भारी रिक्तियों के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि पदों को भरने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

उत्तराखंड के संवेदनशील जंगलों में पिथौरागढ़ वन प्रभाग में पिथौरागढ़, गंगोलीहाट, बेड़ीनाग, डीडीहाट, अस्कोट, धारचूला, मुनस्यारी रेंज शामिल हैं। इसमें डीडीहाट रेंज आग की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है। चंपावत वन प्रभाग के अंतर्गत जिले के पाटी ब्लॉक में इस बार आग की घटनाएं अधिक हुई हैं।

इस प्रभाग में भिंगराड़ा चीड़ बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण अधिक संवेदनशील बना हुआ है। अल्मोड़ा में जागेश्वर, सोमेश्वर, रानीखेत, मोहान, अल्मोड़ा, द्वाराहाट रेंज सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

आग से बचाने का उपाय :

50 रुपए किलो खरीदेंगे चीड़ के पत्ते

देहरादून, 15 मई (एजेंसियां)। पहाड़ों में जंगल की आग का सबसे बड़ा कारण बन रहे चीड़ पेड़ के पत्तों को सरकार खरीदने जा रही है। घातक ज्वलनशील ये पत्ते पहाड़ की भाषा में पिरुल कहलाते हैं। सरकार ने इसे खरीदने के लिए 50 रुपए किलो का रेट तय किया है और इसके लिए 50 करोड़ की रकम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से जुटाई गई है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि पहाड़ों को जंगल की आग से बचाने के लिए वहां से पिरुल हटाना जरूरी है। पिरुल में जलती बीड़ी सिगरेट की चिंगारी से भी आग लग जाती है जो कि विकराल रूप धारण कर लिया करती है। इस साल जंगल की आग की घटनाओं से जंगलों को खासा नुकसान तो हुआ ही है,पहाड़ी में वायु प्रदूषण भी फैला और इससे पर्यटन भी प्रभावित होने लगा था। सीएम धामी के दिशा निर्देश पर पांच रुपए किलो खरीदा जाना वाला पिरुल का दाम सरकार ने 50 रुपए किलो कर दिया ताकि जन सहभागिता से पिरुल जंगल से उठाया जा सके और आग की संभावना को नियंत्रित किया जा सके।

उत्तराखंड के जंगलों में आग

वन प्रभाग	वनाग्नि की घटनाएं	नुकसान हेक्टेयर में
पिथौरागढ़	106	159
तराई पूर्वी	90	104.94
चंपावत	55	54.99
अल्मोड़ा	56	85.5
रामनगर	31	45.37
नैनीताल	29	34.65
हल्द्वानी	27	28.03
सिविल सोयम अल्मोड़ा	26	41.5
बागेश्वर	28	34.47
तराई केंद्रीय	12	11.96
सॉयल कंजर्वेशन, रानीखेत	12	24.25
तराई पश्चिम	03	2.5
सॉयल कंजर्वेशन, रामनगर	12	24.25

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में हो सकता है बड़ा बदलाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे और उम्मीद है कि निगम मंडलों के अध्यक्षों के तबादले और मंत्रिमंडल के पुनर्गठन पर भी चर्चा होगी। पिछले छह माह में निगम-मंडलों में नियुक्तियां की गई हैं और शासनादेश ढाई साल के लिए दिया गया है। इस प्रकार उनका कार्यकाल दो वर्ष तक निर्बाध दर्शाया गया है। लेकिन ऐसी शिकायतें हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान कई लोग पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। मांग है कि उन्हें बर्खास्त कर पार्टी के वफादारों को मौका दिया जाए। लोकसभा चुनाव से पहले ही केपीसीसी अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार ने चेतावनी दी थी कि जो लोग ईमानदारी से

काम नहीं करेंगे और बूथ स्तर से पार्टी को मजबूती नहीं देंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि कई लोग हाईकमान के आदेशों की परवाह किए बिना निजी और स्वार्थी कारणों से पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि पीरियड से पहले भी कुछ लोगों के बदलाव की चर्चा होगी। कैबिनेट बैठक में मुख्य रूप से कई बदलाव होने की उम्मीद है। शुरू से ही यह संदेश दिया गया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की पकड़ कमजोर हो रही है, वहां के लिए प्रभारी मंत्रियों को जिम्मेदार माना जाएगा। ऐसे में कई मंत्रियों के सिर पर लोकसभा चुनाव की तलवार लटक रही है। लाइन में शामिल होने वालों की कतार लंबी है। कई वरिष्ठ विधायक और प्रभावशाली लोग यह कहकर मुनाफाखोरी करते रहते हैं कि उन्हें कैबिनेट में मौका दिया जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव में जिन क्षेत्रों में कांग्रेस की हार हो रही है, वहां यह रोना स्वाभाविक है कि मंत्री बदलने के लिए किसी और को अनुमति दी जानी चाहिए। लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए करो या मरो का सवाल था। इस प्रकार, सख्त निर्देश लागू थे कि असंतुष्ट और अप्रभावित लोगों को बिना कोई खुला बयान दिए पार्टी के लिए इसे सहन करना होगा। कई वरिष्ठ विधायकों ने तदनुसार कार्य किया है।

बीआर पाटिल और बसवराजरायरेड्डी जैसे दो लोगों को छोड़कर, अधिकांश विधायकों ने राहत की सांस लिए बिना सब कुछ सह लिया है, अजय सिंह जैसे प्रभावशाली विधायकों ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड के अध्यक्ष के लिए समझौता करके पार्टी के लिए बलिदान दिया है। ऐसे कई विधायक लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद कैबिनेट में मौका पाने के लिए आवाज उठा रहे हैं। आने वाले दिनों में ग्रामीण और स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे। पार्टी को मजबूत करने के लिए स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करना जरूरी है। ऐसे में संभावना है कि आलाकमान नेता कैबिनेट के दावेदारों और प्रभावशाली लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव तक रुकने के लिए मना लेंगे। इससे पहले उपमुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ी चर्चा थी। अब इसके फिर से सामने आने की संभावना है, लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस पार्टी में सत्ता साझेदारी की चर्चा तेज होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

कर्नाटक कांग्रेस में जल्द ही अराजकता देखने को मिलेगी: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को कहा कि मौजूदा लोकसभा खत्म होने के बाद कांग्रेस में अराजकता देखने को मिलेगी और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जल्द ही अपनी सरकार को गिरते हुए देखेंगे। यह बस वक्त की बात है। कांग्रेस में जल्द ही अराजकता देखने को मिलेगी। आप लोगों को शत्रुतापूर्ण रुख अपनाते और खेमा बदलते देखेंगे।

कांग्रेस की आंतरिक गुटीय लड़ाई भी उजागर होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर प्रतिद्वंद्वी खेमे को अच्छी तरह पता है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और पार्टी आलाकमान के फॉर्मूले का अपमान करेंगे। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर सत्ता-साझाकरण समझौते की व्यवस्था की है, जिसमें प्रत्येक

को 2.5 साल का कार्यकाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी खेमा खाली नहीं बैठा है और जवाबी रणनीति बना रहा है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी दिन-ब-दिन अपनी जमीन खोती जा रही है। पार्टी झूठे आश्वासन देकर और सत्ता हासिल करने के एकमात्र उद्देश्य से लोगों को लुभाकर सत्ता में आई है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद जनता कांग्रेस द्वारा बिछाये गये झूठे जाल को नकारने को तैयार है। भाजपा सिद्धांतों और विचारधाराओं पर आधारित एक अनुशासित पार्टी है। पार्टी सत्ता की लालसा रखने वाले व्यक्तियों को आश्रय नहीं देती। अगर ऐसे व्यक्ति सामने आते हैं, तो आलाकमान उन्हें सही दिशा में ले जाने के लिए काफी मजबूत है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि जिन बीजेपी नेताओं को लोकसभा चुनाव का टिकट नहीं मिला, वे बदला लेने की फिराक में हैं। एक बार परिणाम घोषित होने के बाद, भाजपा को संकट का सामना करना पड़ेगा। भाजपा का एक गुट विजयेंद्र को कमजोर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उनका बयान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सुझाव के जवाब में था कि लोकसभा चुनाव खत्म होते ही कर्नाटक की कांग्रेस सरकार गिर जाएगी।

मुनि मलयप्रभ सागर जी एवं प्रियमुद्रांजनाजी का संयम के दसवें वर्ष में प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी के सुशिष्य पूज्य मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी प्रिय मुद्रांजना श्री जी के संयम के नव वर्ष पूर्ण करके दशवें वर्ष में प्रवेश करने पर दादा गुरुदेव की पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने मुनिवर को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि आपका संयम जीवन उत्कृष्ट आत्मोथन एवं पर कल्याण युक्त हो, सभी आत्माओं के कल्याण और मोक्ष को प्रदान करने वाला हो। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि आप प्रभु महावीर और सुधर्मा स्वामी की वाणी और उनके बताए पथ पर चलने की प्रेरणा देते

हैं और सभी जनों को इस पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि आपने जो त्याग किया है वो अनुमोदनीय है। आपका आहार विहार बहुत ही अनुकूल एवं शास्त्र अनुसार है। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने कहा कि आप दोनों माता एवं पुत्र की दीक्षा चेन्नई नगर में आज से नौ वर्ष पूर्व गच्छाधिपति जी के कर कमलों द्वारा हुई थी। आपके द्वारा सम्यग दर्शन, सम्यग ज्ञान और सम्यग चारित्र का पूर्ण रूप से पालन हो आप एकावतारी बने, बस इसी भव में संयम जीवन की उत्कृष्ट पालना करते हुए अपने सभी कर्मो को क्षय करके अपनी आत्मा का कल्याण करें। इस अवसर पर श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा दादा गुरुदेव की पूजा पढ़ाई गई। साथ में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने भी सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, सह सचिव धर्मेन्द्र संकलेचा, अनिल भडकतिया, रमेश गुलेच्छा के साथ अखिल भारतीय खरतर-गच्छ युवा परिषद्, महिला परिषद् एवं दादावाड़ी से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

महिलाएं व्यवसाय के भविष्य को आकार देने में निभा रही प्रमुख भूमिका: प्राची जैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यवसाय परिदृश्य बदलने के साथ ही व्यवसाय करने के पारंपरिक तरीकों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण भी बदल रहा है की महिलाएं व्यवसाय के भविष्य को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

जितना अधिक महिलाएं अपने आत्मविश्वास और क्षमताओं को अपनाएंगी और कांच की छत को तोड़ना जारी रखेंगी, उतना ही अधिक नेतृत्व में वृद्धि देखेंगे। जरुरत है तो केवल महिलाओं को सहायता के साथ-साथ प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने की। इस बदलाव के लिए सभी के लिए नेटवर्क महत्वपूर्ण हैं। जो जेबीएन में देखने को मिल रहा है। उक्त प्रेरणा टीबॉक्स की सह-संस्थापिका और ब्रांड डायरेक्टर प्राची जैन ने जीतो चैप्टर

बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा संचालित जेबीएन वी कनेक्ट की रेफरल बैठक में कही।

प्राची ने जेबीएन सदस्यों को अपनी कामयाबी के सफर के शुरुआती संघर्ष के दौर की कहानी को साझा करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए व्यवसाय में कदम रखना आसान नहीं होता है। घर-परिवार पर भी ध्यान केंद्रित रखना होता है। वर्तमान में समस्याएँ भी है। एकल परिवार का होना, बढ़ती महँगाई, दोहरे दायित्व को निभाना, स्वयं के लिए समय का अभाव, अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा न कर पाना आदि। पर याद रखें कि महिलाएँ सामाजिक व्यवस्था की धुरी होती हैं। इन्हीं से देश का निर्माण होता है। इसलिए हर चुनौती को पार करते हुए आगे बढ़े। प्राची ने कइयों के शंकाओं का समाधान भी दिया। जेबीएन सदस्य मेहंदी आर्टिस्ट रीतिका जैन ने अपने कार्य की विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि प्राची जैन का परिचय लीला पितलिया ने दिया। मधु जैन को बेस्ट बिजनेस प्रस्तुति हेतु, रीतिका को अधिक व्यवसाय लाभ एवं सुमन रांका को अधिक रेफरल एवं व्यवसाय हेतु पुरस्कृत किया गया। रेफरल हेड सुमन रांका ने सभी का स्वागत किया। रेफरल उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने धन्यवाद दिया। रेफरल सेक्रेटरी सीमा शाह ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। जीतो महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, रेश्मा पुनमिया, महामंत्री सुमन वेदमुथा, कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंघवी, सुनीता बोरन्दिया पूर्व रेफरल सेक्रेटरी तनुज मेहता उपस्थित थे। मीटिंग का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन मानसून सीजन के लिए तैयार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने बारिश से संबंधित विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए तैयारी शुरू करके मानसून के मौसम (जून से अगस्त) से पहले काम करना शुरू कर दिया है। यहां आयोजित एक बैठक में, जिला अधिकारियों, डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलन एमपी ने मानसून के मौसम के दौरान चुनौतियों से निपटने के निर्देशों के साथ जमीनी स्तर की नौकरशाही से संपर्क किया। पेयजल और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने मेंगलूरु इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (एमईएससीओएम) के तहत विद्युत प्रणाली के खराब रखरखाव के कारण आने वाली

समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि यह न केवल बारिश के दौरान बिजली आपूर्ति की विफलता थी, बल्कि लाइव केबलों का टूटना भी था। बिजली के खंभों का गिरना चिंता का विषय है। चूँकि इससे जीवन और संपत्ति को गंभीर क्षति होगी, उन्होंने मेस्कॉम से निरीक्षण करके सावधानी बरतने का आग्रह किया। मुहिलन ने मेस्कॉम को मानसून के मौसम के दौरान जिले भर में अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करने और अधिक नियंत्रण कक्ष खोलने का भी निर्देश दिया और कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। मुहिलन ने कहा कि मानसून से पहले, मौजूदा घरेलू जल उपलब्धता का प्रबंधन विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। बैठक में मानसून से पहले डंपिंग यार्ड और कूड़ा निस्तारण क्षेत्रों की सफाई पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने के खिलाफ एहतियाती कदम उठाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग को उन क्षेत्रों की सूची बनानी चाहिए जहां चारमाडी घाट क्षेत्रों में भूस्खलन होता है और लोगों को घाट क्षेत्रों में यातायात संबंधी मुद्दों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। जिला उपायुक्त ने मत्स्य विभाग को बरसात के मौसम में मछुआरों के लिए एहतियाती उपायों पर बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।

स्टेट बैंक में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक एवं बीमा), बेंगलूरु के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय बेंगलूरु द्वारा मंगलवार को एक पूर्ण दिवसीय प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव एवं केनरा बैंक प्रधान कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक ई रमेश विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अपने संबोधन में रमेश ने कहा कि इस कार्यशाला के लिए समिति के सभी सदस्य-कार्यालयों ने अपने स्टाफ-सदस्यों को एक दिन के लिए नामित किया है, अतः इस समय का भरपूर उपयोग सभी प्रतिभागियों को करना चाहिए।

कार्यशाला के अनुभवी वक्ताओं के सत्रों का लाभ हिंदी में काम करने के लिए किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी श्रीनिवास गालि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी काम करते समय आने वाली कठिनाइयों और झिझक को दूर करने का बेहतरीन साधन है हिंदी कार्यशाला। इस कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के बेंगलूरु स्थित सदस्य-कार्यालयों के लगभग 40 से भी अधिक स्टाफ-सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति, हिंदी में पत्राचार, तिमाही रिपोर्ट एवं बोलचाल में कन्नड़ का प्रयोग पर सत्र संचालित किए गए। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को सहायक महाप्रबंधबक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

बॉक्स क्रिकेट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा अपने सदस्यों के लिए बॉक्स क्रिकेट का आयोजन किया गया, जिसमें 40 सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में केयुप के चेयरमैन भरत रांका, अध्यक्ष पंकज बाफना, उपाध्यक्ष मनीष गुलेच्छा, महामंत्री विकास खटोड, प्रोजेक्ट हेड तेजस छाजेड, निलेश मेहता और कुनाल भड़कतीया आदि मौजूद थे। यह जानकारी प्रवक्ता कल्पेश लुंकड ने दी।*

विधानमंडल की स्थाई समितियों की बैठक हेतु अध्यक्ष की अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मौजूदा लोकसभा के दो चरणों के चुनाव संपन्न होने के मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने विधानसभा की विभिन्न स्थायी समितियों की बैठकें आयोजित करने की अनुमति दे दी है।

लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों को एक घोषणा के माध्यम से सूचित किया था कि वे 21 मार्च से चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक विधान मंडल/विधानसभा की विभिन्न स्थायी समितियों की बैठकें आयोजित नहीं करेंगे। विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि चूंकि राज्य में दो

चरणों के चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है, इसलिए अध्यक्ष ने विधायकों को समिति की बैठकें आयोजित करने की अनुमति दे दी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल कर्नाटक मक्कल कुटा चामराजपेट द्वारा मक्कल कुटा उद्यान में आयोजित 56वें ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन समारोह में उद्घाटनकर्ता पूर्व लोकायुक्त संतोष हेगड़े, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत और अन्य अतिथियों ने शिविरार्थियों का उत्साह वर्धन किया।*

राज्य में अक्षम मंत्रिमंडल, अविकसित सरकार: वी. सुनील कुमार

पिछले एक साल में लक्ष्यहीन प्रशासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राज्य महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव संपन्न हुए और सरकार बने एक साल बीत चुका है। कर्नाटक के लोगों ने पिछले एक साल में लक्ष्यहीन प्रशासन देखा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह विकास शून्य सरकार है। सरकार को इस बात की जानकारी जारी करनी चाहिए कि इस एक साल की अवधि में किन परियोजनाओं को अनुदान दिया गया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार यह बता दे कि स्थानीय विधानसभा क्षेत्र स्तर पर किन-किन परियोजनाओं और कितनी विकास गतिविधियों के लिए अनुदान दिया गया है, तो यही काफी है। कर्नाटक के लोगों ने इतना अविकसित प्रशासन और सरकार कभी नहीं देखी। इस सरकार ने विधानसभा क्षेत्रों और विभागों को एक भी रुपया अनुदान दिये बिना एक साल गुजार दिया है। हम सभी विधायकों ने एक साल से एक भी परियोजना के लिए पूजा नहीं की है। लोगों को इस बात का भी मलाल है कि उन्हें इस सरकार से फंडिंग नहीं मिल रही है। मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल पर गौर करें तो पूरा मंत्रिमंडल अक्षम है। मंत्रियों पर नियंत्रण के बिना मुख्यमंत्री अप्रभावी होते हैं। मुख्यमंत्री योजना बनाने में अक्षम हैं। उन्होंने कहा कि हम कर्नाटक में मुख्यमंत्री के अक्षम प्रशासन को इस हद तक देख रहे हैं कि सरकारी कर्मचारियों को उनका वेतन नहीं मिल रहा है। गृह मंत्री कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि राजस्व मंत्री को सूखा राहत में इतनी बड़ी विफलता दिखी कि कैबिनेट का एक भी सदस्य सूखा राहत स्थल पर नहीं गया। राजस्व मंत्री से लेकर ग्रामीण विकास मंत्री तक, सूखा राहत से निपटने में पूरा मंत्रिमंडल अक्षम है। किसानों को अब नया कर्ज नहीं मिल रहा है। उन्होंने विश्लेषण किया कि किसानों के ऋण का ब्याज माफ करने की घोषणा के बाद भी पीएलडी बैंक एवं कृषि सहकारी समितियों द्वारा किसानों को दोबारा ऋण नहीं मिल पाने तथा 496 करोड़ का अनुदान जारी नहीं करने का कारण मंत्री की अक्षमता है। इस सरकार के आने के बाद कर्नाटक में एक भी किसान को नया पंपसेट कनेक्शन नहीं मिला। किसानों ने पैसे दिए लेकिन नया कनेक्शन नहीं मिला। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि हमारे पास एक अक्षम ऊर्जा मंत्री हैं जो ग्रामीण इलाकों में 10-12 घंटे बिजली नहीं दे सकते। शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। एसेक्स परिणामों में दिए गए ग्रेड अंकों को देखते हुए, हम देख सकते हैं कि शिक्षा विभाग कितना अक्षम है। आंगनबाड़ियों का मानदेय नहीं बढ़ा। अंडा वितरण में आंगनबाड़ियां अलग-अलग हैं। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अक्षम हैं। ब्रांड बेंगलूरु आज बेकार बेंगलूरु हो रहा है। शहरी विकास मंत्री बेंगलूरु के लिए किसी भी प्रकार की योजना बनाने में असमर्थ हैं। यह एक अक्षम खंड है और सरकार शून्य विकास के साथ आगे है।

यह जेबकतरा कांग्रेस

कीमत में भारी बढ़ोतरी हुई है। हम पहले भी कह चुके हैं कि यह जेबकतरा कांग्रेस है। सरकार ने इसे ठीक नहीं किया है। कर्नाटक में प्रशासन कुछ परिवार के सदस्यों, इवेंट मैनेजमेंट सदस्यों द्वारा चलाया जाता है। सुनील कुमार ने कहा कि यह सरकार जन प्रतिनिधियों का अपमान करने वाला कार्य कर रही है। ऐसा लगता है मानो विधान सौधा का प्रशासन किसी के घर की रसोई में चल रहा हो। इस एक साल की सरकार की गड़बड़ियां दिन-ब-दिन उजागर होती जा रही हैं। उन्होंने ऐलान किया कि भाजपा इस निकम्मी सरकार के खिलाफ जन आंदोलन करेगी।

उन्होंने प्रदेश में हुए लोकसभा चुनाव में अच्छे सहयोग के लिए सभी मीडिया बंधुओं को पार्टी की ओर से और व्यक्तिगत तौर पर धन्यवाद दिया।

राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, विधान परिषद सदस्य चलवादी नारायणस्वामी, राज्य प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र रंगप्पा, प्रकाश शेषराघवाचर, मोहन विश्व, प्रदेश मीडिया संयोजक करुणाकर खासले, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक प्रशांत केडेनजी उपस्थित थे।

एचडी रेवन्ना ने नेताओं और कार्यकर्ताओं से जश्न न मनाने का किया अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री और विधायक एचडी रेवन्ना ने जेडीएस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से जश्न न मनाने की अपील की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जमानत पर जेल से रिहाई पर हासन में कोई आतिशबाजी या कोई रैली नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद, आपके प्यार और कार्यकर्ताओं-प्रशंसकों की शुभकामनाओं से हमें जमानत मिली है। उन पर लगे आरोपों के मामले में मैं कोर्ट के सामने झुकूंगा। कोर्ट के आदेश का सम्मान करुंगा। न्यायपालिका के प्रति बहुत सम्मान है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सब कुछ कोर्ट पर छोड़ दिया है। मैं कहीं नहीं जा रहा। ईश्वर में आस्था है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि वह इस खतरे से बाहर आ जायेंगे। उल्लेखनीय है कि एक महिला के अपहरण के मामले में अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बाद पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की मंगलवार को न्यायिक हिरासत से रिहाई संभव हो सकी। मंगलवार सुबह रेवन्ना के वकील ने परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल अधिकारियों को आदेश की एक प्रति दी और जमानत की शर्तें पूरी करने के बाद रेवन्ना को रिहा कर दिया गया।

इससे रेवन्ना की 6 दिन की कैद खत्म हो गई। महिला अपहरण मामले में जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने रेवन्ना को 6 दिन की न्यायिक हिरासत की सजा सुनाई थी। रेवन्ना के वकील ने कहा कि इस मामले में उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उनके खिलाफ आरोप को साबित करने के लिए कोई परिस्थितिजन्य साक्ष्य नहीं है। रेवन्ना के वकील सीवी नागेश ने मजबूत दलील पेश करते हुए कहा था कि उन्होंने किसी को धमकी नहीं दी है। सरकार समर्थक विशेष अभियोजक जोयना कोठारी और अशोक नाइक ने एसआईटी की ओर से दलीलें दीं। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सोमवार को कई शर्तों के साथ रेवन्ना को जमानत दे दी। वहीं पुलिस सोमवार रात को हासन जिले के होलनरसीपुर में महात्मा गांधी सर्कल पर पहुंची, ताकि जद (एस) के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया जा सके, जो अपने विधायक एचडी रेवन्ना को उनके बेटे प्रज्वल के खिलाफ चल रहे यौन शोषण मामले में सशर्त जमानत मिलने का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ रहे थे। पुलिस ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू होने के कारण पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं है। जब रेवन्ना के समर्थकों को पटाखे फोड़ने से रोका गया तो उनके समर्थकों और पुलिस के बीच कुछ देर तक तीखी बहस हुई। सोमवार शाम को जमानत दिए जाने के बाद, पार्टी के सदस्य सर्कल में एकत्र हुए और एचडी देवेगौड़ा और एचडी रेवन्ना के नाम के नारे लगाए। उन्होंने जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ना शुरू कर दिया, तभी पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

प्रज्वल रेवन्ना किसी के संपर्क में नहीं हैं: जीटी देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष और विधायक जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना किसी के संपर्क में नहीं हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आरोप सुनने के तुरंत बाद प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निलंबित कर दिया गया। जहां वे हैं वहां से कब आएंगे, किसी को जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार वालों को भी सही जानकारी नहीं है। सरकार ने उनका पता लगाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है और सरकार उनका पता लगाने के लिए काम कर रही है, लेकिन उनसे किसी ने संपर्क नहीं किया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रेवन्ना की गिरफ्तारी पर दुख जताया है। हालाँकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया, फिर भी रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे ने देवेगौड़ा को काफी आहत किया है। प्रज्वल पर लगे आरोपों को लेकर सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। यह स्वाभाविक है कि उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने रेवन्ना के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। राजनीतिक रूप से एक-दूसरे से बात करते समय आलोचना और टिप्पणियाँ आम हैं। रेवन्ना के मन में इस बात का दुख भी हो सकता है कि बिना कुछ गलत किए उन्हें सजा मिली। यह मामला राज्य की जनता, राजनेता, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को मालूम है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक तौर पर यह राय व्यक्त की जा रही है कि रेवन्ना को एसआईटी के जरिये गिरफ्तार करना ठीक नहीं है। मैं रेवन्ना से तब मिला जब वह जेल में थे। उन्हें उस गलती की सजा मिली है जो उन्होंने की ही नहीं। उन्होंने कहा कि देखते हैं भगवान कौन सा रास्ता दिखाएंगे। जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि जेल से रिहा होने के बाद वह मंदिरों में जा रहे हैं और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। विवेकानंद को कर्नाटक दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के रूप में चुना गया है।

एमएलसी चुनावों में स्वतंत्र उम्मीदवारी की घोषणा के बाद

रघुपति भट्ट ने अपने समर्थकों की एक विशाल बैठक आयोजित की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक और भाजपा नेता रघुपति भट्ट ने अपने आवास पर अपने समर्थकों की एक विशाल बैठक आयोजित की, क्योंकि उन्होंने दक्षिण-पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। इस अवसर पर रघुपति भट्ट के आवास पर उनके चुनाव कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। समर्थकों को संबोधित करते हुए रघुपति भट्ट ने कहा, मैं आज भावुक हूं।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे जीवनकाल में ऐसा दिन आएगा। मैंने दिन-रात भाजपा के लिए काम किया है। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन फैसला है। कई चर्चाओं और गणना के बाद मैंने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि के रूप में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। मेरी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद राज्य के कई नेताओं ने मुझसे संपर्क किया। भाजपा उम्मीदवार धनंजय सरजी ने कल मुझे एक मिस्ड कॉल दी। हमारे नेताओं का मानना है कि तटीय लोग भाजपा का समर्थन करेंगे, भले ही उन्हें अवसरों से वंचित किया गया हो। मैं जानता हूं कि पहले के चुनावों में मुझे टिकट नहीं देने के लिए किसने क्या किया। यहां तक कि कांग्रेस ने भी मुझ पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का दबाव डाला। अब बीजेपी में नए लोगों को चुनाव लड़ने का मौका दिया जा रहा है। लेकिन इस बार उन्होंने पार्टी की सारी मर्यादाएं और परंपराएं तोड़ दी हैं। मैं धनंजय सरजी का पूरा सम्मान करता हूं। लेकिन वह एक साल पहले ही पार्टी में शामिल हुए थे। यहां तक कि उन्होंने बीजेपी और संघ परिवार के खिलाफ आयोजित विरोध सभा में भी मोर्चा संभाला। मैं भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं। मैं बीजेपी में ही रहूंगा चाहे हारूं या जीतूं।

मेरी मृत्यु के समय मेरे पार्थिव शरीर पर भाजपा का झंडा होना चाहिए। नेताओं ने मुझे पार्टी में कोई राजकीय पद देने पर भी विचार नहीं किया। लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी कार्यालय से मेरी तस्वीरें हटा दी गईं, जबकि मैं पार्टी के लिए काम कर रहा था। अब उडुपी विधानसभा क्षेत्र में सभी विकास कार्यों का उद्घाटन किया जा रहा है, लेकिन मुझे ऐसी विकास परियोजनाओं के उद्घाटन में भी आमंत्रित नहीं किया गया है। मैं इस रवैये से आहत हूं, मुझे मौका दीजिए और मैं दिखाऊंगा कि एक एमएलसी को कैसे काम करना चाहिए। इस मौके पर बालाजी राघवेंद्र आचार्य, के टी पुजारी, उपेन्द्र नायक, करमबली रघुराम शेट्टी, पांडुरंगा मल्लपे, श्रीनिवास उडुपा, कोककर्णे सुरेंद्रनाथ शेट्टी, जयराम आचार्य करमबली, सरस्वती बारिटया, और अन्य उपस्थित थे।

नाराज प्रेमी ने महिला की उसके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, हुब्बल्ली शहर में बुधवार तड़के एक नाराज प्रेमी ने एक लड़की के घर में घुसकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने पहले युवती को धमकी देते हुए चेतावनी दी थी कि उसका भी हाल नेहा हिरेमथ जैसा ही होगा, जिसकी हाल ही में हुब्बल्ली में एक कॉलेज परिसर में बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुबह 5.30 बजे महिला के घर में घुसा और जब वह सो रही थी तो उस पर हमला कर दिया।

इससे पहले कि वह प्रतिक्रिया दे पाती, आरोपी उस पर हमला कर चुका था। परिवार द्वारा हमलावर को रोकने के प्रयासों के बावजूद, व्यक्ति ने महिला की हत्या कर दी और भागने में सफल रहा।

आरोपी ने पीड़िता की दादी और दो बहनों की मौजूदगी में वारदात को अंजाम दिया। वह उसे पूरे घर में घसीटता रहा, लातें और चाकू मारता रहा। बाद में हत्यारे ने उसे रसोई में धकेल दिया जहां उसने उस पर फिर से चाकू से वार किया। यह घटना बेंडिगेरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में वीरपुरा ओनी इलाके में हुई। मृतक महिला की पहचान अंजलि अम्बिगेरा के रूप में हुई है, जबकि हत्यारे का नाम विश्वा है, जिसे गिरीश के नाम से भी जाना जाता है। इस घटना ने राज्य को झकझोर कर रख दिया, जो उसी शहर के एक कॉलेज परिसर में एक नाराज प्रेमी द्वारा एमसीए छात्रा नेहा हिरेमथ की नृशंस हत्या के बाद हुई। विश्वा घटनास्थल से भाग गया और फिलहाल फरार है। परिवार ने पुलिस को बताया कि उसने धमकी दी थी कि अगर उसने उसकी भावनाओं का जवाब नहीं दिया तो वह नेहा हिरेमथ की तरह उसे भी मार डालेगा। आरोपी अंजलि को ब्लैकमेल कर रहा था और उस पर अपने माता-पिता को बताए बिना अपने साथ मैसूरु चलने का दबाव बना रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी का चोरी के मामलों में शामिल होने का इतिहास है और वह बाइक चोर के रूप में भी जाना जाता है। अंजलि की दादी गंगम्मा ने पहले पुलिस से संपर्क किया था और उन्हें आरोपियों की धमकियों के बारे में बताया था। हालाँकि, पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उसे दूर भेजने से पहले उसे ज्यादा चिंतित न होने की सलाह दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सेक्स वीडियो कांड

प्रज्वल रेवन्ना के जर्मनी से लौटने की खबरों के बीच एसआईटी हुई अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सेक्स वीडियो कांड की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) उन खबरों के बाद हाई अलर्ट पर है कि मुख्य आरोपी, जद (एस) सांसद और हासन लोकसभा सीट से लोकसभा उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना बुधवार को जर्मनी से बेंगलूरु लौटने की योजना बना रहे थे। सूत्रों ने बताया कि प्रज्वल रेवन्ना ने दोपहर के समय जर्मनी से उड़ान भरने वाली डॉयचे लुफ्थांसा फ्लाइट के लिए 3.5 लाख रुपये का बिजनेस क्लास टिकट बुक किया था। एसआईटी को यह भी जानकारी मिली है कि उन्होंने टिकट तो रद्द कर दिया, लेकिन रिफंड का अनुरोध नहीं किया। एसआईटी सूत्रों के अनुसार, इससे प्रज्वल रेवन्ना के लिए अंतिम क्षण में उड़ान में सवार होने की संभावना खुल जाती है। यदि प्रज्वल रेवन्ना उड़ान भरते हैं, तो वह बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 पर पहुंचेंगे। यह जानकारी मिलने पर एसआईटी के अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और उन्हें हिरासत में लेने की तैयारी कर रहे हैं। एसआईटी ने प्रज्वल रेवन्ना द्वारा बेंगलूरु के लिए दो बार फ्लाइट टिकट बुक करने और बाद में उन्हें रद्द करने के बारे में भी जानकारी जुटाई है। प्रज्वल रेवन्ना के पिता, जद(एस) विधायक एच.डी. रेवन्ना को मंगलवार को सशर्त जमानत पर जेल से रिहा कर दिया गया। उन्हें सेक्स वीडियो स्कैंडल की एक पीड़िता के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जेडीएस के विवेकानंद होंगे उम्मीदवार

गौड़ा ने दिया बी फॉर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस नेता विवेकानंद को कर्नाटक दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जेडीएस उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने बुधवार को विधान परिषद चुनाव लड़ने के लिए विवेकानन्द को फॉर्म बी दिया। पद्मनाभनगर में गौड़ा के आवास पर बी फॉर्म जारी करने के समय जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा, नेता निरंजन मूर्ति, नागन्ना गौड़ा मौजूद थे।

मारिथिब्बे गौड़ा, विधान परिषद के सदस्य के रूप में इस्तीफा देने और कांग्रेस में शामिल होने के बाद, विधान परिषद के पूर्व सदस्य केटी श्रीकांत गौड़ा इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के प्रबल इच्छुक थे। लोकसभा चुनाव की तरह भाजपा और जेडीएस ने गठबंधन बनाया है और आगामी चुनाव में भी अपने उम्मीदवार उतार रहे हैं। इस बीच, भाजपा ने दक्षिण-पश्चिम शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र को छोड़कर शेष पांच निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने कर्नाटक दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए इसी निंगाराजू की घोषणा की। बाद में जेडीएस ने भी अपना उम्मीदवार उतार दिया। तथ्य यह है कि निंगाराजू भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो गए हैं, जिससे भ्रम पैदा हो गया है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा

भारत को प्रधानमंत्री मोदी जैसे मजबूत नेतृत्व की जरूरत

विपक्ष लगा रहा झूठे आरोप, मुस्लिम भी उठा रहे योजनाओं का लाभ

देहरादून, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष हाजी शादाब शम्स ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न तो मुसलमान खतरे में हैं और न ही भारत का संविधान खतरे में है, जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि खतरे में केवल कुछ नेताओं की दुकान है।

शम्स ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध के कगार पर है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व को मजबूत करने की जरूरत है। पूरे विश्व पर युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। विभिन्न देशों में अराजकता और संघर्ष का माहौल है। ऐसे समय में, भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरा कार्यकाल अवश्य मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश को नुकसान होगा। वक्फ बोर्ड

के अध्यक्ष ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ सोमवार को हरिद्वार के पिरान कलियर में साबिर साहब की विश्व प्रसिद्ध दरगाह पर पीएम मोदी के लिए चादर चढ़ाई थी। शम्स ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी के लिए लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रार्थना की ताकि भारत उनके नेतृत्व में विकास करता रहे। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। शम्स ने कहा कि आखिरी आदमी जिसे पहले कभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला था, उसके सिर पर छत है। शौचालय मिल रहा है। सड़कें बन रही हैं, देश हर मोर्चे पर प्रगति कर रहा है।

शम्स ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न तो मुसलमान खतरे में हैं और न ही भारत का संविधान खतरे में है, जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि खतरे में केवल कुछ राजनेताओं की दुकान है। विपक्षी नेता देश के लोगों खासकर मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह झूठ फैला रहे हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री की मुस्लिम विरोधी छवि बनाने के लिए झूठे इल्जाम और झूठा प्रचार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए इतने जनहितकारी कार्य किए जो आज तक कोई प्रधानमंत्री नहीं कर सका। इस मौके पर बहरोज़ आलम, अजहर सिद्दीकी, हाजी मुस्तकीम, अकरम, सिकंदर साबरी, गुलफ़ाम, जिम्मू साबरी, तारिक अनवर, फराज़ खान आदि मौजूद रहे।

370 हटने से श्रीनगर में बढ़ा मतदान का प्रतिशत

कुछ नेता इसे नहीं मानने की पुरानी जिद पर अड़े

जम्मू, 15 मई (ब्यूरो)। श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में 1996 के बाद मतदान के रिकार्ड ने कई लोगों के चेहरों पर खुशी लाई है पर इसे लेकर एक विवाद भी छिड़ गया है। दरअसल यह विवाद इस कामयाबी के पीछे की वजहों से है। कई कश्मीरी नेता कहते थे कि अनुच्छेद 370 हटने के वोट प्रतिशत तो 80-90 फीसद बढ़ना चाहिए था, लेकिन उतना नहीं बढ़ा।

कश्मीर के कुछ नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा मंत्रियों के इस दावे का विरोध कर रहे हैं कि श्रीनगर लोकसभा सीट पर उच्च मतदान अनुच्छेद 370 के समाप्त होने के कारण हुआ। उल्लेखनीय है कि श्रीनगर लोकसभा सीट पर 38.3 प्रतिशत मतदान हुआ, जो आतंकवाद की शुरुआत के बाद से दूसरा सबसे बड़ा मतदान प्रतिशत है। इसने मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य को श्रेय लेने के लिए प्रेरित किया। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मतदान को अच्छा बताया, लेकिन यह कहने

से बाज नहीं आईं कि लोग 2019 से घुटन महसूस कर रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर उम्मीदवार आगा रूहुल्लाह ने दावा किया कि लोगों ने अपने वोटों के माध्यम से अपना विरोध जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्साहजनक मतदान के लिए श्रीनगर में मतदाताओं की सराहना की, जिसे उन्होंने पहले से काफी बेहतर बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से लोगों की क्षमता और आकांक्षाओं को पूर्ण अभिव्यक्ति मिल पाई है। यह जम्मू कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए बहुत अच्छा है। अमित शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के मोदी सरकार के फैसले का परिणाम मतदान प्रतिशत में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि इससे लोकतंत्र में लोगों का भरोसा बढ़ा है और जम्मू कश्मीर में इसकी जड़ें गहरी हुई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद कहते हैं कि अगर ऐसा था तो मतदान प्रतिशत 80 परसेंट से अधिक होना चाहिए था।

वर्ष 2019 में श्रीनगर में लोकसभा चुनाव में 14.43 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्ष 2014 में 25.86 प्रतिशत, 2009 में 25.55 प्रतिशत और 2004 में 18.57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। आतंकवाद के फैलने के बाद से सबसे अधिक 40.9 प्रतिशत मतदान 1996 में दर्ज किया गया था। लेकिन यह विवादास्पद था क्योंकि अंधाधुंध फर्जी मतदान हुआ था।

कश्मीरी विस्थापितों द्वारा कम मतदान करने से भाजपा निराश

बारामुला और अनंतनाग के मतदान पर जोर

जम्मू, 15 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में भाजपा को निराशा कश्मीरी विस्थापितों द्वारा कम मतदान करने से भी हुई है। हालांकि अभी बारामुला और अनंतनाग के संसदीय क्षेत्रों के लिए होने वाले मतदान में कश्मीरी विस्थापित अहम भूमिका रखते हैं, ऐसे में अब भाजपा का सारा जोर इन संसदीय क्षेत्रों के लिए लगने लगा है।

श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं का सबसे कम मतदान भाजपा के लिए अच्छा नहीं रहा है क्योंकि पार्टी पिछले दस वर्षों से विस्थापित समुदाय को एकजुट करने के लिए काम कर रही है। दरअसल पार्टी नेत-ाओं द्वारा साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों के बावजूद, जिन्हें विस्थापित समुदाय की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, पार्टी ने गणना की कि केवल 14 प्रतिशत कश्मीरी प्रवासी मतदाता श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र में अपना वोट डालने आए, जिसके लिए मतदान हुआ।

भाजपा नेता, जिन्हें प्रवासियों को जुटाने की जिम्मेदारी दी गई थी, दावा कर रहे हैं कि 39 प्रतिशत योग्य कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं ने वोट डाले लेकिन

वास्तविकता अलग है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1.25 लाख कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं ने खुद को कश्मीर में मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया था। भाजपा के एक नेता ने कहा कि इन 1.25 लाख योग्य मतदाताओं में से अकेले श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में लगभग 53,000 पंजीकृत कश्मीरी प्रवासी मतदाता हैं। वे कहते हैं कि पार्टी नेताओं की विफलता के कारण, केवल 16,000 ने हाल ही में एम फार्म भरकर और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर मतदान करने में अपनी रुचि दिखाई है। सोमवार को श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में कुल 53,000 पात्र कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं में से केवल 6800 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो सीट पर कुल पात्र मतदाताओं का 12 प्रतिशत से अधिक है।

भाजपा की ओर से एक विशेष सेल का गठन किया गया है और यह सेल सिर्फ प्रवासी मतदाताओं पर काम कर रहा है। भाजपा के एक सूत्र ने कहा कि कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सेल के पास एक समर्पित कार्यालय और कर्मचारी थे। उन्होंने कहा कि कम मतदान इस बात का संकेत है कि सेल के सदस्य कश्मीरी प्रवासियों तक पहुंचने में विफल रहे। एक अन्य पार्टी नेता ने कहा कि जम्मू, उधमपुर और दिल्ली में रहने वाले अधिकांश कश्मीरी प्रवासी मतदाता लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए उत्साहित थे, लेकिन भाजपा के सेल के सदस्य समय पर उन तक पहुंचने में विफल रहे। ऐसा प्रतीत होता है कि सेल के सदस्य केवल अपने समर्पित कार्यालय तक ही सीमित रहे और उन्होंने पार्टी नेताओं को कथित तौर पर बेवकूफ बनाया।

पहली बार केंद्र शासित लद्दाख का प्रतिनिधि जाएगा संसद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 मई।

लद्दाख लोकसभा सीट पर 20 मई को वोट डाले जाएंगे। अभी तक यह सीट जम्मू और कश्मीर की 6 लोकसभा सीटों में से एक मानी जाती थी पर अब पहली बार है कि लद्दाख पहली बार केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर अपने प्रतिनिधि को संसद में भेजेगा। लोकसभा चुनाव 2024 में लद्दाख लोकसभा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद का टिकट काट दिया है।

जामयांग सेरिंग नामग्याल की जगह ताशी ग्यालसन को मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने त्सेरिंग नामग्याल को उम्मीदवार बनाया है। यही नहीं इस सीट पर कुछ स्थानीय दलों ने निर्दलीय मोहम्मद हनीफा को मैदान में उतारा है।

साल 2019 आम चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार जामयांग सेरिंग नामग्याल ने निर्दलीय उम्मीदवार सज्जाद हुसैन को 10 हजार 930 वोटों से हराया था। भाजपा को 42 हजार 914 वोट मिले थे, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार सज्जाद हुसैन को 31 हजार 984 वोट मिले थे। इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार रिगजिन स्पालबार चौथे नंबर पर रहे और उनको 21 हजार 241 वोट मिले थे।

लद्दाख लोकसभा सीट दो करगिल और लेह में फैली हुई है। देश के सबसे ठन्डे और क्षेत्रफल के लिहाज से देश में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र लद्दाख है लेकिन जनसंख्या के हिसाब से यह देश के सबसे छोटे लोकसभा क्षेत्रों में से एक

है। लद्दाख लोकसभा सीट में चार विधानसभा क्षेत्र कारगिल, जानस्कर, लेह और नोबरा आते हैं। दुनिया के अत्यंत दुर्गम रिहायशी इलाके लद्दाख में हैं। यहां करीब आधा दर्जन ऐसे स्थान हैं जहां आज भी सड़क मार्ग से नहीं पहुंचा जा सकता है। चुनाव आयोग को कुछ केन्द्रों पर अपने मतदानकर्मियों को वायुमार्ग से भेजने की व्यवस्था करनी पड़ती है। कई मतदान केंद्रों पर 90 से भी कम मतदाता हैं।

लद्दाख लोकसभा सीट पर पहली बार साल 1967 आम चुनाव में वोटिंग हुई थी। उस चुनाव में कांग्रेस के कुशोक बकुला सांसद चुने गए थे। कांग्रेस ने लगातार 5 बार इस सीट पर जीत दर्ज की थी। कुशोक बकुला ने साल 1971 आम चुनाव में जीत दर्ज की। लेकिन साल 1977 आम चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर पार्वती देवी सांसद चुनी गईं। साल 1980 आम चुनाव में फुंसोग नामग्याल ने जीत हासिल की। फुंसोग नामग्याल साल 1984 के आम चुनाव में भी सांसद चुने गए।

साल 1989 आम चुनाव में पहली बार ये सीट कांग्रेस के हाथ से फिसली। निर्दलीय उम्मीदवार मोहम्मद हसन कमांडर ने जीत हासिल की। लेकिन साल 1996 आम चुनाव में कांग्रेस के फुंसोग नामग्याल सांसद चुने गए। साल 1998 चुनाव में जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन के उम्मीदवार सैयद हुसैन और साल 1999 में हसन खान विजय हुए। साल 2004 आम चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार थुपस्टन छेवांग और साल 2009 आम चुनाव में निर्दलीय हसन खान सांसद चुने गए। इस सीट पर पहली बार साल 2014 आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली थी। भाजपा के थुपस्टन छेवांग सांसद चुने गए। जबकि साल 2019 आम चुनाव में भाजपा के जामयांग सेरिंग नामग्याल ने जीत दर्ज की। 1991 में यहां चुनाव नहीं हुआ था।

लद्दाख क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। लद्दाख का क्षेत्रफल 1.74 लाख वर्ग किलोमीटर है। हिमालय की गोद में बसे इस क्षेत्र की सुंदरता देखते ही बनता है। यहां देश-दुनिया से पर्यटक घूमने आते हैं। इस लोकसभा सीट से साल 2014 में भाजपा के टिकट पर थुप्सटन छेवांग चुनाव जीते। यह पहली बार था जब भाजपा का कोई उम्मीदवार लद्दाख लोकसभा सीट से चुनाव जीतने में कामयाब हुआ था।

2014 के चुनाव में भाजपा के थुप्सन चेवांग और निर्दलीय प्रत्याशी गुलाम रजा के बीच कड़ी टक्कर हुई थी। थुप्सटन छेवांग ने गुलाम रजा को सिर्फ 36 वोटों से हराया था। छेवांग को 31,111 और गुलाम रजा को 31, 075 वोट मिले थे। हालांकि 2019 लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले थुप्सटन छेवांग ने 13 दिसंबर, 2018 को सदन और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले छेवांग 2004 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में यहां से चुनाव जीते थे।

सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्रों का वितरण शुरू

दिल्ली में 14 शरणार्थियों को केंद्रीय गृह सचिव ने सौंपे नागरिकता प्रमाण पत्र

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सीएए को लेकर लोकसभा चुनाव में सियासी वार-पलटवार के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने इसके तहत नागरिकता प्रमाण पत्र का वितरण शुरू कर दिया है। इस कानून के तहत बुधवार को पहली बार केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने दिल्ली में 14 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपा। इसके साथ ही देश भर के करीब 31 हजार गैर मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने का सिलसिला शुरू हो गया है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में सीएए बड़ा मुद्दा है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दल न सिर्फ इसका तीखा विरोध कर रहे हैं, बल्कि सत्ता में आने पर इस कानून को खत्म करने का वादा भी कर

रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा सीएए का विरोध करने वाले दलों को हिंदू विरोधी बता कर लगातार पलटवार कर रही है। पार्टी नेता विपक्ष पर मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा ने इस बार के अपने घोषणा पत्र में सीएए का वादा किया था। करीब दो महीने पहले कानून लागू होने के बाद शरणार्थियों को नागरिकता देने का सिलसिला शुरू कर भाजपा ने बीच चुनाव में ही अपना वादा पूरा कर दिया है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि गत मार्च में सीएए से संबंधित अधिसूचना जारी किये जाने के बाद योग्य लोगों को नियमों के अनुसार नागरिकता प्रमाण पत्र का वितरण शुरू हो गया है। केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने यहां कुछ आवेदकों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। इस अवसर पर गृह सचिव ने आवेदकों को बधाई देते हुए नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। डाक विभाग के सचिव, खुफिया विभाग के निदेशक और भारत के महापंजीयक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

सरकार ने गत 11 मार्च को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 को अधिसूचित किया था।

आजादी के समय का वादा मोदी ने सीएए के जरिए किया पूरा: शाह

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बंगलादेश से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत में बसने वाले लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए जाने को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि इससे आजादी के समय किया गया वादा पूरा हो गया है। श्री शाह ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मोदी की गारंटीवादा पूरा होने की गारंटी। उन्होंने लिखा, आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। आज दशकों का इंतजार समाप्त हुआ है और सीएए के माध्यम से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक प्रताड़नाओं के कारण भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई बहनों-भाइयों को भारत की नागरिकता मिलनी शुरू हो गयी है।

ग्वालियर की राजमाता माधवी राजे सिंधिया का निधन

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर राजघराने की राजमाता एवं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां श्रीमती माधवी राजे सिंधिया का बुधवार को निधन हो गया। वह 70 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार कल अपराह्न ग्वालियर में पांरपरिक रीति रिवाज के साथ किया जाएगा। श्री सिंधिया के निकटवर्ती सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी कि राजमाता श्रीमती सिंधिया ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आज सुबह नौ बजकर 28 मिनट पर अंतिम सांस ली।

उस समय उनके परिवार के सदस्य उनके पास ही थे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री माधव राव सिंधिया की पत्नी श्रीमती सिंधिया बीते तीन महीने से अस्वस्थ थीं और करीब दो माह से एम्स में उनका इलाज चल रहा था। पिछले दो सप्ताह से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और वह वेंटीलेटर पर थीं।

वह नेपाल के राणा राजवंश से थीं। इस राजवंश के प्रमुख जुद्ध शमशेर जंग बहादुर राणा थे, जो नेपाल के प्रधानमंत्री भी रहे। उनका विवाह ग्वालियर के तत्कालीन महाराज माधव राव सिंधिया से आठ मई 1966 को हुई थी। सिंधिया राजघराने की बहू बनने से पहले उनका नाम किरण राज लक्ष्मी था। श्री माधव राव सिंधिया एवं श्रीमती माधवी राजे सिंधिया की एक पुत्री चित्रांगदा राजे और एक पुत्र ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं।

झांसी में योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, पुष्पवर्षा से स्वागत

▪ रोड शो में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे

झांसी, 15 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को झांसी पहुंचे। यहां उन्होंने लक्ष्मी गेट स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद रोड शो की शुरुआत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ी। सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोगों की भीड़ सीएम योगी पर फूलों की बारिश करती नजर आई। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी सीएम योगी को देखने के लिए मौजूद रहीं। महिलाओं ने सीएम योगी पर फूलों की बारिश कर उनका स्वागत किया। जय श्री राम के नारों के बीच लोग हाथों में भाजपा का झंडा थामे इस रोड शो में हिस्सा लेते दिखाई दिए। विभिन्न स्थानों पर महिलाओं और पुरुषों ने सीएम योगी की आरती भी उतारी गई।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भी स्थानीय लोगों के उत्साह को देखते हुए उन पर फूल बरसाते दिखे। मुख्यमंत्री ने हाथों में चुनाव चिह्न कमल और विक्ट्री सीन दिखाते हुए लोगों से भाजपा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के

लिए वोट की अपील की। घास मंडी, बड़ा बाजार, मानिक चौक, सिंधी तिराहा से होते हुए सीएम का रोड शो आगे बढ़ा और कोतवाली के निकट समाप्त हुआ। रोड शो के कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इस रोड शो में हिस्सा लेने के लिए वाहन पर सवार हुए। रास्ते में मुस्लिम समाज के लोग भी मुख्यमंत्री के रोड शो पर फूलों की बारिश करते दिखे। कोतवाली के निकट रोड शो के समापन स्थान पर सीएम ने रोड शो में मौजूद लोगों को वाहन पर ही खड़े होकर धन्यवाद दिया और संक्षिप्त सम्बोधन दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के लोकप्रिय प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में आज झांसी वासियों ने जो अनुराग उनके ऊपर लुटाया है, उसके लिए क्रांति की इस धरा को कोटि कोटि नमन। सीएम योगी ने इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी रोड शो में शामिल होने के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी झांसी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की नई झांसी बन चुकी है। अब तो यहां पर ऐसी तोपें बन रही हैं, जब वह बॉर्डर पर गड़गड़ाती हैं, तो पाकिस्तान के अंदर उनकी पैंट भी गीली हो जाती है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड अब नए युग में प्रवेश कर चुका है, आज यहां डिफेन्स कॉरिडोर है। आज यहां हर घर नल की योजना है। आज यहां बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे है। आज झांसी में हम लोग एक नए नोएडा को बसाने की कार्रवाई कर चुके है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार अपने बुंदेलखंड का ऐसा विकास कराएगी कि यहां का नौजवान पलायन नहीं करेगा बल्कि दुनिया बुंदेलखंड के पास नौकरी मांगने आएगी। नया औद्योगिक शहर बसाने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर आगे बढ़ चुकी है। अगले पांच वर्ष के अंदर आप इसके परिणाम देखेंगे। इसके लिए हमें आत्मनिर्भर व विकसित भारत के सभी कार्य हो रहे हैं। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए लिए मोदी जी को अबकी बार चार सौ पार के इस लक्ष्य के साथ कांग्रेस और सपा के नापाक और विभाजनकारी को सिरे से खारिज करना होगा। ये गठबंधन देश को बर्बाद करने वाला है, रामद्रोही है और पाकिस्तान का राग अलापने वाला है। हमें फिर एक बार मोदी सरकार के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।

रोड शो के दौरान विशेष वाहन पर मुख्यमंत्री के साथ मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, झांसी सीट से लोकसभा प्रत्याशी अनुराग शर्मा, सदर विधायक रवि शर्मा, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, गरौठा विधायक जवाहर लाल, मेयर बिहारी लाल आर्य भी मौजूद रहे।

बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाने वालों की जब्त होनी चाहिए जमानत : योगी

सीएम योगी ने हमीरपुर लोकसभा में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

महोबा, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केंद्र और प्रदेश की सरकार ने सबसे अधिक बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास पर फोकस किया है। इस क्षेत्र को नोएडा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिसके बाद यहां के नौजवान पलायन नहीं करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया से लोग यहां नौकरी और रोजगार के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि पिछली सरकारों में बुंदेलखंड के क्षेत्र में माफिया और डकैत पैदा किये गये थे। बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया गया। ऐसे लोगों की जमानत जब्त होनी चाहिए। सीएम योगी बुधवार को यहां डाक बंगला मैदान में हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट की अपील की।

सीएम योगी ने आल्हा-उदल और वीर चंदेलों की भूमि को नमन करते हुए कहा कि उनके लिए महोबा उनकी अपनी भूमि लगती है। बाबा गोरखनाथ ने यहीं गोरखगिरी में तपस्या की थी और आल्हा उदल को यहीं अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार गोरखगिरी में पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के साथ पिछली सरकारों ने बहुत अन्याय

किया था। यह क्षेत्र प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, यहां नदी, नाले, खनन और पर्यटन की संभावना है। सपा सरकार ने यहां माफिया और डकैत पैदाकर के जनता का शोषण किया।

मुख्यमंत्री ने महोबा के बारे में कही जाने वाली प्रसिद्ध कहावत का जिक्र करते हुए कि महोबा वाले बड़े लड़इया, इनकी मार सही ना जाए। सीएम योगी ने जनता से अपील की कि अपने वोट की मार से सपा, बसपा और कांग्रेस की जमानत जब्त करें। उन्होंने कहा कि चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा है। भाजपा का विरोध केवल दो लोग कर रहे हैं एक वो जो रामद्रोही हैं और दूसरे जो पाकिस्तान का राग अलापते हैं। पाकिस्तान प्रेमियों को वहां जाकर कटोरा लेकर भीख मांगना चाहिए। सीएम ने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों को वोट देकर पाप का भागीदार नहीं बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले जबसे देश में मोदी जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनी तबसे बड़े बड़े विकास के कार्य और परिवर्तन हुए। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनी। पहली बार जब मैं बुंदेलखंड आया तो यहां के नेताओं ने मुझसे कहा था कि बुंदेलखंड के लिए कुछ होना चाहिए। तब मैंने कहा था कि बुंदेलखंड के लिए ऐसा करूंगा कि आने वाली पीढ़ियां याद करेंगी। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेस को देखकर अच्छा लगता है। हमारा बुंदेलखंड अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। हर घर नल योजना से घर घर आरओ का पानी पहुंचाने का काम हो रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री के हाथों अर्जुन सहायक परियोजना, रतौली बांध परियोजना, भावनी बांध परियोजना और मजगांव चिल्ली स्प्रिंकलर सिंचाई परियोजना का लोकार्पण हुआ तो बुंदेलखंड के खेत भी अब प्यासे नहीं रहे।

सीएम योगी ने कहा कि हमने बिना चेहरा, गांव या क्षेत्र देखे सबका साथ सबका विकास किया है।आज बुंदेलखंड में बनी तोप जब सीमा पर गरजती है तो पाकिस्तान वालों की पैंट भीग जाती है। 2017 के पहले यहां डकैतों का आतंक था, बड़े बड़े माफिया थे। सपा, बसपा कांग्रेस ने यहां माफिया दिया जो लूट खसोट मचा रहे थे। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा खतरे में थी। आज बुंदेलखंड को नोएडा के तर्ज पर विकसित करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब हमारा नौजवान बुंदेलखंड से पलायन नहीं करेगा। पूरी दुनिया आपके पास नौकरी की भीख मांगने आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। जबकि पाकिस्तान जिसकी आबादी यूपी से भी कम है वहां एक किलो आटे के लिए भी मारपीट मची हुई है। पाकिस्तान से भी बड़ी आबादी को बीते 10 साल में मोदी जी ने गरीबी से उबारा है। पाकिस्तान का राग अलापने वाले को हमें कहना चाहिए कि जाएं वहां कटोरा लेकर भीख मांगें। उनके पास एटम बम है तो क्या हमारा एटम बम फ्रीज में रखने के लिए है। सेना में शामिल बुंदेलखंड के नौजवानों की मार से दुश्मन हमेशा चित होता है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते हैं कि भारत में राममंदिर का निर्माण नहीं होना चाहिए, उनसे पूछा जाना चाहिए कि राममंदिर भारत में नहीं बनेगा को तो क्या इटली में बनेगा।

सीएम योगी ने कहा कि आपके एक वोट के कारण ही मोदी जी और योगी जी को ताकत मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन बाद यहां हमीरपुर के राठ में स्वामी ब्रह्मानंद की समाधि पर जाकर पुष्पांजलि करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकासित भारत बनाने का चुनाव है। जिन लोगों ने बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया है, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया था, अपने वोट से ऐसी मार दीजिए कि इनकी जमानत जब्त हो जाए। ये चुनाव देश के भविष्य के लिए है।

यूपी में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सलाह दी कि उन्हें सच बोलने की आदत डाल लेना चाहिए। सीएम योगी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह देश को मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटती रही है।

खड़गे जी ने हाल ही में भगवान शिव और प्रभु श्रीराम के बीच लड़ाई लगाने का कुत्सित प्रयास किया है। ये इनकी क्षुद्र मानसिकता है। सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बाबा साहब और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का लगातार अपमान किया है।

कहा कि इंडी गठबंधन के लोगों को पीएम मोदी के विकसित भारत की संकल्पना से चिढ़ हो रही है। सीएम योगी ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर न्यूज़ एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा का चार चरण समाप्त हो चुका है। मोदी जी की लहर सुनामी बनकर सामने आ गई है और इंडी गठबंधन की हवा निकल चुकी है। जनता ने इन्हें खारिज कर दिया है। इंडी गठबंधन फिर से देश की अपूरणीय क्षति करना चाहता है। मगर, जनता ने इनसे पिंड छुडा लिया है।

अब ये देश की सत्ता में कभी नहीं आ सकते। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब का सबसे ज्यादा अपमान कांग्रेस ने किया,

तो वहीं सपा ने भी बाबा साहब और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का अपमान किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दलित महापुरुषों के स्मारक को तोड़ने तक की बात कही थी। इसके अलावा कन्नौज के मेडिकल कॉलेज से बाबा साहब के नाम को हटाया था। इतना ही नहीं कांशीराम मेडिकल कॉलेज और भाषा विश्वविद्यालय का नाम बदल दिया था। इंडी गठबंधन भारतीय संविधान के खिलाफ आचरण और जाति के नाम पर विभाजन की राजनीति का अनुसरण कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का नया भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में सम्मान और सुशासन के नये माहौल में आ चुका है। इस विकसित भारत की संकल्पना से इंडी गठबंधन को चिढ़ हो रही है। कभी ये पाकिस्तान की वकालत करते हैं, कभी जातीय जनगणना की बात करते हैं। संविधान में जितना संशोधन और छेड़छाड़ कांग्रेस ने किया उतना किसी ने नहीं किया। अब ये लोग एससी एसटी ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाना चाहते हैं। आने वाले तीन चरणों में भी इन्हें जनता खारिज करेगी।

इंडी गठबंधन राम विरोधी, भारतीय आस्था का विरोधी और आरक्षण विरोधी है। यूपीए सरकार ने पहले ही रंगनाथ मिश्रा और सच्चर कमेटी का गठन करके आरक्षण में सेंध लगाने की कोशिश की थी। ये विरासत टैक्स लगाकर औरंगजेब की तरह ही जजिया कर लगाना चाहते हैं। इन्हें एक सिरे से खारिज करना होगा। यूपी में 2014, 2017, 2019 और 2022 में मोदी जी को जनता ने अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया था। अब 2024 में 'फिर एक बार मोदी सरकार' और 'अबकी बार 400 पार' के नारे के साथ जनता मोदी जी के साथ है।

दुर्योधन और दु:शासनों के खिलाफ चुनावी महाभारत

कृष्ण की भूमिका में हैं पीएम मोदी: योगी

जालौन लोकसभा के उरई में योगी ने की जनसभा

जालौन, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जालौन लोकसभा क्षेत्र के उरई में केंद्रीय मंत्री और भाजपा, अपना दल, राष्ट्रीय लोकदल, निषाद पार्टी, सोहेल देव राजभर पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आज सुबह सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सुन रहा था। उन्होंने कहा कि चुनाव में दो ध्रुवीकरण हो चुके हैं। खड़गे जी से कहना चाहता हूं कि देश का चुनाव ध्रुवीकरण के बीच नहीं, ये चुनाव तो रामभक्तों और राम द्रोहियों के बीच में हो रहा है। एक तरफ सभी रामद्रोही खड़े हैं, रामभक्तों पर गोली चलाने वाले खड़े हैं, देश के साथ गद्दारी करने वाले और पाकिस्तान का राग अलापने वाले खड़े हैं, उन दुर्योधन और दुशासनों के खिलाफ इस महाभारत में आज मोदी जी भारतीय जनता पार्टी का सारथी बनकर कृष्ण की भूमिका में खड़े हैं। सीएम योगी ने कहा, रामद्रोही हमेशा पराजित हुआ है, पतन को प्राप्त हुआ है। ये जो रामद्रोही हैं, ये केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं। इनको न जाति की चिंता है, न प्रदेश की चिंता है और न देश की चिंता है, इन्हें न आपकी

आस्था की चिंता है, न गरीब की चिंता है, न किसान की चिंता है, न महिलाओं की चिंता है न बेटियों की चिंता है। इनको सिर्फ परिवार की चिंता है। वहीं मोदी जी के लिए 140 करोड़ का भारत ही उनका परिवार है।

अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि हमारा जालौन डिस्ट्रिक्ट कालपी के कागज और जालौन के मटर के लिए विख्यात है। वन डिस्ट्रिक्ट और वन प्रोडक्ट के आधार पर यह दोनों चीजें आज वैश्विक मान्यता को प्राप्त कर रही हैं। जालौन बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार है। आज से दस साल पहले इसकी स्थिति क्या थी। सपा, बसपा और कांग्रेस ने बुंदेलखंड को माफिया के हवाले कर दिया था। इन्होंने इस पूरे क्षेत्र के संसाधनों को लूटा खसोटा था। इस पूरे क्षेत्र को अराजकता की ओर धकेलने का काम किया था। यहां के विकास को बाधित किया था। जिसका दुष्परिणाम था कि नौजवान पलायन कर रहा था। किसान आत्महत्या कर रहा था। बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। आज दस वर्ष में हमारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के साथ फोर लेन की कनेक्टिविटी से जुड़ चुका है। हर घर जल की योजना जमीनी धरातल पर दिखाई दे रही है। डिफेंस कॉरिडोर में बनने वाली तोप जब भारत की सीमा पर गरजती है तो पाकिस्तानियों की पैंट गीली हो जाती है। हमारा हस्तशिल्पी जब आज काम करता है तो दुनिया में सम्मान प्राप्त करता है। अब तो बुंदेलखंड में औद्योगिक नगर बसाने जा रहे हैं। अब मेरे बुंदेलखंड के नौजवानों को यहां से बाहर पलायन करना नहीं पड़ेगा, बल्कि दुनिया आपके पास नौकरी मांगने आएगी। ये जो चमत्कार बुंदेलखंड में दिखाई दे रहा है यह मोदी का करिश्मा है। बुंदेलखंड में हाईवे बन रहे हैं, रेलवे की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है।

बारिश में आंखों के इंफेक्शन से बचना हैं तो

जरूर बरतें ये सावधानियां

बारिश के मौसम का मजा लेते समय अपनी आंखों का ध्यान रखना कभी न भूलें क्योंकि इस मौसम में जलवायु संक्रमित सूक्ष्मजीवों को प्रोत्साहित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साफ तौलियों का उपयोग कर कंजक्टिवाइटिस, आंखों में गंदगी, सूखापन और कॉर्नियल अल्सर जैसे संक्रमणों से बचना जरूरी है।

ओजोन ग्रुप की मेडिकल कंसल्टेंट उमा सिंह, डॉक्सऐप के मेडिकल ऑपरेशंस के प्रमुख गोवरी कुलकर्णी, जैपलेल में क्रिएटिव हेड शैलजा मित्तल ने आंखों की समस्याओं से बचने के तरीके सूचीबद्ध किए हैं।

» अधिकांश आंखों के रोग आंखों के हाथ से संपर्क में आने पर होते हैं। इसलिए संक्रमण को कम करने या रोकने के लिए आंखों को छूने से पहले हाथ धो लें।

» अपनी आंखों को रगड़ने से बचें क्योंकि संक्रमण के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसकी बजाए, आंखों के आंसू या गंदगी साफ करने के लिए डिस्पोजेबल टिश्यूज का प्रयोग करें।

» बारिश में भीगने से बचें। हमेशा बारिश से बचने के लिए रेनकोट पहनें।

» अगर आपको में जलन हो, लाल हो या फिर आंखों से पानी गिर रहा हो तो कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

» आंखों के आसपास ऐसे मेकअप प्रोडक्ट का यूज न करे जो कि एक्सपायर हो गए हों।

» अपने पर्सनल प्रोडक्ट किसी और से शेयर न करें। रूमाल, सनग्लासेस और कॉन्टेक्ट लेंस को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें अत्यधिक संक्रामक संक्रमण हो सकते हैं।

बारिश के मौसम का मजा लेते समय अपनी आंखों का ध्यान रखना कभी न भूलें क्योंकि इस मौसम में जलवायु संक्रमित सूक्ष्मजीवों को प्रोत्साहित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साफ तौलियों का उपयोग कर कंजक्टिवाइटिस, आंखों में गंदगी, सूखापन और कॉर्नियल अल्सर जैसे संक्रमणों से बचना जरूरी है। ओजोन ग्रुप की मेडिकल कंसल्टेंट उमा सिंह, डॉक्सऐप के मेडिकल ऑपरेशंस के प्रमुख गोवरी कुलकर्णी, जैपलेल में क्रिएटिव हेड शैलजा मित्तल ने आंखों की समस्याओं से बचने के तरीके सूचीबद्ध किए हैं।

» अधिकांश आंखों के रोग आंखों के हाथ से संपर्क में आने पर होते हैं। इसलिए संक्रमण को कम करने या रोकने के लिए आंखों को छूने से पहले हाथ धो लें।

» अपनी आंखों को रगड़ने से बचें क्योंकि संक्रमण के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसकी बजाए, आंखों के आंसू या गंदगी साफ करने के लिए डिस्पोजेबल टिश्यूज का प्रयोग करें।

» बारिश में भीगने से बचें। हमेशा बारिश से बचने के लिए रेनकोट पहनें।

» अगर आपको में जलन हो, लाल हो या फिर आंखों से पानी गिर रहा हो तो कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

» आंखों के आसपास ऐसे मेकअप प्रोडक्ट का यूज न करे जो कि एक्सपायर हो गए हों।

» अपने पर्सनल प्रोडक्ट किसी और से शेयर न करें। रूमाल, सनग्लासेस और कॉन्टेक्ट लेंस को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें अत्यधिक संक्रामक संक्रमण हो सकते हैं।

कपड़े और फुटवियर ही नहीं पर्स भी मैचिंग हो तभी बनेगी बात

महिलाएं और लड़कियां चाहे जितनी भी खूबसूरत हों उनकी असली खूबसूरती श्रृंगार के बाद ही निखरती है। इसके लिए जितना संभव हो, वे सजती संवरती हैं। लेकिन सुंदर परिधान, मेकअप और गहनों के साथ मैचिंग पर्स न हो तो सारी खूबसूरती धरी रह जाती है। पर्स या बैग आज के युग में सिर्फ सुंदर दिखने का जारिया ही नहीं स्टेटस सिंबल भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला चाहे हाउस वाइफ हो या कामकाजी या स्कूल-कॉलेज जाने वाली, पर्स या हैंड बैग उनके फैशन के साथ-साथ आम जरूरतों को भी पूरा करने के लिए आवश्यक है।

जिस तरह कॉलेज की लड़कियों और कामकाजी महिलाओं के लिए गहने, वस्त्र, सैंडिल आदि जरूरी हैं, उसी तरह हैंड बैग और पर्स भी उनके लिए बेहद जरूरी हैं। इससे व्यक्तित्व को एक अलग लुक तो मिलता ही है, साथ ही रोजमर्रा में इस्तेमाल की जाने वाली छोटी-छोटी चीजों को भी संभाल कर इसमें आसानी से रखा जाता है। इसके अलावा यह उन्हें आधुनिक फैशन की कतार में भी खड़ा करता है। इसलिए जब भी आप पर्स या हैंड बैग खरीदने जाएं तब फैशन के अनुसार उनके चलन, उपयोगिता, डिजाइन और दूसरे उद्देश्य को ध्यान में रखकर खरीदें।

अगर आप कॉलेज जाती हैं और कामकाज से वास्ता रखती हैं, तो निश्चित ही आपको इस तरह के पर्स की आवश्यकता होगी, जिसमें आपके उपयोग का सारा सामान आसानी से आ सके। लेकिन इसके बावजूद इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी हाल में आप का पर्स बड़ा नहीं हो। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि उसमें बहुत सारे खाने हों, जिससे आप अपनी जरूरतों का सामान अलग-अलग खाने में रख सकें, ताकि जरूरत पड़ने पर हर सामान आसानी से निकाल सकें। इसके लिए कैनवास और चमड़े के ऐसे कई बैग बाजार में उपलब्ध हैं जिसमें काफी समान रखा जा सकता है।

पर्स या बैग खरीदते वक्त इन बातों का खास ध्यान रखें। सबसे पहले तो पर्स का रंग, डिजाइन और आकार आपकी पसंद का हो, साथ ही कीमत का ध्यान भी रखें। पर्स का सही आकार का न होना आपकी शाख्सियत को प्रभावित करता है। अगर आप लंबी हैं तो बड़ा पर्स आपके व्यक्तित्व से मेल खाता है। आप कंधे पर लटकाने वाला बैग भी ले सकती हैं। अगर आप छोटे कद की महिला हैं तो बड़े साइज के पर्स या बैग हरगिज नहीं लें। छोटे कद की महिलाओं के लिए छोटे पर्स अच्छे और उनके व्यक्तित्व में निखार लाने वाले होते हैं।

आजकल जूट, रैगजीन, फाइबर और नायलॉन के बने पर्स हर वर्ग की महिलाओं की पहली पसंद हैं। शाम के समय सैर पर जाने या पार्टी वगैरह में जाने के लिए आप अलग तरह के फैंसी पर्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको कई तरह के डिजाइन, सुनहरे और रूपहले काम के, कढ़ाई वाले मोतियों के काम के तथा सुनहरी चैन वाले पर्स बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। ये पर्स अधिक बड़े नहीं होने चाहिए। केवल इतने ही बड़े हों कि आपके जरूरतों को पूरा कर सकें।

महिलाएं और लड़कियां चाहे जितनी भी खूबसूरत हों उनकी असली खूबसूरती श्रृंगार के बाद ही निखरती है। इसके लिए जितना संभव हो, वे सजती संवरती हैं। लेकिन सुंदर परिधान, मेकअप और गहनों के साथ मैचिंग पर्स न हो तो सारी खूबसूरती धरी रह जाती है। पर्स या बैग आज के युग में सिर्फ सुंदर दिखने का जारिया ही नहीं स्टेटस सिंबल भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला चाहे हाउस वाइफ हो या कामकाजी या स्कूल-कॉलेज जाने वाली, पर्स या हैंड बैग उनके फैशन के साथ-साथ आम जरूरतों को भी पूरा करने के लिए आवश्यक है। जिस तरह कॉलेज की लड़कियों और कामकाजी महिलाओं के लिए गहने, वस्त्र, सैंडिल आदि जरूरी हैं, उसी तरह हैंड बैग और पर्स भी उनके लिए बेहद जरूरी हैं। इससे व्यक्तित्व को एक अलग लुक तो मिलता ही है, साथ ही रोजमर्रा में इस्तेमाल की जाने वाली छोटी-छोटी चीजों को भी संभाल कर इसमें आसानी से रखा जाता है। इसके अलावा यह उन्हें आधुनिक फैशन की कतार में भी खड़ा करता है। इसलिए जब भी आप पर्स या हैंड बैग खरीदने जाएं तब फैशन के अनुसार उनके चलन, उपयोगिता, डिजाइन और दूसरे उद्देश्य को ध्यान में रखकर खरीदें। अगर आप कॉलेज जाती हैं और कामकाज से वास्ता रखती हैं, तो निश्चित ही आपको इस तरह के पर्स की आवश्यकता होगी, जिसमें आपके उपयोग का सारा सामान आसानी से आ सके। लेकिन इसके बावजूद इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी हाल में आप का पर्स बड़ा नहीं हो। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि उसमें बहुत सारे खाने हों, जिससे आप अपनी जरूरतों का सामान अलग-अलग खाने में रख सकें, ताकि जरूरत पड़ने पर हर सामान आसानी से निकाल सकें। इसके लिए कैनवास और चमड़े के ऐसे कई बैग बाजार में उपलब्ध हैं जिसमें काफी समान रखा जा सकता है। पर्स या बैग खरीदते वक्त इन बातों का खास ध्यान रखें। सबसे पहले तो पर्स का रंग, डिजाइन और आकार आपकी पसंद का हो, साथ ही कीमत का ध्यान भी रखें। पर्स का सही आकार का न होना आपकी शाख्सियत को प्रभावित करता है। अगर आप लंबी हैं तो बड़ा पर्स आपके व्यक्तित्व से मेल खाता है। आप कंधे पर लटकाने वाला बैग भी ले सकती हैं। अगर आप छोटे कद की महिला हैं तो बड़े साइज के पर्स या बैग हरगिज नहीं लें। छोटे कद की महिलाओं के लिए छोटे पर्स अच्छे और उनके व्यक्तित्व में निखार लाने वाले होते हैं। आजकल जूट, रैगजीन, फाइबर और नायलॉन के बने पर्स हर वर्ग की महिलाओं की पहली पसंद हैं। शाम के समय सैर पर जाने या पार्टी वगैरह में जाने के लिए आप अलग तरह के फैंसी पर्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको कई तरह के डिजाइन, सुनहरे और रूपहले काम के, कढ़ाई वाले मोतियों के काम के तथा सुनहरी चैन वाले पर्स बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। ये पर्स अधिक बड़े नहीं होने चाहिए। केवल इतने ही बड़े हों कि आपके जरूरतों को पूरा कर सकें।

सुझाव

सुंदर ही नहीं सेहतमंद भी बनाती है बिंदी

आमतौर पर महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए माथे पर बिंदी लगाती है, लेकिन आप जानती हैं कि माथे की बिंदी आपकी खूबसूरती बढ़ाने के साथ हेल्थ का भी ख्याल रखती है। शायद आपको इस बात को सुनकर आश्चर्य हो रहा होगा । लेकिन यह सच है आइए हम आपको बताते हैं कि बिंदी कैसे आपके सेहत की देखभाल करते हैं। भौंहों को बीच का ये हिस्सा बेहद संवेदनशील होता है। तनाव होने पर सबसे पहले हमारा यही हिस्सा दर्द करने लगता है। और बिंदी तनाव को कम करने में मदद करती है। बिंदी को भौंहों के बीच में लगाते हैं और यहां पर शरीर की सभी नसें एक साथ मिलती है। इसे अग्नि चक्र कहा जाता है। अगर आप बिंदी लगाती है तो आपका मन शांत रहता है और तनाव भी कम महसूस होता है।

झुर्रियां कम आती है

बिंदी लगाने से चेहरे के मसल्स में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है इससे मसल्स लचीले और मजबूत होते हैं और झुर्रियां कम आती हैं। इसलिए अगर आपको झुर्रियां आने शुरु हो गई है तो आपको आज से ही बिंदी लगाना शुरु कर दें।

अनिद्रा से बचाएं

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती है, तो आपके लिए बिंदी लगाना काफी फायदेमंद होगी। बिंदी लगाने से शरीर का ऊपरी भाग यानी चेहरा, गर्दन और पीठ के मसल्स को आराम मिलता है। जिससे अनिद्रा की समस्या दूर होती है।

साइनस से आराम

बिंदी साइनस की समस्या को दूर करने में भी मदद करती है। इस जगह की मसाज होने से ब्लड सर्कुलेशन नाक के आस-पास अच्छी तरह से होने लगता है, जिससे साइनस के कारण होने वाले सूजन कम होती है और नाक खुली जाती है। इससे आपको बहुत आराम महसूस होता है।

आंखों और कानों के लिए बेहतर

अाइए मसल्स को मजबूत बनाने में बिंदी खूब काम आती है। बिंदी को माथे के बीचों-बीच लगाया जाता है और इस जगह की नसें और आंखों की नसों का आपस में गहरा कनेक्शन होता है। जो अगल-बगल देखने और स्पष्ट देखने में मदद करती हैं। इसके अलावा जो नस चेहरे के मसल्स को उत्तेजित करती है । वह कानों के भीतर की मसल्स से मजबूत करके कान को स्वस्थ रखने में मदद करती है। तो क्यों न सेहत से जुड़े इतने फायदों को देखते हुए आज से ही ट्रेडिशन लुक के साथ-साथ वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी बिंदी को लगाया जाये।

इन तरीकों से सजाएं अपना लिविंग रुम

लिविंग रुम घर का सबसे खास हिस्सा माना जाता है। यहां परिवार के सभी सदस्य बैठ कर समय बिता सकते हैं। ऐसे में अगर इसकी सजावट अच्छी हो तो महौल भी अच्छा बन जाता है। आप भी अपने लिविंग रूम को खास बनाना चाहते हैं तो इन टिप्स को आपनाएं।

1. दीवारें सजाएं

दीवारों को आप लाइट और डार्क कंबीनेशन के साथ पेंट करवाएं। आप इन पर आर्ट वर्क भी करवा सकते हैं। इससे रुम की लुक अच्छी आएगी।

2. कॉर्नर

लिविंग रूम के हर एक कोने को अच्छे से इस्तेमाल करें। आप कोनों पर कुर्सियां भी लगा सकते हैं।

3. सामान समेंट कर रखें

कमरे की सफाई अच्छे से करें और समान को यहां-वहां न बिखरा रहने दें। बच्चों के खिलौने,चाबिया,अखबारें,जूते और बाकी का छोटा-छोटा सामान इस्तेमाल करने के बाद जगह पर रख दें।

4. रोशनी का करें इंतजाम

अगर कमरे में अंधेरा लगता है तो इस कमी को पूरा करने के लिए लाइटिंग की जरूरत है। आप डीजाइनर लैंप के साथ भी इस रूम को सजा सकते हैं। इससे रोशनी भी बढ़ जाएगी और लुक भी अच्छी आएगी।

रेसिपी

मिक्स्ड वेजिटेबल्स

सामग्री

पीसकर मुलायम पेस्ट बनाने के लिए,1 कप कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया,8 हरी मिर्च , कटी हुई, 12 लहसुन की कलियां, 4 टी-स्पून ज़ीरा, 4 इलायची, 5 लौंग, 25mm. (1) अदरक का टुकड़ा, 1/2 कप पानी, **अन्य सामग्री,** 3 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जियां (गाजर , फण्सी और हरे मटर), 4 टेबल-स्पून तेल, 4 टेबल-स्पून कटे हुए काजू, नमक स्वादअनुसार, 3/4 कप दुध, 4 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 2 चुटकी शक्कर

विधि

गहरी कढ़ाई मे तेल गरम करें, काजू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या काजू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर रख दें। उसी तेल में तैयार किया हुआ पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भूने। मिली-जुली सब्जियां, नमक, दुध, क्रीम, शक्कर और तले हुए काजू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाएं। तुरंत परोसें।

सिगरेट नहीं छोड़ रही पीछा तो खाने शुरू करें ये आहार

स्मोकिंग की बुरी लत आजकल हर 5 में से 3 युवाओं में देखी जाती है। एक बार अगर यह बुरी आदत लग जाए तो छूटनी मुश्किल हो जाती है लेकिन वह इससे होने वाले नुकसान से अंजान है। इससे शरीर को बहुत नुकसान भुगतना पड़ सकता है। इस लत से छुटकारा पाने के लिए अपने आहार में इन चीजों को शामिल करके फायदा मिल सकता है।

1. ओट्स

ओट्स बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसको खाने से शरीर की चर्बी कम होने के साथ-साथ सिगरेट पीने की आदत को भी दूर हो जाती है। दिन में एक या दो बार इसका सेवन करने से सिगरेट पीने की लत से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में होता है जो शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने का काम करते हैं। इसके साथ खूब सारा पानी पीएं। धीरे-धीरे सिगरेट पीने की आदत छूट जाएगी।

2. शहद

शहद भी बहुत लाभकारी होता हैं। इसमें प्रोटीन, विटामिन की मात्रा अधिक पाई जाती हैं। ऑर्गेनिक हनी का रोजाना 1 चम्मच खाने से फायदा मिलेगा।

3. मूली

मूली का सेवन करने से भी धूम्रपान से दूर रहा जा सकता है। इसे सलाद और सब्जी के रूप में भी खाया जा सकता है। यह चेन स्मोकर्स के लिए बहुत लाभकारी है।

4. मुलेठी

मुलेठी का प्रयोग खांसी जैसे रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता हैं पर इसके अलावा सिगरेट पीने वालों के लिए यह वरदान हैं। मुलेठी के टुकड़े को मुंह में डालकर चूसने से स्मोकिंग की इच्छा कम हो जाती है। दिन में 1-2 बार मुलेठी का इस्तेमाल जरूर करें।

5. पानी

पानी शरीर के लिए बहुत ही गुणकारी होता हैं। इसको पीने से स्किन में चमक आती हैं, विषैले पदार्थ यूरिन के द्वारा बॉडी से बाहर निकल जाते हैं। हर रोज कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। इससे धूम्रपान की आदत छूटने लगती है।

रेसिपी

स्पिनॅच एण्ड चीज स्टफड क्रैप्स

सामग्री

क्रैप्स् के लिए, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 कप मैदा, 1/4 कप दूध, 1 1/2 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, नमक स्वादअनुसार, मक्खन , चुपड़ने और पकाने के लिए, स्पिनॅच एण्ड चीज भरवां मिश्रण के लिए, 1 कप बारीक कटा हुआ पालक, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 2 टी-स्पून मक्खन, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/4 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार

विधि

क्रैप्स् के लिए: सभी सामग्री को लगभग 3/4 कप पानी के साथ एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिलाकर मुलायम घोल बना लें। एक 100 मिमी (4) व्यास के नॉन-स्टिक पैन को थोड़े मक्खन से चुपड़ लें, 1/4 कप घोल डालकर, पैन को तुरंत गोल घुमा लें जिससे पैन में घोल अच्छी तरह फैल जाए। क्रैप को दोनो तरफ से, थोड़े मक्खन का प्रयोग कर लगभग 30 सेकेन्ड तक पका लें। बचे हुए घोल का प्रयोग कर 4 और क्रैप्स् बना लें। एक तरफ रख दें।

स्पिनॅच एण्ड चीज़ भरवां मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और लहसुन डालकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। पालक, टमाटर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट तक पका लें। चीज़ डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधि: क्रैप को समतल सूखी जगह पर रखें।

स्पिनॅच एण्ड चीज़ भरवां मिश्रण को क्रैड के बीच रखकर अच्छी तरह रोल कर लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

आम आदमी पार्टी और विवादों का इतिहास

राजनीतिक बदलाव और शुचिता के सपने दिखाकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी के साथ ऐसे विवादों की शृंखला जुड़ गई है, जो उसे अन्य राजनीतिक दलों से भी पीछे पहुंचा देती है। अभी नवीनतम प्रकरण मुख्यमंत्री के आवास पर महिला नेता के साथ मारपीट और बदसलूकी का है। यह कोई साधारण महिला नेता के साथ हुआ घटनाक्रम नहीं है अपितु राज्यसभा सांसद का मामला है। सांसद स्वाति मालीवाल पार्टी की समर्पित नेता हैं। जरा सोचिए, आम आदमी पार्टी में किस प्रकार का वातावरण है कि एक समर्पित नेता एवं राज्यसभा सांसद ही सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को इतनी ताकत कहाँ से मिली होगी कि उन्होंने स्वाती मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेता के साथ बदसलूकी करने का दुस्साहस दिखाया? यह एक गंभीर मामला है, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। पहले तो इस घटना पर पर्दा डालने का प्रयास हुआ लेकिन स्वाती मालीवाल द्वारा की गई शिकायत के बाद मामला हाथ से निकल गया, तब आआपा की ओर से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लीपा-पोती करने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सामने आकर माफी माँगनी चाहिए। उनके आवास पर, उनके ही निजी सचिव ने एक महिला नेता का अपमान किया है। संजय सिंह ने कहा है कि "यह बहुत ही निंदनीय घटना है। पार्टी ने इस मामले में संज्ञान लिया है। हम कठोर कार्रवाई करेंगे"। देखना होगा कि दुनियाभर में महिलाओं के सम्मान की बात करनेवाले अरविंद केजरीवाल अपने ही घर में महिला सांसद के साथ हुई मारपीट के मामले में कब तक कठोर कार्रवाई करते हैं? फिलहाल तो उन्होंने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की चुप्पी ही बहुत सारी कहानियों को जन्म दे रही है। उल्लेखनीय है स्वाती मालीवाल के साथ अभद्रता करनेवाले विभव कुमार और मुख्यमंत्री केजरीवाल की दोस्ती वर्षों पुरानी है। साल 2015 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बने विभव कुमार लंबे समय से उनके साथ हैं। देखना होगा कि मुख्यमंत्री अपने मित्र को बचाते हैं या महिला के सम्मान में न्यायपूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं? याद रखें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर मारपीट का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी वर्ष 2018 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को मुख्यमंत्री आवास पर पीटा जा चुका है। मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, विधायक अमानतुल्लाह खान सहित 12 लोगों के विरुद्ध पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में आईएएस अंशु प्रकाश ने कहा था उन्हें विज्ञापन से संबंधित एक बैठक में बुलाया गया था। इसी बैठक में विधायक अमानतुल्लाह खान समेत अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट की थी। न्यायालय ने इस मामले में अमानतुल्लाह खान और प्रकाश जारवाल को दोषी ठहराया था जबकि बाकी सभी लोगों को बरी कर दिया था। यह दो प्रकरण बताते हैं कि आआपा ने एक अलग प्रकार का कार्य वातावरण बना दिया है, जहाँ कोई भी सुरक्षित नहीं है। प्रशासनिक अधिकारी से लेकर राज्यसभा सांसद तक के साथ मुख्यमंत्री आवास पर मारपीट की जा सकती है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। यह एक तरह की अराजकता है। स्मरण रहे कि अरविंद केजरीवाल एवं उनकी पार्टी पर पूर्व में अराजकता बढ़ावा देने के आरोप भी लगते रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के साथ ऐसे विवादों की शृंखला जुड़ गई है, जो उसे अन्य राजनीतिक दलों से भी पीछे पहुंचा देती है। अभी नवीनतम प्रकरण मुख्यमंत्री के आवास पर महिला नेता के साथ मारपीट और बदसलूकी का है। यह कोई साधारण महिला नेता के साथ हुआ घटनाक्रम नहीं है अपितु राज्यसभा सांसद का मामला है। सांसद स्वाति मालीवाल पार्टी की समर्पित नेता हैं। जरा सोचिए, आम आदमी पार्टी में किस प्रकार का वातावरण है कि एक समर्पित नेता एवं राज्यसभा सांसद ही सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को इतनी ताकत कहाँ से मिली होगी कि उन्होंने स्वाती मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेता के साथ बदसलूकी करने का दुस्साहस दिखाया? यह एक गंभीर मामला है, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। पहले तो इस घटना पर पर्दा डालने का प्रयास हुआ लेकिन स्वाती मालीवाल द्वारा की गई शिकायत के बाद मामला हाथ से निकल गया, तब आआपा की ओर से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लीपा-पोती करने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सामने आकर माफी माँगनी चाहिए। उनके आवास पर, उनके ही निजी सचिव ने एक महिला नेता का अपमान किया है। संजय सिंह ने कहा है कि "यह बहुत ही निंदनीय घटना है। पार्टी ने इस मामले में संज्ञान लिया है। हम कठोर कार्रवाई करेंगे"।

केंद्र ने राज्यों को आईसीयू में भर्ती ब्रेन स्टेम डेड मरीजों के लिए दिए निर्देश

अंगदान बढ़ाने का उचित प्रयास

प्रमोद भार्गव

केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिया है कि राज्यों के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) कक्षों में मृत मस्तिष्क कोशिका (ब्रेन स्टेम डेड) संबंधी जो मरीज हैं, उन्हें निगरानी में लेने की जरूरत है। ऐसे मरीजों के रोग का उचित सत्यापन नहीं होने के कारण देश में अंगदान की दर कम बनी हुई है। क्योंकि फिलहाल 10 लाख लोगों में से केवल एक व्यक्ति अंगदान कर पा रहा है। अतएव मृत स्तंभ कोषिका वाले मरीजों और अंग प्रत्यारोपण की जरूरत रखने वाले रोगियों को आपस में जोड़कर अंगदान की एक मजबूत प्रणाली विकसीत करने की जरूरत है। इस प्रक्रिया को 'मानव अंग प्रत्यारोपण ऊतक अधिनियम 1994' के अंतर्गत अंजाम दिया जाएगा।

अंगदान महादान है, इस दिशा में सार्थक भागीरथी प्रयास करते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिया है कि राज्यों के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) कक्षों में मृत मस्तिष्क कोशिका (ब्रेन स्टेम डेड) संबंधी जो मरीज हैं, उन्हें निगरानी में लेने की जरूरत है। ऐसे मरीजों के रोग का उचित सत्यापन नहीं होने के कारण देश में अंगदान की दर कम बनी हुई है। क्योंकि फिलहाल 10 लाख लोगों में से केवल एक व्यक्ति अंगदान कर पा रहा है। अतएव मृत स्तंभ कोषिका वाले मरीजों और अंग प्रत्यारोपण की जरूरत रखने वाले रोगियों को आपस में जोड़कर अंगदान की एक मजबूत प्रणाली विकसीत करने की जरूरत है। इस प्रक्रिया को 'मानव अंग प्रत्यारोपण ऊतक अधिनियम 1994' के अंतर्गत अंजाम दिया जाएगा। केंद्र सरकार अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए एक राष्ट्र एक नीति लागू करने का प्रविधान करने की कोषिष में भी है। अंगदान और उसका प्रत्यारोपण देश के किसी भी अस्पताल में कराया जा सकता है। भारत सरकार ने निवास प्रमाण-पत्र की बाध्यता को हटाते हुए उम्र की सीमा की बाध्यता भी खत्म कर दी है। अंग प्राप्त करने के लिए अब जरूरतमंद रोगी किसी भी राज्य में अपना पंजीकरण करा सकते है। पंजीकरण के लिए अब मरीजों से कोई शुल्क भी नहीं लिया जाता। मालूम हो तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल जैसे राज्य अंगदान के पंजीकरण के बहाने पांच हजार से 10 हजार रुपए के बीच षुल्क ले रहे थे। केंद्र सरकार द्वारा बदले नियमों के बाद अब 65 साल और उससे अधिक उम्र के मरीज भी मृतकदाता से अंग प्राप्त करने हेतु पंजीकरण करा सकते हैं। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की वेबसाइट पर सभी दिषा-निर्देष उपलब्ध हैं। बीते दस सालों में अंग प्रत्यारोपण की मांग बढ़ी है, जिसकी पूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके लिए जरूरी है कि स्तंभ कोषिकाओं के जरिए अंगों का उत्पादन बढ़ाया जाए। भारत में मिलावटी खान-पान और सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोगों के जीवनदायी अंग खराब हो रहे हैं। गोया, पांच लाख लोगों की मौत अंगों की अनुपलब्धता के चलते प्रतिवर्श हो जाती है। दो लाख यकृत, 50 हजार ह्नदय और डेढ़ लाख लोग गुर्दा संबंधी बीमारियों से प्रति वर्ष काल के गाल में समा जाते हैं। हालांकि गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए कई लोग अपना गुर्दा दान देने लगे हैं। लेकिन पूरे साल में पांच हजार रोगियों को ही गुर्दा दान में मिल पाता हैं। इनमें 90

फीसदी गुर्दे महिलाओं के होते हैं। भविश्य में महिलाओं को अंगदान न करना पड़े इसके लिए अंगों का कृत्रिम तरीके से उत्सर्जन किया जाना जरूरी है। वैसे किसी स्वस्थ व्यक्ति की प्राकृतिक मृत्यु होने पर उसके अंगों से आठ लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस स्थिति में व्यक्ति के यकृत, गुर्दें, आंत, अग्नाश्य, आंखें, ह्नदय और फेफड़ों जैसे अंगों के अलावा त्वचा और हड्डी के ऊतकों का दान आसानी से किया जा सकता है। मानव त्वचा से महज एक स्तंभ कोशिका (स्टेम सैल) को विकसित कर कई तरह के रोगों के उपचार की संभावनाएं उजागर हो गई हैं। माना जा रहा है कि यदि स्तंभ कोशिका मानव शरीर के क्षय हो चुके अंग पर प्रत्यारोपित करने से अंग विकसित होने लगता है। करीब दस लाख स्तंभ कोशिकाओं का एक समूह सुई की एक नोक के बराबर होता है। ऐसी चमत्कारी उपलब्धियों के बावजूद समूचा चिकित्सा समुदाय इस प्रणाली को रामबाण नहीं मानता। शारीरिक अंगों के प्राकृतिक रूप से क्षरण अथवा दुर्घटना में नष्ट होने के बाद जैविक प्रक्रिया से सुधार लाने की प्रणाली में अभी और बुनियादी सुधार लाने की जरूरत है। इधर वंशानुगत रोगों को दूर करने के लिए स्त्री की गर्भनाल से प्राप्त स्तंभ कोशिकाओं का भी दवा के रूप में इस्तेमाल शुरू हुआ है। इस हेतु गर्भनाल रक्त बैंक भी भारत समेत दुनिया में वजूद में आते जा रहे हैं। इस चिकित्सा प्रणाली के अंतर्गत प्रसव के तत्काल बाद गर्भनाल काटने के बाद यदि इससे प्राप्त स्तंभ कोशिकाओं का संरक्षण कर लिया जाए तो इनसे परिवार के सदस्यों का दो दशक बाद भी उपचार संभव है। इन कोशिकाओं का उपयोग दंपत्ति की संतान के अलावा उनके भाई-बहन तथा माता-पिता के लिए भी किया जा सकता है। गर्भनाल से निकले रक्त को शीत अवस्था में 21 साल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। लेकिन इस बैंक में रखने का शुल्क कम से कम एक-डेढ़ लाख रुपए है। ऐसे में यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि गरीब लोग इन बैंकों का इस्तेमाल कर पाएंगे ? सरकारी स्तर पर अभी इन बैंकों को खोले जाने का सिलसिला शुरू ही नहीं हुआ है। निजी अस्पताल में इन बैंकों की शुरुआत हो गई है और 75 से ज्यादा बैंक अस्तित्व में आकर कोशिकाओं के संरक्षण में लगे हैं। इस पद्धति से जिगर, गुर्दा, ह्रदय रोग, मधुमेह और स्नायु जैसे वंशानुगत रोगों का इलाज संभव है। महिलाओं के मासिक धर्म के दौरान निकलने वाले जिस रक्त को रिवाजों के मुताबिक अशुद्ध माना जाता है, उसमें दरअसल जीवन को निरोगी और दीर्घायु बनाने की क्षमता पाई गई है। नए शोधों से पता चला है कि इस रक्त में स्तंभ कोशिकाएं प्रचुर मात्रा में होती हैं। जिनका उपयोग अनेक बीमारियों में किया जा सकता है। मुबंई में इन कोशिकाओं के संरक्षण की दृष्टि से 'मेन्स्टुअल स्टेम सेल' बैंक भी शुरू हो चुका है। शोधों से पता चला है कि रजस्वला स्त्री के रक्त से मिलने वाली स्तंभ कोशिकाओं में सफलता की संभावना अस्थि मज्जा से निकाली गई कोशिकाओं की बनिस्वत सौ गुना अधिक होती है। इनके संग्रह के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ की भी जरूरत नहीं होती। महिलाएं माहवारी के समय एक किट में रक्त को एकत्रित करके किट बैंक में जमा करा सकती हैं। भारत में गर्भाशय का प्रत्यारोपण भी शुरू हो गया है। पुणे में एक महिला ने अपनी मां के गर्भाशय का प्रत्यारोपण कराकर बच्ची को जन्म दिया है। रियो-डि-जेनेरियो में तो एक मृत महिला के गर्भाशय का प्रत्यारोपण 32 वर्षीय महिला के शरीर में कराकर एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। महिलाओं की इस विलक्षणता को विज्ञान की दुनिया में चमत्कार माना जा रहा है। लेकिन स्तंभ कोशिकाओं से उपचार की ये प्रणालियां अभी शैशव अवस्था में हैं। उपचार भी महंगा है। इस कारण जिगर और गुर्दे की बीमारियों को प्रत्यारोपण के जरिए ही दूर करने की सबसे ज्यादा मांग है। इसकी आपूर्ति के लिए सरकार की कोशिश है कि शवों (दिमागी तौर पर मृत लोगों के शव) से अंग प्राप्त किए जाएं। यह प्रत्यारोपण के लिए अंगों की आपूर्ति का सबसे अच्छा माध्यम है, जिसे लोगों में जागरूकता पैदा करके पूरा किया जा सकता है। देश में हर साल 50 हजार लोग ह्रदय प्रत्यारोपण के इंतजार में रहते हैं। इनमें से महज 10-15 लोगों का ही ह्रदय प्रत्यारोपण हो पाता है। देश में अंग प्रत्यारोपण के जरूरतमंद लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस पर मुस्लिमों को आरक्षण व संपत्ति देने का आरोप और सच

मुस्लिम आरक्षण इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरी भाजपा कांग्रेस पर आरोप लगा रही है कि वह अनुसूचित जाति - जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण हटाकर मुसलमान को देना चाहती है। कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष और भाजपा विरोधी कह रहे हैं कि मोदी और भाजपा देश में हिंदू मुस्लिम के नाम पर चुनाव में ध्रुवीकरण चाहते हैं जो सरेआम सांप्रदायिककरण है। अगर चुनाव में किसी संप्रदाय पर हमला किया जाए या उसके विरुद्ध दूसरे संप्रदाय को भड़काया जाए तो यह सांप्रदायिकता की श्रेणी में आएगा और इसके लिए चुनाव कानून ही नहीं सामान्य कानूनों में भी मुकदमा चलाने तथा सजा देने का प्रावधान है। प्रश्न है कि क्या प्रधानमंत्री ने जो आरोप लगाया उसे चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का षड्यंत्र मान लिया जाए या उसके पीछे तथ्य भी हैं? कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता प्रधानमंत्री पर हमले कर रहे हैं किंतु यह कहने को तैयार नहीं है कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस यह भी स्पष्ट नहीं करती कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण के विरुद्ध है। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वचन देते हुए यह सुनिश्चित करने की घोषणा करती है कि अल्पसंख्यकों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक रोजगार, सार्वजनिक कार्य अनुबंध, कौशल विकास, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव के अवसरों का उचित हिस्सा मिले तो इसलिए मंशा पर प्रश्न उठता है क्योंकि इसकी पृष्ठभूमि है। कांग्रेस सरकारों ने पहले भी मुसलमानों को आरक्षण देने की पहल की है। चूंकि धर्म के आधार पर आरक्षण मान्य नहीं था, इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण में से ही कर्नाटक में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया गया। केंद्र में यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान आंध्रप्रदेश की कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण देने का कानून बना दिया। यह विषय सुप्रीम कोर्ट तक गया और कांग्रेस के सभी नामी वकीलों ने इसमें पैरवी की। आज भी अनुसूचित जनजाति से धर्म परिवर्तन कर मुसलमान या ईसाई बनने वालों को आरक्षण का लाभ मिलता है। वे अल्पसंख्यक होने का भी लाभ पाते हैं और अनुसूचित जनजाति का भी। कांग्रेस यह तो कह रही है कि इसमें मुस्लिम शब्द कहीं नहीं है पर अल्पसंख्यक का अर्थ क्या है? यूपीए सरकार के दौरान मुसलमानों को आरक्षण कांग्रेस की नीति में शामिल हुआ। मनमोहन सरकार ने सत्ता में आने के बाद सच्चर समिति गठित की, जिसने अपनी रिपोर्ट में मुसलमानों की स्थिति की भयावह तस्वीर पेश किया और उनके आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण के नाम पर अनेक अनुशंसाएं की। इनमें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण भी शामिल था। सच्चर समिति की अनुशंसाओं के आलोक में न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा समिति का गठन हुआ जिसने पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जाति जनजाति से धर्म परिवर्तन करने के बावजूद मुसलमानों को आरक्षण देते रहने की सिफारिश की। यही नहीं उसने पिछला वर्ग के 27 प्रतिशतों के आरक्षण में से मुसलमान को देने की सिफारिश की। 30 नवंबर 2006 को सच्चर समिति की सिफारिशें सरकार को प्राप्त हुई और तत्कालीन प्रधानमंत्री पमनमोहन सिंह ने 9 दिसंबर 2006 को राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक के भाषण में कहा कि 'मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं कृषि, सिंचाई, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ ही एससी/एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों का उत्थान है। हमें ऐसी नई योजनाएं बनानी होंगी, जिनसे अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों को विकास में समान भागीदारी मिल सके। देश के संसाधनों पर उनका पहला हक होना चाहिए।' कांग्रेस पार्टी की धारणा यही थी कि मुस्लिम मत खिसकने के कारण ही विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में हाशिए पर गई और उसकी जगह सपा, बसपा, राष्ट्रीय जनता दल और तृणमूल कांग्रेस ने ले लिया। कांग्रेस को फिर से अपना स्थान बनाना है तो उसे स्वयं को मुस्लिमपरस्त दिखाना होगा। इस कारण उस दौरान मुसलमानों के लिए सरकार की नीतियों में जबरदस्त ढांचा तैयार हुआ। अल्पसंख्यक आयोग को संवैधानिक दर्जा देने से लेकर अल्पसंख्यक मंत्रालय का गठन हुआ। तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अभियान इसी कड़ी का अंग था जिसमें तीस्ता शीतलवाड को हर तरह से मदद दी गई। 2014 लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक एक दिन पहले मनमोहन सरकार ने 5 मार्च , 2014 को दिल्ली की 123 प्रमुख संपत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड के हवाले कर दिया। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 27 फरवरी, 2014 को राष्ट्रीय राजधानी में इन प्रमुख संपत्तियों पर दावा किया था।

कुछ अलग

केजरीवाल की कवायद के मायने

जब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दी है, तब से ही अटकलों का बाजार गरम है कि विशेषकर दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के चुनावी नतीजों पर आप संयोजक का प्रचार अभियान क्या असर डालेगा? दिल्ली और हरियाणा में एक साथ 25 मई को मत डाले जाएंगे, जबकि पंजाब में 1 जून को चुनाव होगा। आम आदमी पार्टी बीते कुछ समय से तेजी से उभर रही थी। खासतौर से 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद कई हलकों में ऐसा लग रहा था कि 2024 के आम चुनाव में वह मजबूती से सामने आएगी। इसकी एक वजह यह भी थी कि दिसंबर, 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न करने के बावजूद उसे 15 प्रतिशत के आसपास मत मिले थे। मगर 2023 के विधानसभा चुनावों से जो राजनीतिक परिदृश्य बना, उससे पंजाब और दिल्ली को छोड़कर शेष जगहों पर आप के प्रति आकर्षण कम नजर आया। दिल्ली में यह दल 2015 से ही अनवरत सत्ता में है, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में वह तीसरे नंबर की पार्टी थी। हालांकि, 2023 के दिल्ली निगम चुनावों में उसने जीत दर्ज की है। वहीं, पंजाब में 2019 के आम चुनाव में उसे महज एक सीट मिली थी, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए उसने 42 फीसदी मत हासिल किए और सरकार भी बनाई। अभी वह पंजाब में सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और उसका वहां किसी दल से समझौता नहीं है। जबकि, शेष भारत में वह 'इंडिया ब्लॉक' से साथ है। दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन संसदीय सीटों पर लड़ रही है, जबकि हरियाणा में यह अनुपात एक और नौ का है। ऐसे में, सवाल प्रासंगिक है कि इन राज्यों में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी या अंतरिम जमानत से क्या कोई असर पड़ने वाला है? निस्संदेह, केजरीवाल की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है, खासकर दिल्ली और पंजाब में। जमानत पर बाहर आने के बाद से वह लगातार रैलियां कर रहे हैं और चुनावी हवा को अपने पक्ष में करने की कोशिश में भी हैं। उन्होंने मतदाताओं को 10 गारंटी भी दी है। हालांकि, इनमें से चार गारंटी- दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा, देश में 24 घंटे बिजली का इंतजाम व गरीबों को मुफ्त बिजली, हर बच्चे की मुफ्त व अच्छी शिक्षा और गांव-मोहल्ले में मोहल्ला क्लीनिक व जिले में मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल का निर्माण दिल्ली सरकार के पुराने वायदों की ही अगली कड़ी है। बाकी चार गारंटी- एक साल में दो करोड़ रोजगार, भ्रष्टाचार का अंत, कारोबारियों के लिए अच्छी व्यवस्था और स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों के अनुसार किसानों को फसलों के वाजिब दाम जैसे वायदे भी कमोबेश सभी दल करते ही हैं। हां, शेष दो गारंटी ऐसी जरूर है, जिस पर आप ने पहले अपने विचार नहीं रखे थे। इनमें से एक है, चीन से निपटने के लिए सेना को खुली छूट देना और दूसरी है, अग्निवीर योजना का अंत। हालांकि, आप ने भले पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर अपनी बात बतौर गारंटी रखी है, लेकिन इन मुद्दों की चर्चा भी देश की विपक्षी पार्टियां करती रही हैं। इसीलिए यह देखना होगा कि अपनी गारंटी से आप इन राज्यों में अपने पक्ष में महौल बना पाती है या नहीं? यहां कांग्रेस को लेकर उसकी दुविधा भी उल्लेखनीय है। पिछले आम चुनाव में दिल्ली का करीब 55 प्रतिशत मत भाजपा को मिला था। इस बार कांग्रेस और आप के एक साथ आ जाने से कागज पर तो यह गठबंधन मजबूत दिख रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर आपसी सामंजस्य पर सवाल उठ रहे हैं।

देश दुनिया से

डिजिटल लेन-देन पर न लगे दाग

'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' वाली कहावत अब सड़क पर ही नहीं, डिजिटल दुनिया में भी चरितार्थ हो रही है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि डिजिटल लेन-देन खतरनाक है या इससे किनारा कर लेना चाहिए। मगर इतना साफ है कि लेन-देन जितना आसान होता जा रहा है, अपने पैसे और उससे जुड़ी जानकारी की हिफाजत उतनी ही जरूरी और मुश्किल होती जा रही है। समझने में आसानी होगी यह जानकर कि डिजिटल लेन-देन की दुनिया में जालसाजी का आलम क्या है? ट्रांसयूनियन एक इंफॉर्मेशन और इनसाइट कंपनी है। वह दुनिया भर में डिजिटल और बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड के जरिये होने वाले लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी आंकडे. जुटाती है।

तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा... कबीर दास ने जब यह कहा, तो इसका अर्थ बहुत गूढ़ था। मगर सामान्य भाषा में इसका अर्थ आसान है- सावधान न रहेंगे, तो कोई आपकी गठरी या जेब साफ कर सकता है। आज चूंकि आप अमूमन अपना माल-मत्ता मोबाइल फोन में ही लेकर चलते हैं, इसलिए चोरों के लिए भी आसान हो गया है कि बिना हाथ लगाए, यानी कैशलेस अंदाज में ही वे इसे साफ कर डालें। 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' वाली कहावत अब सड़क पर ही नहीं, डिजिटल दुनिया में भी चरितार्थ हो रही है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि डिजिटल लेन-देन खतरनाक है या इससे किनारा कर लेना चाहिए। मगर इतना साफ है कि लेन-देन जितना आसान होता जा रहा है, अपने पैसे और उससे जुड़ी जानकारी की हिफाजत उतनी ही जरूरी और मुश्किल होती जा रही है। समझने में आसानी होगी यह जानकर कि डिजिटल लेन-देन की दुनिया में जालसाजी का आलम क्या है? ट्रांसयूनियन एक इंफॉर्मेशन और इनसाइट कंपनी है। वह दुनिया भर में डिजिटल और बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड के जरिये होने वाले लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी आंकडे. जुटाती है। दुनिया भर में लेन-देन के कारोबार में जालसाजी पर उसकी ताजा रिपोर्ट बताती है कि साल 2023 में जितना डिजिटल लेन-देन हुआ, उनमें से करीब पांच प्रतिशत पर जालसाजी का शक है। लेन-देन के संदिग्ध मामलों की गिनती इस साल पिछले वर्ष के मुकाबले 14 फीसदी बढ़ी है।

जालसाजी की रफ्तार कितनी तेज है, इसका नमूना यह है कि 2019 से 2023 के बीच जहां कुल डिजिटल लेन-देन का काम 90 फीसदी बढ़ा, वहीं जालसाजी वाले या इसकी आशंका वाले लेन-देन में 105 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपके क्रेडिट कार्ड का ब्योरा चुराकर या उसकी कॉपी बनाकर ठगी करने के किस्से अब भी बंद नहीं हुए हैं। इसी तरह, किसी न किसी बहाने से फोन पर आपका ब्योरा चुराने की कोशिशें भी लगातार जारी हैं। हाल तो यह है कि अगर अपने शहर से बाहर अचानक आपका फोन खो जाए और आप किसी दूसरे नंबर से अपने दोस्तों-परिचितों से मदद मांगने की कोशिश करें, तो ज्यादातर मामलों में उन्हें पहले शक होता है कि कोई जालसाज खेल तो नहीं कर रहा? आपके फेसबुक अकाउंट या वाट्सएप को हैक करके या उसका क्लोन बनाकर आपके नाम पर लोगों से पैसे मांगने वाली ठगी का कारोबार भी जोरों पर है। भारत डिजिटल लेन-देन के मामले में दुनिया में अगली कतार में खड़े देशों में शामिल है। यूपीआई से लेन-देन की शुरुआत 2016 में हो गई थी, लेकिन खासकर नोटबंदी और कोरोना के बाद इसमें जबर्दस्त तेजी आई है। 2023 में भारत में यूपीआई के जरिये होने वाले लेन-देन की गिनती 117.6 अरब थी। यहां कुल मिलाकर 182 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ। इसी साल जनवरी से दिसंबर के बीच यूपीआई के इस्तेमाल में 49 प्रतिशत का उछाल देखा गया और तेजी का यह सिलसिला थमा नहीं है। अनुमान है कि जल्द ही हर महीने 20 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन इस रास्ते होने लगेगा। इसमें क्रेडिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग या दूसरे चैनलों से होने वाला ऑनलाइन लेन-देन शामिल नहीं है। ऐसे में, डिजिटल चोरी या जालसाजी की आशंका भी बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल फ्रॉड के 6,659 मामले सामने आए, जिनमें 276 करोड़ रुपये की ठगी हुई। जबकि, उससे पिछले साल 3,596 मामलों में 155 करोड़ रुपये की जालसाजी की खबर मिली थी। ध्यान रहे कि ये वही मामले हैं, जिनकी शिकायत रिजर्व बैंक तक पहुंची है। बहुत से लोग रकम गंवाने के बाद भी उसकी शिकायत करने की जहमत नहीं उठाते हैं। कई मामलों में तो लोगों को ठगी की जानकारी भी नहीं हो पाती। मगर जब ऐसी जालसाजी किसी कंपनी के साथ होती है, तो उसे वह ठगी की रकम से कहीं ज्यादा महंगी पड़ती है। डिजिटल जालसाजी रोकने के कारोबार की दिग्गज कंपनी लेक्सिसनेक्सिस रिस्क सॉल्यूशंस ने 'ट्रू कॉस्ट ऑफ फ्रॉड' नाम की रिपोर्ट निकाली है, जिसमें एशिया प्रशांत क्षेत्र की तमाम कंपनियों का सर्वे करके यह हिसाब जोड़ा गया है कि जालसाजी जितनी रकम की होती है, उसके मुकाबले कंपनियों को इससे कितने की चोट पड़ती है? इसके मुताबिक, अगर कहीं एक रुपये की जालसाजी होती है, तो उसके ऊपर होने वाला कुल खर्च करीब चार गुना हो जाता है। इसमें डूबी हुई रकम के अलावा उसकी भरपायी के लिए होने वाली मेहनत, कानूनी कार्रवाई, कंपनी की साख का नुकसान और इसके साथ जुड़े छोटे-बड़े खर्च शामिल होते हैं।

आप का नजरिया

लोकतंत्र के लिए !

जनता द्वारा, जनता का और जनता के लिए शासन के महास्वप्न को साथ लेकर लोकतंत्र की शासन-विधा आधुनिक युग में सबसे प्रबुद्ध, व्यावहारिक और विवेकशील सरकार चलाने की पद्धति के रूप में स्वीकार की गई है। उत्तर कोरिया और चीन जैसे देश ज़रूर इसके अपवाद हैं जहाँ भिन्न क़िस्म की शासन-व्यवस्थाएँ हैं। यह भी सही है कि जिन देशों में लोकतंत्र है सभी एक जैसे नहीं हैं। राजतंत्र और सैन्य हस्तक्षेप के विविध रूप ऐसे अनेक देशों में मिलते हैं जहां स्वतंत्रता पर पहरा है, अन्याय और असमानता है। इन भेदों के बावजूद लोकतंत्र की व्यवस्था में जनता के चुने प्रतिनिधि या सीधे जनता से चुने लोगों को शासन सँभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाती है। इसके मूल में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का ही आदर्श सक्रिय है। सबकी भागीदारी के लिए अवसर देना, ज़िम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ शासन चलाना, शांति और समानता के सिद्धान्तों को ज़मीनी हक़ीक़त बनाने के साथ प्रतिबद्धता लोकतंत्र की जान होती है। यह सब लोकतंत्र को मानवता की वैचारिक प्रगति के इतिहास में एक ख़ास उपलब्धि बना देता है। आज के अधिकांश विकसित देशों की कहानी में वहाँ के दर्दभरे ख़ौफ़नाक अतीत की स्मृति आज भी लोगों को टीसती रहती है। लोकतंत्र की क़ीमत अब उन्हें भलीभाँति मालूम है। लोकतंत्र की सफलता के लिए ज़रूरी है कि जनता से शासन करने के लिए मिली शक्ति की स्वीकार्यता और ठीक-ठीक पहचान बनी रहे। यह भी ज़रूरी है कि शासन में सत्ता का वितरण विकेंद्रित हो और जनता से सलाह-मशविरा भी लगातार होता रहे। इसमें नियमित रूप से जाँच और संतुलन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। चुनाव में मतदान से इसकी शुरुआत होती है, इसलिए नियमपूर्वक और समय से चुनाव होने चाहिए। नियमों और क़ानूनों का पालन होना चाहिए तथा क़ानून को ही सर्वोपरि माना जाना चाहिए। ज़रूरी यह भी है कि देश के नागरिकों के सभी मौलिक मानव अधिकारों की सुरक्षा अक्षत बनी रहे। इस सिलसिले में जीवन की, बोलने की, अभिव्यक्ति की और स्वच्छंद घूमने-फिरने की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना सरकार का बड़ा महत्वपूर्ण दायित्व बनता है। अब इस सूची में सिविल सोसाइटी और ग़ैर सरकारी संस्थाएँ (एनजीओ) की व्यवस्थाएँ भी जुड़ गई हैं। अक्सर कहा जाता है कि लोकतांत्रिक शासन के संचालन की दृष्टि से न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया चार प्रमुख आधार-स्तंभ का काम करते हैं। इनकी संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता अखंड बनी रहनी चाहिए। इसी तरह समानता, समता और बंधुत्व के सिद्धांत भी व्यापक संदर्भ का काम करते हैं जिससे अनुप्राणित हो कर ही नियम क़ानून बनाते हैं और उनका अनुपालन किया जाना चाहिए। सरकार एक जीवन-शैली जैसा उपाय है जो देश और समाज के स्वस्थ विकास के लिए प्रयुक्त होता है। गौर से देखें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने को सुनिश्चित करने में हर स्तर पर समाज की अधिकाधिक जन-भागीदारी होनी चाहिए।

कई यूजर्स के फेसबुक-इंस्टाग्राम अकाउंट डाउन: फीड रिफ्रेश करने में परेशानी आ रही, दो महीने पहले भी डाउन हुआ था

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया ऐप फेसबुक और इंस्टाग्राम 15 मई को दुनियाभर में कई यूजर्स के लिए डाउन हो गए हैं। डाउन डिटेक्टर पर सैकड़ों यूजर्स ने इन ऐप्स से जुड़ी समस्याओं को रिपोर्ट किया। यूजर्स को अपनी फीड रिफ्रेश करने में परेशानी आ रही है।

फेसबुक और इंस्टाग्राम ने अभी तक आउटेज से जुड़ा कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ये आउटेज किस कारण से हुआ है इसके कारण भी अभी साफ नहीं है। इसे ठीक होने में कितना समय लगेगा इसकी भी कोई जानकारी नहीं है।

07.30 बजे सबसे ज्यादा यूजर्स ने परेशानी रिपोर्ट की

आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के डेटा से पता चला है कि सुबह करीब 4 बजे से यूजर्स ने आउटेज को रिपोर्ट करना शुरू किया था। सुबह 07.30 बजे सबसे ज्यादा यूजर्स ने परेशानी रिपोर्ट की। हालांकि, इसके बाद आउटेज रिपोर्ट कम हो गई।

5 मार्च की रात भी इंस्टाग्राम-फेसबुक डाउन हो गए थे

इससे पहले 5 मार्च की रात मेटा कंपनी के दोनों प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स को लॉगिन और फीड रिफ्रेश करने में दिक्कत आई थी। फेसबुक पर यूजर्स के अकाउंट ऑटोमैटिक लॉगआउट हो गए थे, जबकि इंस्टाग्राम पर यूजर्स नई फीड्स को रीफ्रेश नहीं कर पा रहे थे।

2 साल पहले 6 घंटे बंद रहे थे फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप

4 अक्टूबर 2021 को फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप प्लेटफॉर्म करीब 6 घंटे तक पूरी दुनिया में बंद रहे थे। जिसके चलते अरबों यूजर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह समस्या रात करीब 9.15 बजे सामने आई थी। इस आउटेज का असर अमेरिकी बाजार में फेसबुक के शेयरों पर भी दिखा था। कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत तक गिर गए थे।

5 साल पहले साढ़े 9 घंटे डाउन रहे थे

3 जुलाई 2019 को रात आठ बजे भारत, अमेरिका समेत कई देशों में फेसबुक, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम डाउन रहे। करीब साढ़े 9 घंटे डाउन रहने के बाद 4 जुलाई 2019 को इन्हें ठीक कर लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

अब 3 दिन में सेटल होगा ईपीएफ क्लेमः मेडिकल, एजुकेशन, मैरिज और हाउसिंग पर्पज के लिए ही मिलेगी सुविधा, पहले 15-20 दिन लगते थे

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि के कुछ विड्रॉल क्लेम अब केवल 3 दिन में सेटल होंगे। ईपीएफओ ने मेडिकल, एजुकेशन, मैरिज और हाउसिंग पर्पज के एडवांस क्लेम के लिए ऑटो-मोड सेटलमेंट की शुरुआत की है। इससे ह्यूमन इंटरवेंसन खत्म होगा और प्रोसेसिंग तेज होगी। अभी तक क्लेम सेटलमेंट में मोटे तौर पर 15-20 दिन का समय लगता था। ऐसा इसलिए होता था क्योंकि ईपीएफओ क्लेम सेटलमेंट से पहले ईपीएफ मेंबर की एलिजिबिलिटी, डॉक्यूमेंट, ईपीएफ अकाउंट का केवायसी स्टेटस, बैंक अकाउंट जैसी डिटेल्स को चेक करता था। अभी तक जो कंवेंशनल प्रोसेस चल रही थी उसमें अमान्य दावों को अक्सर वापस कर दिया जाता है या अस्वीकार कर दिया जाता है। अब ऑटोमेटेड सिस्टम में उन्हें स्क्रूटनी और अप्रूवल के लिए सेकेंड लेवल पर भेज दिया जाएगा, ताकि कोई भी क्लेम छूट न जाए। दस स्टेप में जानें क्लेम की पूरी प्रोसेसः यूएएन और पासवर्ड का उपयोग करके ईपीएफओ पोर्ट ल पर लॉग इन करें। ऑनलाइन सर्विसेज पर जाना होगा और क्लेम सेक्शन चुनना होगा। बैंक अकाउंट वैरिफाई करें। प्रोसीड फॉर ऑनलाइन क्लेम पर क्लिक करें। अब एक नया पेज ओपन होगा जहां पीएम एडवांस फॉर्म 31 चुनना होगा। पीएफ के किस अकाउंट से आपको पैसा निकालना है उसे चुनना होगा। पैसा निकालने की वजह, कितना पैसा निकालना और एड्रेस भरना होगा। इस प्रोसेसिंग के बाद चेक या पासबुक की स्कैन की हुई कॉपी अपलोड करें। अब अपना कंसेंट देना होगा और इसे आधार से वैरिफाई करना होगा। क्लेम प्रोसेस होने के बाद ये एम्प्लॉयर के पास अप्रूवल के लिए जाएगा। सब्सक्राइबर ऑनलाइन सर्विस के तहत क्लेम स्टेटस देख सकता है।

सोना और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,400 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 85,500 हजार रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 39 रुपये की तेजी के साथ 72,336 रुपये के भाव पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट 71 रुपये की तेजी के साथ 72,368 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 72,393 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,336 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 73,958 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर हासिल किया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी तेजी रही। एमसीएक्सा पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 104 रुपये की बढ़त के साथ 85,521 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 123 रुपये की तेजी के साथ 85,540 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 85,580 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 85,500 रुपये के भाव पर निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 86,126 रुपये किलो के भाव पर पहुंचे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,362.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,359.90 डॉलर था।

रुपया बढ़त पर खुला

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में रुपये शुरुआती कारोबार में ऊपर आया। ये चार पैसे की बढ़त के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.47 पर पहुंच गया। इसके बाद विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से इसपर विपरीत प्रभाव पड़ा और इसकी तेजी पर अंकुश लग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विदेशी निवेशकों द्वारा अमेरिकी मुद्रा खरीदने और भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के डॉलर बेचने के बीच ही अमेरिकी डॉलर और रुपये के सीमित दायरे में रहने की संभावना है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.49 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.47 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। ये पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गत दिवस रुपया 83.51 पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी नीचे आकर 104.93 पर रहा।

बोइंग पर संकट गहराया, अमेरिका बोला- दो 737 मैक्स हादसों के लिए कंपनी पर चलाया जा सकता है मुकदमा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

पांच साल पहले हुए दो अलग-अलग बोइंग 737 मैक्स विमान हादसे में बोइंग पर मुकदमा चलाया जा सकता है। इन हादसों में 346 लोगों की जान गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अधिकारियों ने टेक्सास में एक संघीय अदालत को लिखे पत्र में कहा कि बोइंग ने एक समझौते के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण दुर्घटनाओं के लिए उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

दूसरी ओर, बोइंग ने एक समाचार एजेंसी से कहा, हम मानते हैं कि हमने उस समझौते की शर्तों का सम्मान किया है। बोइंग ने कहा है कि वह खुद का बचाव करने की योजना बना रहा है।

अमेरिकी अधिकारियों ने अपने पत्र में कहा कि बोइंग ने अपने संचालन के दौरान अमेरिकी धोखाधड़ी कानूनों के उल्लंघन को रोकने और पता लगाने के लिए मौजूदा निर्देशों को लागू करने में विफल रहकर अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है।

अमेरिकी न्याय अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के उल्लंघन का मतलब है कि बोइंग पर दुर्घटनाओं से संबंधित संघीय कानून के किसी भी उल्लंघन के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है।

सरकार इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि मामले में कैसे आगे बढ़ना है। इस मामले में बोइंग को 13 जून तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने लॉयन एयर फ्लाइट 610 और इथोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 के दुर्घटनाग्रस्त होने में मारे गए लोगों के परिवारों से भी मिलने की योजना बनाई है।

दूसरी बोइंग एक समाचार एजेंसी को दिए बयान में कहा, हम पूरी पारदर्शिता के साथ विभाग के साथ सहयोग करेंगे, जैसा कि हमने समझौते की पूरी अवधि में किया है। इसमें अलास्का एयरलाइंस 1282 दुर्घटना के बाद उनके सवालों के जवाब देना भी शामिल है।

100 छोटे विमान खरीदेगी इंडिगो, कंपनी की एटीआर-एम्ब्रेयर और एयरबस से चल रही बात

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 100 छोटे विमान खरीदने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपने क्षेत्रीय नेटवर्क को बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए उसे छोटे विमान चाहिए। इस सौदे के लिए उसकी एटीआर, एम्ब्रेयर और एयरबस के साथ बातचीत चल रही है। इंडिगो पहले से ही 78 सीटों वाली 45 एटीआर-72 विमानों का संचालन कर रही है। हालांकि, एयरबस ए-220 और एम्ब्रेयर के ई-175 विमान भी होड़ में हैं। इंडिगो ने पिछले साल एयरबस को 500 विमानों का ऑर्डर दिया था, जो एविएशन के इतिहास में सबसे बड़ा ऑर्डर था। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अप्रैल में कहा था कि महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक एयरलाइन का आकार दोगुना करना है। इंडिगो की घरेलू एयर ट्रैफिक में 60 फीसदी हिस्सेदारी इंडिगो अंतरराष्ट्रीय मार्गों के बाद देश में अपने नेटवर्क को और मजबूत कर रह रही है। इससे पहले एयरलाइन ने 25 अप्रैल को 30 एयरबस ए-350-900 विमानों के ऑर्डर देने की घोषणा की थी। एटीआर के अलावा, इंडिगो के बेड़े में एयरबस ए-320 और ए-321 शामिल हैं। इंडिगो की भारत के घरेलू एयर ट्रैफिक में 60 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी कम आबादी वाले शहरों में अवसर देख रही है। हवाई अड्डे के बेहतर बुनियादी ढांचे और सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना से इन शहरों में एयर ट्रैफिक की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ जगहों पर आया बदलाव

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ जगहों पर अंतर आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 82 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं। एक ओर असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और हरियाणा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं, केरल, राजस्थान और तेलंगाना समेत अन्य प्रदेशों में नीचे आयी हैं।

नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़: पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर: पेट्रोल 101.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना: पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ: पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पर है। चारों महानगरों में ईंधन की कीमतें पहले की तरह ही हैं।

देश के सबसे बड़े बैंकिंग ऋण धोखाधड़ी मामले में डीएचएफएल के पूर्व निदेशक धीरज वधावन गिरफ्तार, सीबीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली। सीबीआई ने डीएचएफएल के पूर्व निदेशक धीरज वधावन को 34,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वधावन को मुंबई से हिरासत में लिया गया और उसे दिल्ली की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सीबीआई ने उनके खिलाफ 2022 में पहले ही आरोपपत्र दायर कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि वधावन को एजेंसी ने यस बैंक भ्रष्टाचार मामले में पहले गिरफ्तार किया था और वह जमानत पर थे। सीबीआई ने 17 बैंकों के कंसोर्टियम से 34,000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से संबंधित डीएचएफएल मामला दर्ज किया था। इसे देश का सबसे बड़ा बैंकिंग ऋण धोखाधड़ी का मामला माना जाता है।

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, मूडीज का अनुमान

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर ताजा अनुमान जारी किया है। रेटिंग एजेंसी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। तेज आर्थिक वृद्धि के साथ मजबूत ऋण मांग से एनबीएफसी क्षेत्र तेज रफ्तार से दौड़ेगा और इसकी लाभप्रदता को समर्थन मिलेगा। अगले वित्त वर्ष में इसकी रफ्तार 6.2 फीसदी रहेगी

मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी। इसके साथ ही अगले वित्त वर्ष में इसकी रफ्तार 6.2 फीसदी रह सकती है। इससे एनबीएफसी में मजबूत ऋण वृद्धि होगी। इस वजह से उनकी लाभप्रदता पर बढ़ती वित्तपोषण लागत का प्रभाव कम हो जाएगा।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह है अनुमान

वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था के आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को लेकर मूडीज ने कहा कि मजबूत आर्थिक स्थिति उन्हें संपत्ति की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद करेगी। हालांकि, ब्याज दरों में वृद्धि से उनके ग्राहकों पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है। भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए वित्तपोषण की लागत बढ़ रही है, लेकिन देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि से प्रेरित ऋण मांग इस क्षेत्र को फायदा देगी।

यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड 3.35 लाख के पार, कारों की 23 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर 1.3 फीसदी बढ़कर 3,35,629 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में देशभर में 3,31,278 यात्री वाहन बिके थे। हालांकि, पिछले माह कारों की बिक्री 23 फीसदी घटकर 96,357 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,25,758 था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में अप्रैल में 1,79,329 यूटिलिटी वाहन बिके थे। यह अप्रैल, 2023 में बिके 1,48,005 यूटिलिटी वाहनों की तुलना में 21 फीसदी अधिक है।

उद्योग के लिए अच्छी शुरुआत

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत मोटर वाहन उद्योग के लिए काफी अच्छी रही है। सभी सेगमेंट ने अप्रैल, 2023 की तुलना में इस साल अप्रैल में वृद्धि दर्ज की है। मानसून में अधिक बारिश, चुनाव बाद नीतिगत निरंतरता, विनिर्माण व बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर से उद्योग को गति मिलेगी।

दोपहिया वाहनों में 31 फीसदी उछाल

आंकड़ों के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 31 फीसदी बढ़कर 17,51,393 इकाई पर पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 13,38,588 इकाई रहा था। मोटरसाइकिल की बिक्री पिछले महीने 34 फीसदी बढ़कर 11,28,192 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में थोक बिक्री 8,39,274 इकाई रही थी। इस अवधि में 4,64,389 स्कूटर बिके।यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 5,81,277 इकाई से 25 फीसदी ज्यादा है। वैन की बिक्री 15 फीसदी बढ़कर 12,060 इकाई पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 10,508 इकाई था। पिछले महीने 49,116 तिपहिया वाहन बिके। यह अप्रैल, 2023 के 42,885 इकाइयों से 14.5 फीसदी ज्यादा है।

एलआईसी को मिली बड़ी राहत, सेबी के फैसले के बाद 5 फीसदी उछल गए शेयर

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

भारत जीवन बीमा निगम को सेबी द्वारा राहत मिली है। सेबी ने एलआईसी को एमपीएस को पूरा करने के लिए 3 साल का अतिरिक्त समय दिया है। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने एलआईसी को मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग जो 25 फीसदी है उसे पूरा करने के लिए 10 साल का समय दिया था।

अब कंपनी को मई 2032 तक मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग करना होगा। सेबी से मिली राहत के बाद एलआईसी के शेयर में तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 5 फीसदी तक चढ़ गए।

खबर लिखते वक्त एलआईसी के शेयर 975.50 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही कंपनी के शेयर 1000 रुपये हो जाएंगे। सेबी ने एलआईसी को क्यों दी राहत सेबी के नियमों के अनुसार एलआईसी को 25 फीसदी तक का मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग नियमों का पूरा करना है। एलआईसी के आईपीओ के जरिये सरकार ने 22.13 करोड़ से ज्यादा की हिस्सेदारी बेची थी। यह कंपनी की लगभग 3.5 फीसदी हिस्सेदारी होती है। इसके बाद कंपनी में सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है।

सेबी के नियमों के अनुसार कंपनी में छोटे निवेशकों की कुल 25 फीसदी हिस्सेदारी होनी चाहिए।

क्या होता है मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियम

जब कोई कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट होती है तो उसके दो हिस्सेदार होते हैं। एक कंपनी का मालिक या प्रमोटर होता है और दूसरा पब्लिक यानी वो निवेशक जो कंपनी के शेयर खरीदते हैं।

आपको बता दें कि कंपनी को प्रमोट करने या फिर शुरू करने में जो लोग शामिल होते हैं उसे प्रमोटर कहते हैं। सेबी के नियमों के अनुसार कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 65 फीसदी से ज्यादा हो सकती है, लेकिन आम निवेशक की 25 फीसदी हिस्सेदारी होनी चाहिए। इसका मतलब है कि प्रमोटर की हिस्सेदारी 75 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

जब कभी किसी कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 75 फीसदी से ज्यादा हो जाती है तो सेबी कंपनी को मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियम को पूरा करने के लिए समय देती है। इस समय के भीतर कंपनी को यह काम करना होता है। अगर कंपनी समय के भीतर इस काम को पूरा नहीं करता है तब सेबी उनके खिलाफ एक्शन ले सकता है।

वेटलिफ्टर में दस लिफ्टर डोप में फंसे, पदक के लिए प्रतिबंधित, शक्तिवर्धक ड्रग्स का प्रयोग किया

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) । पदक और नौकरी के लिए खेलों में प्रतिबंधित शक्तिवर्धक ड्रग्स का चलन कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस वर्ष जनवरी में ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में हुई राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक या दो नहीं 10 वेटलिफ्टर डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। ये सभी पदक विजेता हैं। इनमें सात पुरुष और तीन महिलाएं हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से कुछ लिफ्टरों के सैंपल में तीन से चार तरह के प्रतिबंधित ड्रग्स का कॉकटेल मिला है। इनमें स्टेरायड, सार्म, स्टीमुलेंट सभी कुछ है। नाडा ने इन लिफ्टरों को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है।

कम उम्र के हैं लिफ्टर – हरियाणा के सोमनाथ और अनुष ने ईटानगर में 109 और 67 किलो में कांस्य पदक जीता। दोनों की उम्र 18 से 20 के बीच है, लेकिन इनका केस खेलों में घुसी डोपिंग की जड़ों और इसकी गंभीरता को बयां करता है। सोमनाथ के सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरायड मिटेंडियोनॉन, ड्रॉस्टेनोलॉन, लिगेंड्रॉल (सार्म) और स्टीमुलेंट मिफेनटरमाइन पाया गया है। हाल-फिल्हाल में एक सैंपल में इतने प्रतिबंधित ड्रग्स मिलते नहीं देखे गए हैं। वहीं अनुष के सैंपल में ट्रेंबोलॉन, ओस्टारिन (सार्म), मिफेनटरमाइन मिले हैं। अन्य पॉजिटिव खिलाड़ियों में देवीश्री (आंध्र प्रदेश), सागर (बिहार), मृणमय गोगोई (असम), गौरव (पुलिस बोर्ड), राखी पुरोहित (राजस्थान), शीतल भाटी (हरियाणा), सुमित राजपूत (मध्य प्रदेश), सचिन पंवार (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं।

दस प्रशिक्षकों पर भी लगा प्रतिबंध – भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने भी राष्ट्रीय शिविर के बाहर बढ़ते डोप के मामलों पर संज्ञान लेते हुए 10 प्रशिक्षकों पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। ये उन 10 लिफ्टरों के प्रशिक्षक हैं, जो 2023 की नागरकोइल राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग में डोप में फंसे थे। इनमें हरियाणा, यूपी के दो-दो और एक कोच सर्विसेज का भी है। इन पर 2026 तक का प्रतिबंध लगा है। ये महासंघ की प्रशिक्षण की किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं रह सकते हैं। महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव का कहना है कि शिविर के बाहर डोपिंग रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय शिविर में नाडा की निगरानी रहती है, लेकिन सीधे चैंपियनशिप में खेलने आ रहे लिफ्टरों को डोपिंग से रोकना चुनौती है।

न्यूज ब्रीफ

विराट को अगले सत्र में फिर कप्तान बनाये आरसीबी : हरभजन

नई दिल्ली । पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से (आईपीएल) सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली को एक बार फिर टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। हरभजन के अनुसार विराट के पास टीम को आगे ले जाने की पर्याप्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि विराट में जोश, प्रतिबद्धता और आक्रामकता का बढ़िया संयोजन है। विराट इस सत्र में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने अब तक 13 मैचों में 661 रन रन बनाये हैं और वह औरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। विराट ने अब तक 155.16 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। विराट के कारण ही आरसीबी की टीम 13 मैच में 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। हरभजन ने कहा, '' अगर वे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कप्तानी के लिए बदलाव करना चाहिये। ऐसे में विराट को ही कप्तानी दी जानी चाहिये। विराट को कप्तानी का काफी अनुभव है। उन्हें पता है कि टीम को किस तरह की क्रिकेट खेलने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, '' जिस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी बहुत आक्रामकता, बहुत जज्बे के साथ खेल रहे हैं और यही बात विराट के साथ भी है। मैं विराट को जिम्मेदारी के साथ टीम का नेतृत्व करते हुए देखना चाहूंगा।'' वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ सुपरजायंट्स की हार के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका के कप्तान के एल राहुल पर भड़कने को लेकर पूछे जाने पर हरभजन ने कहा कि ये चीजें टीम में अच्छे माहौल के लिए ठीक नहीं है।

मनिका ने 15 स्थान की लगाई छलांग, शीर्ष 25 में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी

नई दिल्ली। शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा सऊदी स्मैश में शानदार प्रदर्शन के बाद करियर की सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 24 पर पहुंच गई और विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं। टूर्नामेंट से पहले 39वें स्थान पर काबिज 28 वर्षीय खेल रत्न पुरस्कार विजेता मनिका ने जेद्दा में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और अपने इस प्रदर्शन से 15 स्थान की लंबी छलांग लगाने में सफल रहीं। व्यक्तिगत और टीम श्रेणियों में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका ने सऊदी स्मैश में अंतिम आठ के सफर के दौरान कई बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चीन की वैंग मान्यु को हराकर उलटफेर किया था। यह पहली बार था जब कोई भारतीय महिला खिलाड़ी टूर्नामेंट में इतनी आगे बढ़ी। मनिका को इस प्रदर्शन के लिए 350 अंक मिले। उन्होंने कहा कि इससे जुलाई में होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले उनका मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा,'ओलंपिक खेलों से ठीक पहले करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करके शीर्ष 25 में पहुंचने से मेरी तैयारियों को बल मिलेगा। मैं पेरिस ओलंपिक में इस प्रदर्शन को बरकरार रखना और रैंकिंग में लगातार ऊपर जाना चाहूंगी । सुधार एक सतत प्रक्रिया है और मैं इसे लेकर प्रतिबद्ध हूं।

नीरज मुकाबले में उतरेंगे, शॉटपुट में तूर, लंबी कूद में एल्ड्रिन और पोलवॉल्ट में रोसी को स्वर्ण

भुवनेश्वर। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शॉटपुटर तेजिंदर पाल सिंह तूर और लॉन्ग जंपर जेस्विन एल्ड्रिन ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जरूर जीते, लेकिन पेरिस ओलंपिक का क्वालिफाइंग मार्क नहीं छू सके। नीरज चोपड़ा भुवनेश्वर पहुंच गए। वह मुकाबले में उतरेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी रोसी मीना पॉलराज ने तीसरे दिन 4.05 मीटर की कूद लगाकर महिलाओं के पोलवॉल्ट में स्वर्ण पदक जीता। तूर का श्रेष्ठ 21.77 मीटर है, जबकि पेरिस ओलंपिक का क्वालिफाइंग मार्क 21.50 मीटर है, लेकिन वह यहां 20.38 मीटर के साथ स्वर्ण जीते। मध्य प्रदेश के समरदीप सिंह (18.93) और यूपी के आर्यन त्यागी (18.07) ने रजत और कांस्य जीते। एल्ड्रिन ने 7.99 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण जीता। केरल के मोहम्मद अनीस ने 7.83 के साथ रजत और मध्य प्रदेश के आदित्य कुमार सिंह ने 7.81 मीटर के साथ कांस्य जीता। रोजी मीना ने 4.05 मीटर के साथ पोलवॉल्ट का स्वर्ण जीता। रोसी 4.21 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से चूक गई जो उन्होंने पिछले साल खुद बनाया था। तमिलनाडु की बारानिका इलांगोवेन ने रजत और केरल की मारिया जैसन ने कांस्य पदक जीता। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथेलॉन में स्वर्ण पदक जीता।

पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से रौंदा

गुवाहाटी, 15 मई (एजेंसियां)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान सैम करन नाबाद (63) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया है।145 के छोटे लक्ष्य को हासिल करने उतरी पंजाब किंग्स की पारी शुरुआत में लड़खड़ाती नजर आई। पहले ओवर में प्रभसिमरन सिंह (4) और उसके बाद पांचवें ओवर में राइली रुसो 13 गेंदों में (22) उसी ओवर में शशांक सिंह (शून्य) पर पवेलियन लौट गये। ऐसे समय में कप्तान सैम करन ने जितेश शर्मा के साथ पारी को संभाला। जितेश शर्मा ने 20 गेंदों में 22 रन बनाये। सैम करन ने 41 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्का लगाते हुए नाबाद (63) रनों की पारी खेली। आशुतोष शर्मा 11 गेंदों में (17) रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवर में 145 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

राजस्थान की ओर से आवेश खान और युजवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट लिये। ट्रेंट बोल्ट ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले रियान पराग (48) और रवि अश्विन के (28) रनों की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 145 रनों का लक्ष्य दिया है।

आज यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में यशस्वी जयसवाल (4) का विकेट गवां दिया। उन्हें सैम करन ने आउट किया। टॉम कोहलर और कप्तान संजू सैमसन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में नेथन एलिस ने संजू सैमसन (18) को आउट कर पंजाब को दूसरी सफलता दिलाई। अगले ओवर में राहुल चाहर ने टॉम कोहलर (18) को पवेलियन भेज दिया। रवि अश्विन ने 19 गेंदों में 28 रन बनाये। ध्रुव जुरेल (शून्य), रोवमन पॉवेल (4), डॉनोवन फरेरा (7), ट्रेंट बोल्ट (12) रन बनाकर आउट हुये। रियान पराग ने 34 गेंदों में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक (48) रन बनाये। राजस्थान ने निर्धारित 20 ओ-वरों में 9 विकेट पर 144 रन का स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स की ओर से सैम करन, राहुल चाहर और हरप्रीत बराड ने दो-दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह और नेथन एलिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पिता के सपने को साकार करने एथलीट बनी ज्योतिका

भुवनेश्वर, 15 मई (एजेंसियां) । आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले की एथलीट ज्योतिका श्री डांडी ने पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल कर सभी का ध्यान खींचा है। ज्योतिका भारत की ओर से चार गुणा 400 मीटर रिले रेस में क्वालीफाई करने वाली टीम की सदस्य हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती थी पर उन्होंने पिता के सपने को पूरा करने खिलाड़ी बनीं। उनके पिता श्रीनिवास राव बॉडी बिल्डर रहे और उन्हें खेलों का शौक था। उन्होंने ही बेटी को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। श्रीनिवास का सपना अपनी बेटी को ओलंपिक में देखने का था जो तीन महीने से भी कम समय में पूरा हुआ है। ज्योतिका बहामास में आयोजित विश्व रिले में चार गुणा 400 मीटर रिले में ओलंपिक टिकट पक्का हासिल करने वाली भारतीय टीम में शामिल थीं फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर पहुंची ज्योतिका ने कहा, 'मैंने दसवीं कक्षा में 97 फीसदी अंक हासिल किए थे। जब मैं स्कूल में थी तब मैं वास्तव में एक डॉक्टर बनना चाहती थी। मैंने खेल में रुचि लेने के बाद डॉक्टर बनने के बारे में सोचना छोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता को लगा कि मुझमें एथलेटिक्स में अच्छा प्रदर्शन करने और ओलंपिक में देश का नाम रोशन करने की प्रतिभा है। उनके त्याग और मुझे एक सफल एथलीट बनाने के जुनून को देखकर मैंने उनके सपनों को पूरा करने का फैसला किया। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैंने उन्हें यह नहीं बताया कि मैं डॉक्टर बनना चाहती हूं क्योंकि मैं उन्हें खुश देखना चाहती थी। 2017 तक मुझे खेलों में रुचि नहीं थी पर 2020 के आसपास मैंने रुचि लेना शुरू कर दिया था। ज्योतिका ने कहा, 'मेरे पिता युवावस्था में बॉडीबिल्डर थे पर परिवार से सहयोग न मिलने के कारण उन्होंने खेल छोड़ दिया। अब वह एक व्यवसायी हैं। उन्हें खेलों में बहुत रुचि है और उन्होंने मुझे बहुत प्रेरित किया और वह चाहते हैं कि मैं ओलंपिक में भाग लूं। ज्योतिका ने कहा, 'उनकी (पिता) वजह से मुझे ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा। वह हर चीज का ख्याल रखते हैं।

गांगुली ने कहा , रोहित बड़े खिलाड़ी टी20 विश्वकप में फार्म हासिल कर लेंगे

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा बड़े खिलाड़ी हैं। ऐसे में टी20 विश्वकप से पहले आईपीएल में उनके खराब फार्म को लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं है। गांगुली के अनुसार रोहित एक बड़े खिलाड़ी हैं और वह टी20 विश्व कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

टी20 विश्वकप कप में रोहित भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित इसमें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करेंगे पर गांगुली ने कहा है कि रोहित को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। विराट सलामी बल्लेबाज के तौर पर आरसीबी के लिए शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और औरेंज कैच की दौड़ में सबसे आगे हैं।

गांगुली ने साथ ही कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी टीम है। रोहित विश्व कप में अच्छा खेलेंगे। वह बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा खेलते हैं। बड़े मंच पर वह अपने आप लय हासिल कर लेते हैं। रोहित ने इस सत्र के 13 मैचों में 349 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक शामिल है। उन्होंने ये शतक वानखेड़े के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगाया था हालांकि, टीम मुकाबला हार गई थी। इसके बाद के सभी मैचों में रोहित शर्मा संघर्ष करते नजर आए।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले एक वार्म-अप मैच खेलेगा भारत: टीम रवानगी की तारीख बदली, पहला बैच 25 और दूसरा 26 मई को अमेरिका जाएगा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) । टीम इंडिया अमेरिका और वेस्टइंडीज में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले केवल एक वार्म-अप मैच खेलेगी। इस बार टीम की तैयारी बाकी आईसीसी टूर्नामेंट की पिछली तैयारियों से अलग है। पहले टीम हमेशा दो वार्म-अप मैच खेलती थी।

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई भारत के वार्म-अप मैच को न्यूयॉर्क में आयोजित कराने का इच्छुक है क्योंकि टीम अपने चार ग्रुप-स्टेज मुकाबलों में से तीन न्यूयॉर्क के स्टेडियम में ही खेलेगी।

आईसीसी ने अभी तक वार्म-अप मैच का शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन इंग्लैंड और पाकिस्तान के भी दो अभ्यास मैचों में भाग लेने की संभावना नहीं है। वहीं बाकी टीमें दो-दो अभ्यास मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

दो बैच में रवाना होगी टीम इंडिया

टीम इंडिया वर्ल्डकप के लिए दो बैच में रवाना होगी। टीम की रवानगी में भी बदलाव हुआ है। टीम इंडिया का पहला बैच पहले आईपीएल लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद 21 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होना था। लेकिन, अब पता चला है कि टीम 25 और 26 मई को दो बैचों में

रवाना होगी। 26 मई को आईपीएल फाइनल में भाग लेने वाले खिलाड़ी बाद की तारीख में रवाना होंगे। पाकिस्तान से 9 जून को भिड़ेगी टीम इंडिया टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

स्टब्स अगले 5 वर्षों तक डीसी के लिए उपयोगी खिलाड़ी रहेंगे: प्रवीण आमरे

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) । जब दिल्ली कैपिटल्स मध्य ओवरों के चरण में केवल 63 रन बनाकर बच गई, तो ऐसा लग रहा था कि मेजबान टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 200 के अंदर ही सिमट जाएगी। लेकिन डीसी के नामित फिनिशर ट्रिस्टन स्टब्स ने नौ गेंदों में सात रन बनाने के बाद 25 गेंदों में नाबाद 57 रनों की पारी खेलकर डीसी को 200 के पार पहुंचाया, जो अंततः उनके अंतिम आईपीएल 2024 लीग मैच को 19 रनों से जीतने वाला स्कोर साबित हुआ। स्टब्स के देर से शानदार आक्रमण, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल थे, की बदौलत मेजबान टीम ने आखिरी पांच ओवरों में 72 रन बनाए, जिसमें 19वें ओवर में नवीन-उल-हक की गेंद पर 21 रन शामिल थे। स्टब्स के लिए यह डीसी रंगों में एक ब्रेकआउट आईपीएल रहा है, जिन्होंने अपने पिछले दो सीज़न मुंबई इंडियंस द्वारा सीमित मौके दिए जाने में बिताए थे। डीसी के सहायक कोच प्रवीण आमरे का मानना है कि स्टब्स आईपीएल में डीसी के लिए एक दीर्घकालिक संभावना है, शुरुआत में उन्हें हैरी ब्रूक के बैक-अप के रूप में रखा गया था, जो व्यक्तिगत कारणों से नहीं आए थे। बिल्कुल। अगर हैरी ब्रूक वहां होता तो स्टब्स के लिए संभावनाएं - वह वास्तव में ब्रूक का बैकअप था। इसीलिए मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण था (नीलामी में) कि हमने एक बहुत अच्छा बैकअप चुना। हमने देखा कि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है दक्षिण अफ्रीका लीग में अच्छा प्रदर्शन किया, विजेता टीम की (सफलता) में अच्छा योगदान दिया और हमें पूरी उम्मीद थी कि वह (हमारे लिए काम कर सकता है)। उसने (दक्षिण अफ्रीका की) प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता में

भी तिहरा शतक जमाया। हमने देखा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्पिनरों के खिलाफ बहुत अच्छा खेल सकता है, और यह सबसे बड़ा प्लस था जो हमने देखा। वह ऐसा भी लगता है कि वह सफलता का बहुत भूखा है।वह बहुत शांत स्वभाव का है, वह हमेशा अपनी दिनचर्या बहुत अच्छी बनाता है और बहुत केंद्रित रहता है। आमरे ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं कह सकता हूं कि यह अगले पांच वर्षों के लिए (डीसी के लिए) खिलाड़ी है। इस मैच में उसने जो स्वभाव दिखाया है - पहली 10 गेंदों में उसने 6-7 रन बनाए थे। लेकिन, जैसा कि उसने कई बार पहले किया है,(जैसे) 20-22 गेंदों में अर्धशतक और यह हमारे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण रहा है, वह 19वां ओवर जहां उन्होंने हमें 21 रन दिए, जिसने वास्तव में अंतर पैदा किया और हमारी जीत में बहुत मायने रखा। स्टब्स और जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अलावा, अभिषेक पोरेल डीसी के लिए टूर्नामेंट की खोज रहे हैं - उन्होंने 33 गेंदों में 58 रन बनाए, पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से, जबकि मेजबान टीम के लिए शाई होप के साथ 92 रन की साझेदारी की। पावर-प्ले में 73 रन बनाए। आमरे का मानना है कि पोरेल ने पृथ्वी शॉ से पहले बल्लेबाजी की शुरुआत करने के मौकों का पूरा फायदा उठाया, जिन्हें डीसी ने 2022 मेगा नीलामी से पहले बरकरार रखा था।

वह (शॉ) हमारा रिटेन खिलाड़ी था और आखिरी मैच में वह बेंच पर भी था। लेकिन फिर, यह आपके लिए आईपीएल है जैसे कि आप फॉर्म में नहीं हैं, आप अंतिम एकादश में नहीं हैं क्योंकि टीम पर दबाव है। इसलिए, हर मैच महत्वपूर्ण है और हमें जीतना है। आमरे ने कहा, उन्हें खेलाए बिना, हमने मैच जीत लिया और उनकी जगह अभिषेक पोरेल ने मौके को दोनों हाथों से भुनाया और उन्होंने इस मैच में एक महत्वपूर्ण पारी खेली। जेक के जल्दी आउट होने के बावजूद, हम पावर-प्ले में 73 रन बनाने में सफल रहे। इसके लिए श्रेय उन्हें और शाई होप को जाता है और उनकी 92 रन की साझेदारी से भी मदद मिली। जीत में, इशांत शर्मा ने एलएसजी के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और डीसी के 208/4 के सफल बचाव में 3-34 का आंकड़ा हासिल किया।

लिट्टे के स्मृति दिवस पर श्रीलंकाई सैन्य बल अलर्ट संगठन को फिर से सक्रिय करने की हो रही कोशिश

कोलंबो, 15 मई (एजेंसियां) ।

श्रीलंका में विद्रोही संगठन लिट्टे की याद में तमिल बहुल इलाकों में स्मृति दिवस बनाने की योजना बनाई जा रही है। इसे लेकर श्रीलंका की सेना और पुलिस हाई अलर्ट पर हैं। श्रीलंका में साल 2009 में लिट्टे प्रमुख प्रभाकरण की श्रीलंकाई सेना के साथ हुई लड़ाई में मौत हो गई थी और इसके साथ ही श्रीलंका में अलग तमिल राष्ट्र की मांग को लेकर तीन दशक तक चले सशस्त्र विद्रोह का अंत हो गया था। उसी लड़ाई की याद में श्रीलंका में लिट्टे समर्थक स्मृति दिवस मनाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि श्रीलंका की सरकार ने इसके आयोजन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है।

श्रीलंका ने निगरानी के लिए बनाई विशेष टास्क फोर्स

श्रीलंका में सैन्य बलों को सूचना मिली है कि श्रीलंका में तमिल बहुल इलाकों में लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) की श्रीलंकाई सरकार से साल 2009 में हुई लड़ाई की याद में 15वां स्मृति दिवस मनाया जा सकता है। इस दौरान लड़ाई में मारे गए लिट्टे समर्थकों और लड़ाकों को याद किया जाएगा। हालांकि श्रीलंका की फिलहाल सेना की तैनाती की कोई योजना नहीं है, लेकिन सेना और पुलिस की विशेष टास्क फोर्स पूरे देश में इस आयोजन पर नजर रखेंगी। श्रीलंका में 15 मई से लेकर 20 मई तक लिट्टे का स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

तमिल बहुल जाफना पर खास नज़र

श्रीलंकाई सुरक्षा बलों का कहना है कि उन्हें ऐसी सूचनाएं मिली हैं कि लिट्टे के स्मृति दिवस कार्यक्रम में कई जगह लिट्टे समर्थक साहित्य बांटा जा रहा है। कई कार्यक्रमों में लिट्टे को फिर से खड़ा करने की बात की अपील की गई। आरोप है कि भारत में भी लिट्टे को सक्रिय करने की कोशिश हो रही है। लिट्टे की शुरुआत साल 1983 में हुई थी, करीब तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष के बाद साल 2009 में श्रीलंकाई सेना ने तमिल विद्रोही संगठन को कुचल दिया। तमिल नेताओं और संगठनों का कहना है कि लिट्टे स्मृति दिवस पर सिर्फ उन लोगों को याद करने के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिन्होंने संघर्ष में अपनी जान दी।

न्यूज ब्रीफ

अदालतें लोकतांत्रिक चर्चा वाली जगहें, ब्राजील में जे20 सम्मेलन में बोले भारत के सीजेआई चंद्रचूड़

ब्राजील । ब्राजील में जे20 शिखर सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ शामिल हुए। उन्होंने इस सम्मेलन को संबोधित भी किया। इस दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमारी अदालतों को आम लोगों पर थोपने के लिए नहीं बनाया गया बल्कि इन्हें लोकतांत्रिक स्थानों के रूप में स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 में अदालत प्रणालियों को और अधिक विकसित किया गया है, जिसे रातोरात बदलने के लिए हमें मजबूर होना पड़ा। जे20 शिखर सम्मेलन वह मंच है, जहां जी20 सदस्य देशों की सर्वोच्च और संवैधानिक अदालतों के प्रमुखों के अलावा अफ्रीकी और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और बेहतर न्यायिक क्षमता जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया जे20 सम्मेलन को संबोधित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हम मानते हैं कि जैसे धूप सबसे अच्छा कीटाणुनाशक होता है, उसी तरह सही और सुलभ जानकारी किसी भी दुष्प्रचार को खत्म करती है। उन्होंने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के दुष्प्रचार से लड़ने के कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि यह अदालतों के निर्णयों तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित करती है। इस तरह के तंत्र से दुष्प्रचार से लड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, हम भारत में अपने फैसलों के लिए एसयूवीएएस (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) का उपयोग करते हैं। यह एक मशीन लर्निंग, एआई सक्षम अनुवाद टूल है, जो 16 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करता है। अबतक 36,000 से अधिक मामलों का अनुवाद किया गया है। महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों का लाइव स्ट्रीमिंग और यूट्यूब रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है। तकनीक सभी सामाजिक असमानताओं के लिए रामबाण इलाज नहीं : सीजेआई चंद्रचूड़ ने बताया कि डिजिटल एससीआर के जरिए सीजेआई ने कहा कि आम लोगों को डिजिटल एससीआर (सुप्रीम कोर्ट रिकॉर्ड्स) के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के फैसलों तक आसान पहुंच प्रदान की जाती है।

फिल्मी स्टाइल में पुलिस काफिले पर हमला, दो गार्ड्स की हत्या कर कैदी को छुड़ा ले गए हथियारबंद लोग

पेरिस । फ्रांस में पुलिस के काफिले पर हमला कर कैदी को छुड़ाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। फिल्मी स्टाइल में हथियारबंद लोगों ने पहले पुलिस के काफिले पर हमला किया और फिर पुलिस की हिरासत में मौजूद कैदी को छुड़ाकर ले गए। इस हमले में दो गार्ड्स की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। इस घटना से पूरा फ्रांस स्तब्ध है क्योंकि वहां ऐसी घटनाएं बेहद दुर्लभ हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना को लेकर फ्रांस में गुस्सा फ्रांस के न्याय मंत्री एरिक ड्युपोंड मोरेत्ती ने बताया घटना उस वक्त घटी, जब एक कैदी को अदालत से जेल में शिफ्ट किया जा रहा था। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक काले रंग की एसयूवी कार ने पहले पुलिस वाहन में टक्कर मारी उसके बाद दूसरी कार से हथियारबंद लोग उतरे और उन्होंने पुलिस वैन पर फायरिंग शुरू कर दी।

घास के ढेर में दबा मिला 26 साल से लापता शख्स, बताया- पड़ोसी ने ही घर में किया था कैद

अल्जीयर्स। हाल ही में एक 45 वर्षीय व्यक्ति एक घास के ढ़ेर के पास मिला, जो पिछले 26 सालों से लापता था। 26 सालों से लापता इस व्यक्ति को उसके पड़ोस में ही रहने वाले एक व्यक्ति ने कैद किया हुआ था। पूरा परिवार उसे मृत मान चुका था। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। दरअसल 1998 में हुए अल्जीरियाई गृहयुद्ध के दौरान एक 19 वर्षीय बालक उमर बी गायब हो गया था। परिवार का मानना था कि उसका अपहरण किया गया है। काफी समय तक उसको ढूंढ़ा गया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। बाद में परिवार ने उसे मृत मान लिया था। अब हाल ही में वह जेल्फा शहर से लगभग 200 मीटर दूर एक घास के ढ़ेर के बीच मिला। 45 वर्षीय उमर तब मिला जब उसके भाई ने सोशल मीडिया पर शिकायत करनी शुरू की। पुलिस जांच पड़ताल में उसने बताया कि वह तब पड़ोसी के घर में ही कैद था। लेकिन वह मदद के लिए किसी को बुला नहीं पा रहा था। उसने बताया कि पड़ोसी ने उस पर जादू किया हुआ था। वह चाहकर भी किसी से मदद नहीं मांग पा रहा था।

डेमोक्रेटिक थिंक टैंक के खिलाफ एकजुट हुए भारतीय संगठन, हिंदू विरोधी कट्टरता को बढ़ावा देने के आरोप

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के कई हिंदू संगठन डेमोक्रेटिक थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। इन हिंदू संगठनों का आरोप है कि डेमोक्रेटिक थिंक टैंक कथित तौर पर भारतीय अमेरिकी राजनेताओं का विरोध करने वाले लोगों को अपने सम्मेलन में बतौर वक्ता, मेहमान आमंत्रित कर रहा है। दरअसल इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन डेसिस डिसाइड की शुरुआत हो गई।

थिंक टैंक के इस फैसले से हिंदू संगठन नाराज

बीते कुछ वर्षों में थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट काफी प्रभावी बनकर उभरा है और यह भारतीय अमेरिकी समुदाय का सबसे प्रभावशाली डेमोक्रेटिक थिंक टैंक माना जाता है। मशहूर भारतीय अमेरिकी दीपक राज इसके सह-संस्थापक और सबसे बड़े दानदाता हैं। हिंदू संगठनों ने एक बयान जारी कर कहा कि ऐसे लोगों को सम्मेलन में बुलाना, जो सार्वजनिक तौर पर भारतीय अमेरिकी उम्मीदवारों और निर्वाचित अधिकारियों की खुलकर आलोचना कर रहे हैं, उन्हें सम्मेलन में बुलाना बेहद निराशाजनक है। हिंदू अमेरिकन नामक संगठन के बोर्ड सदस्य राजीव पंडित का कहना है कि इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट का उद्देश्य अमेरिका में सभी स्तरों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति को बढ़ाना है, लेकिन यह बेहद असमंजस और निराशाजनक बात है कि इस संगठन के प्लेटफॉर्म पर ऐसे लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है, जो खुलकर भारतीय अमेरिकी लोगों का विरोध करते हैं और हिंदू विरोधी कट्टरता को बढ़ावा देते हैं।

हिंदू संगठनों की इन पैनलिस्टों को लेकर है नाराजगी

हिंदू संगठनों का विरोध पैनल में शामिल दो पैनलिस्टों को लेकर खासकर है, जिनमें इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल की सफा अहमद और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स की रिया चक्रवर्ती का नाम शामिल है। हालांकि हिंदू संगठनों के आरोपों पर अभी तक इंडियन अमेरिकी इम्पैक्ट की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि भारतीय अमेरिकियों पर जेनोफोबिक होने, दोहरी निष्ठा जैसे आरोप लगाए जाते हैं। कनाडा के प्रोग्रेसिव मुस्लिम्स के अध्यक्ष ताहिर असलम गोरा ने कहा कि यह देखना हैरान करने वाला है कि इम्पैक्ट का डेसिस डिसाइड सम्मेलन भारत की छवि को खराब कर रहा है और ये दिखाना चाह रहा है ।

मामला राजनीति से प्रेरित है, कोर्ट में स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप के समर्थन में दी गवाही

वॉशिंगटन । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आपराधिक गोपनीय धन मामले में न्यूयॉर्क की मैनहट्टन कोर्ट में गवाही दी। उन्होंने मुकदमे की टाइमिंग पर सवाल उठाया और दावा किया कि ट्रंप निर्दोष हैं और मामला राजनीति से प्रेरित है। जॉनसन ने इस बारे में कोर्ट के बाहर मीडिया से बात की और बताया कि कैसे यह आपराधिक मुकदमा ट्रंप के चुनावी अभियान को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद ट्रंप को चुनावी अभियान से दूर रखना है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। कोर्ट में गवाही देने वाले जॉनसन रिपब्लिकन पार्टी के सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। ट्रंप ने जॉनसन को हाउस स्पीकर बनाने के लिए समर्थन दिया था। ट्रंप पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में अपने अभियान को बढ़ाने के लिए एक एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने की कोशिश करने का आरोप है।

अमेरिका ने ड्रैगन को दिया बड़ा झटका, चीन के उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाने का एलान

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका ने चीन के उत्पादों पर भारी कर लगाने का फैसला किया है। इनमें इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, स्टील, सौर सेल और एल्यूमीनिय शामिल हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100 फीसदी, सेमीकंडक्टर पर 50 फीसदी और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में राष्ट्र को संबोधित करते हुए इसका एलान किया।

उन्होंने कहा, अमेरिका अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी तरह की कार खरीदना जारी रखेगा। लेकिन चीन को इन कारों के बाजार को गलत तरीके से नियंत्रित करने की अनुमति कभी नहीं देगा। बाइडन ने कहा, मैं चीन के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा चाहता हूं, संघर्ष नहीं। हम किसी और देश की तुलना में चीन के खिलाफ 21वीं सदी की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को जीतने में मजबूत स्थिति मे हैं। क्योंकि हम अमेरिका में निवेश कर रहे हैं।

बाइडन ने आरोप लगाया कि वर्षों से चीन की सरकार ने इस्पात और एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और दस्ताने व मास्क जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य उपकरण जैसे उद्योगों में सरकारी पैसे का इस्तेमाल किया है। चीन ने इन सभी उत्पादों को भारी सब्सिडी दी, जिससे चीनी कंपनियों को दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में कहीं अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया। फिर अतिरिक्त उत्पादों को गलत तरीके से कम कीमतों पर बाजार में डंप किया गया और दुनियाभार के अन्य निर्माताओं को व्यवसाय से बाहर किया गया। उन्होंने आगे कहा, कीमतें अनुचित तरीके से कम हैं, क्योंकि चीनी कंपनियों को लाभ के बारे में चिंता करने की आवश्यकता ही नहीं है। चीनी सरकार ने उन्हें सब्सिडी दी है और भारी सब्सिडी दी है। बाइडन ने कहा, चीन प्रतिस्पर्धा विरोधी रणनीति पर भरोसा करता है, जैसे अमेरिकी कंपनियों को चीन में व्यापार करने के लिए अपनी तकनीक स्थानांतरित (टेक्नोलॉजी ट्रांसफर) करने के लिए मजबूर करना। बाइडन ने कहा कि अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में घोषित किए गए शुल्क यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अमेरिकी कर्मचारी अनुचित व्यापार प्रथाओं के चलते पीछे न रहें। उन्होंने कहा, अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों और उनकी बैटरी में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है।

गाजा में भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी की हत्या पर संयुक्त राष्ट्र ने जताया दुख, इजराइल पर लगे आरोप

गाजा, 15 मई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भारतीय सेना के एक पूर्व अधिकारी की हत्या पर दुख जताया और भारत से माफी मांगी। दरअसल भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी युद्धग्रस्त गाजा के राफा में एक गाड़ी में सफर कर रहे थे, तभी उनकी गाड़ी पर पीछे से हमला हुआ, जिसमें पूर्व सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। राफा में मारे गए कर्नल वैभव अनिल काले (46 वर्षीय) ने साल 2022 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी और फिलहाल वे संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी के साथ सुरक्षा समन्वय अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे।

भारतीय सेना से साल 2022 में ही रिटायर हुए थे कर्नल वैभव अनिल काले

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, काले भारतीय सेना में 11 जम्मू एंड कश्मीर राइफल्स की कमान संभाल चुके हैं। इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से यह संयुक्त राष्ट्र से जुड़े पहले अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी की मौत का मामला है। हमले में जॉर्डन की एक महिला भी घायल हुई हैं, जो कि काले के साथ संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी के साथ काम कर रही थीं। संयुक्त राष्ट्र का स्टाफ यूएन का चिन्ह लगी गाड़ी से राफा के यूरोपीय अस्पताल जा रहा था, उसी दौरान उनकी गाड़ी पर हमला हुआ।

इस्राइली सेना पर लगे हमले के आरोप

माना जा रहा है कि यह हमला इस्राइली सेना के टैंक ने किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने भी वैभव अनिल काले की मौत पर दुख जताया और भारत के योगदान की तारीफ की। हक ने बताया कि घटना की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया गया है।

पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में हिंसा जारी, यूकेपीएनपी का एलान- अधिकारों के लिए जारी रहेगी लड़ाई

लंदन, 15 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शन के बीच एक कश्मीरी संगठन ने एलान किया है कि जब तक पीओके के लोगों को अधिकार नहीं मिल जाते, तब तक लड़ाई जारी रहेगी। ब्रिटेन स्थित युनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी ने एक बयान जारी कहा कि पीओके में लोगों को दशकों से उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। विभिन्न मांगों को लेकर पीओके में भड़की थी हिंसा बीते दिनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आटे के बढ़ते दामों, बढ़ती महंगाई, महंगी बिजली के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए थे। जिसके चलते पीओके में धरने प्रदर्शन के दौरान जमकर बवाल हुआ। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तान ने सेना और पुलिस को उतार दिया और पाकिस्तानी रेंजर्स और पुलिस की फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे लोग और भड़क गए। आखिरकार पाकिस्तान सरकार को झुकना पड़ा और 23 अरब पाकिस्तानी रुपये की आर्थिक मदद का तुरंत एलान करना पड़ा। फिलहाल विरोध प्रदर्शन शांत है, लेकिन छिटपुट हिंसा की घटनाएं अभी भी हो रही हैं।

पीओके में सेना की तैनाती बढ़ा सकता है पाकिस्तान ब्रिटेन में आधारित यूकेपीएनपी (यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी) ने एक बयान जारी कर कहा कि हिंसा भड़कने के बाद पैरामिलिट्री फोर्स को उतारना एक गैर मानवीय फैसला था। यूकेपीएनपी ने पीओके में फिर से बड़ी संख्या में सैन्य बलों की तैनाती की आशंका जताई और कहा कि इससे लोगों को और दबाया जाएगा। यूकेपीएनपी ने विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और भारत, तालिबान, पीटीआई, बलोच लिबरेशन आर्मी और कथित यहूदी लॉबी का हाथ होने की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। यूकेपीएनपी के विदेश मामलों के अध्यक्ष शाबिर चौधरी ने पाकिस्तान के नेताओं, मीडिया और खुफिया एजेंसियों पर प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप लगाया। यूकेपीएनपी ने मांग की कि पीओके में नेशनल ग्रिड बनाई जाए, जिससे राज्य में बिजली उत्पादन और वितरण पर स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण रहे।

चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर समुद्र की ओर रवाना, परीक्षण भी हुआ पूरा

बीजिंग, 15 मई (एजेंसियां) ।

चीन का तीसरा विमानवाहक पोत समुद्र की ओर रवाना किया गया है। जिसका नाम फुजियान रखा गया। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एयर क्राफ्ट है। जो कि 11 सक्रिय क्राफ्ट से मिलकर बना है। पहले नंबर पर संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का एयरक्राफ्ट है।

चीन अपनी नौसेना की ताकत लगातार बढ़ा रहा है। इसी के तहत पनडुब्बी, युद्धक जहाज की संख्या लगातार बढ़ा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक चीन लगभग हर महीने एक नौसैनिक जहाज का निर्माण कर रहा है। साथ ही चीन पाकिस्तान की नौसेना को भी मजबूत करने के लिए उसे युद्धक जहाज और पनडुब्बियां दे रहा है। चीन ने अपने सबसे उन्नत और तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान का समुद्री परीक्षण किया है। फुजियान के चीनी सेना में शामिल होने के बाद ड्रैगन की ताकत काफी ज्यादा बढ़ी है। सिंगापुर के एस राजरत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के सीनियर फेलो कोलिन कोह ने बताया कि पिछली रिपोर्ट प्रमाणित नहीं है। चीन शायद छह या आठ वाहक बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जब तक पीएलएएन वाहक संचालन के साथ परिपक्वता के स्तर तक नहीं पहुंच जाता तब तक मुश्किल है। यह अभी अमेरिकी नौसेना की तुलना में ज्यादा तैयार नहीं है। इसका लक्ष्य 6 वाहक हो सकता है।

बता दें कि फुजियान का निर्माण शंघाई शहर के पास यांग्त्जी नदी के किनारे चांगक्सिंग द्वीप पर चीन राज्य जहाज निर्माण निगम की सरकारी कंपनी जियांगन शिपयार्ड ने किया। इसका निर्माण मार्च 2017 में शुरु हुआ। जहाज को 17 जनू 2022 को लॉन्च किया गया। एक साल बाद फुजियान ने अपनी यात्रा शुरू की। 29 अप्रैल को टगबोट फुजियान को उसके फिटिंग-आउट बेसिन से शंघाई में यांग्त्जी नदी घाट तक ले गए। वहीं 1 मई को जहाज अपने पहले समुद्री परीक्षण पर रवाना हुए। समुद्री परीक्षण मुख्य रूप से एयरक्राफ्ट के प्रणोदन और विघुत प्रणालियों की विश्वसनीयता और स्थिरता का परीक्षण करेंगे।

वहीं कुछ समाचार एजेंसी ने बताया फुजियान ने पिछले दो वर्षों के दौरान पहले ही मूरिंग ट्रायल, आउटफिटिंग कार्य और उपकरण समायोजन पूरा कर लिया है। समुद्री सुरक्षा प्रशासन के जारी सुरक्षा नोटिस ने 1- 9 मई तक शंघाई से 130 किमी के क्षेत्र की यात्रा के बारे में बताया। वाहक अपनी आठ दिन की यात्रा के बाद 8 मई को जियांगन शिपयार्ड लौटा। समुद्री परीक्षण के दौरान विमान वाहक ने अपने प्रणोदन और विद्युत प्रणालियों का परीक्षण किया। अगले चरण में पीएलएएन एस फुजियान स्थापित योजनाओं के अनुसार अनुवर्ती परीक्षण करेगा।

हालांकि पहले वाहक लिओनिंग ने दस समुद्री परीक्षण पूरे किए थे। वहीं दूसरे वाहक शेडोंग ने पीएलएएन सेवा में प्रवेश करने से पहले नौ परीक्षण किए। चीन की सेना की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार फुजियान जिसका विस्थापन 80,000 टन से ज्यादा माना जाता है। विश्लेषकों के अनुसार यह लगभग 316 मीटर लंबा होगा। जबकि उसके उड़ान डेक की औसत चौड़ाई 72 मीटर है।

दक्षिण चीन सागर में कई देशों से ही चीन का विवाद

विमानवाहक पोत के परीक्षण के चलते चीन ने यांग्जी नदी में यातायात परिवहन रोक दिया था। यांग्जी नदी में यातायात परिवहन पर रोक 9 मई रही। दक्षिण चीन सागर में चीन का कई देशों के साथ विवाद चल रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन की नौसेना कई बार फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों को रोक चुकी है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा जताता है। इसके कारण चीन का फिलीपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान के साथ सीमा विवाद चल रहा है।

व्यवसाय को बनाना है कामयाब तो अपनाएं वास्तु टिप्स

वास्तु में दिशाओं का बहुत महत्व है और व्यापार के दौरान आपको भी अपने दिशा स्थान का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। वास्तुशास्त्र के सिद्धांत सिर्फ घर में ही कारगर नहीं है अपितु इनका उपयोग दफ्तर और व्यवसायिक क्षेत्रों जैसे दुकान, फैक्ट्री आदि में भी किया जा सकता है। यदि आपके व्यवसाय क्षेत्र में वास्तुदोष है तो आपको व्यवसाय में सफलता नहीं मिल पाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु में दिशाओं का बहुत महत्व है और व्यापार के दौरान आपको भी अपने दिशा स्थान का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। यदि आप अपने व्यवसाय को कामयाब बनाना चाहते हैं तो वास्तु के इन उपायों को जरूर आज़माएं। व्यवसाय को सफल बनाने के लिए दुकान या शोरूम का मुख्यद्वार दीवार के बीच में होना शुभ होता है। दुकान के अंदर बिक्री का समान रखने की शेल्फ,शोकेस

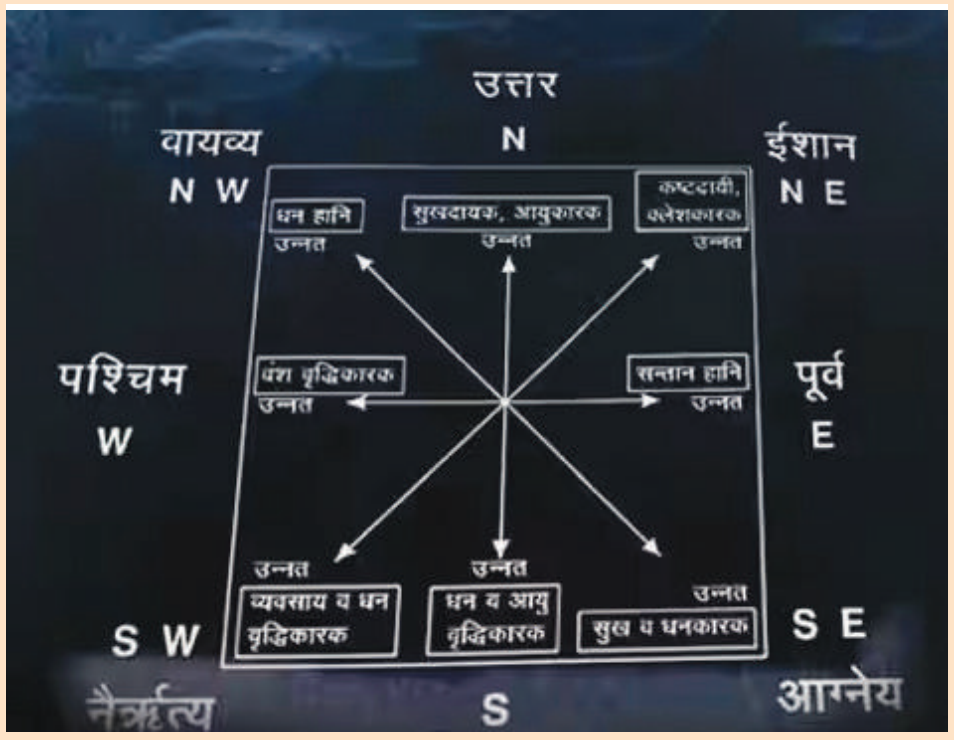

उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाना आपको लाभ दिलाएगा और आपका व्यवसाय बढ़ेगा।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार शोरुम या दुकान का कैशबाक्स हमेशा दक्षिण और पश्चिम दीवार के सहारे होना उपयुक्त माना जाता है। अपने व्यवसाय स्थल के ईशान कोण में मंदिर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही इस हिस्से में पीने का पानी रखना भी शुभ मन जाता है। आप अपने ऑफिस, दुकान या फैक्ट्री में सफेद, क्रीम या हल्के रंग का उपयोग कर सकते हैं। इन रंगों से सकारात्मकता का प्रवाह होता है, जो व्यवसाय में तरक्की प्रदान करने में सहायक माने जाते हैं। व्यवसाय को कामयाब बनाने के लिए आप अपनी टेबल पर श्रीयंत्र, व्यापार वृद्धि यंत्र, क्रिस्टल वाला कछुआ, क्रिस्टल बॉल, आदि रख सकते हैं। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार दुकान के मालिक या मैनेजर को अपने व्यवसाय क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए। व्यवसाय में सफलता पाने के लिए आप अपने दुकान या फैक्ट्री में पांचजन्य शंख भी स्थापित कर सकते हैं। शंख को माता लक्ष्मी का भाई मानते हैं क्योंकि दोनों की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई थी। शंख की पूजा से माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं। और इससे आपको व्यवसाय में सफलता हासिल हो सकती है।

व्यापार बढ़ाने के वास्तु टिप्स

भगवान की मूर्ति लगाने का सही स्थान

हम में से अधिकतर लोग अपने दफ्तरों, दुकानों में एक छोटा पूजा कक्ष या मंदिर बनाते हैं। जहां भगवान की मूर्ति रखते हैं । हालांकि अगर आप इसे गलत जगह पर रखते हैं तो ये आपके काम और मुनाफे को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। वास्तु विशेषज्ञ के अनुसार मंदिर या पूजा कक्ष हमेशा ईशान कोण या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

क्लियर ऑफिस एंट्री

क्या आपने अपनी दुकान, कार्यालय या कारखाने के प्रवेश द्वार को बहुत अधिक सजावटी सामग्री से सजाया है। वास्तु विशेषज्ञ के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि ये आपके रास्ते में आने वाले अच्छे व्यावसायिक अवसरों को रोक सकता है। इन्हें तुरंत हटा दें। आपके कार्यालय, दुकान या कारखाने का प्रवेश हमेशा क्लियर होना चाहिए।

दफ्तर के मालिक का रूम/सीट

आप अपने कार्यालय या दुकान में जहां बैठते हैं, वो आपके व्यवसाय की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आपका कमरा हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए या आप इस तरह बैठ सकते हैं कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। मंदिर आपके पीछे नहीं होना चाहिए। भगवान की मूर्तियों को अपने सीट के पीछे कभी न रखें। आपकी सीट के पीछे हमेशा एक सादी दीवार होनी चाहिए।

.

वॉशरूम की दिशा

माना जाता है कि वॉशरूम/शौचालय में नकारात्मक ऊर्जा होती है और व्यापार में किसी भी समस्या से बचने के लिए इनका सही दिशा में होना जरूरी है। इन्हें हमेशा उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। नहीं तो ये आपके व्यवसाय में वित्तीय वृद्धि को रोक सकते हैं।

.दुकान/कारखाने में फर्नीचर

अगर आपको अपने कार्यस्थल पर कोई फर्नीचर रखना है तो सुनिश्चित करें कि उसका आकार अनियमित या एल-आकार का न हो। क्योंकि ये विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। अपने ऑफिस के लिए हमेशा चौकोर या आयताकार आकार का फर्नीचर चुनें।

उत्तर दिशा

सुनिश्चित करें कि उत्तर दिशा हमेशा साफ हो। आपको यहां कुछ भी नहीं रखना चाहिए क्योंकि ये अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही इस क्षेत्र को लाल रंग से नहीं रंगना चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी पेंट्री डिजाइन न करें।

कार्यालय में लाइट

आपके कार्यालय या दुकान में अच्छी रोशनी होनी चाहिए, कार्यालय में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था हो तो हमेशा बेहतर होता है। अगर नहीं तो आप बहुत सारी लाइट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये कार्यालय में किसी भी नकारात्मकता को रोकता है और व्यवसाय को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अगर आप अपने व्यवसाय के लिए एक नया स्थान खरीद रहे हैं तो ऐसी जगह की तलाश करें जहां अच्छा वेंटिलेशन, ढेर सारी खिड़कियां और प्राकृतिक रोशनी हो।

दाहिनी दीवार के रंग

आपके कार्यालय या कारखाने में दीवार के रंग भी महत्वपूर्ण हैं। इनका काम के माहौल से सीधा संबंध है. हमेशा ऐसे रंगों का इस्तेमाल करें जो ब्राइट और आंखों को भाते हों। अपनी दुकान या ऑफिस के लिए सफेद, नीला, ग्रे जैसे रंग चुनें. इससे सकारात्मकता आएगी और व्यापार में वृद्धि होगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वैशाख माह खत्म होने से पहले करें इन 4 चीज़ों का दान

घर में कभी नहीं होगी धन की कमी

वैशाख माह, हिंदू कैलेंडर का दूसरा माह, दान पुण्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह नववर्ष का प्रारंभिक माह भी है, जिसमें दान करने से पुण्य की वृद्धि होती है और नए साल की शुरुआत शुभ होती है। मान्यता है कि वैशाख माह में दान करने से पाप धुल जाते हैं और पुण्य की वृद्धि होती है। इस माह में दान करने से ग्रह शांत होते हैं और कुंडली में ग्रहों का दोष दूर होता है। दान करने से लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन लाभ होता है। इस माह में दान करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैशाख माह में पितरों का तर्पण करना और दान करना उनकी आत्मा को शांति देता है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस महीने को भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की उपासना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय किया गया कोई भी पुण्य कार्य, जैसे दान, जप, तप, और व्रत, अन्य महीनों की तुलना में अधिक फलदायक माना जाता है।

तिल :- तिल दान करने से शनि ग्रह शांत होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति के पापों का नाश होता है और यह विशेष रूप से उन पापों को समाप्त करने में सहायक होता है जो अनजाने में किए गए होते हैं। अपार पुण्य की प्राप्ति होती है, जो उसे जीवन में सुख और समृद्धि दिलाता है। तिल दान के लिए सफेद या काले तिल का उपयोग किया जा सकता है। सफेद तिल का दान अधिक शुभ माना जाता है।

सत्तू :- सत्तू दान करने से सूर्य ग्रह मजबूत होता है और यश की प्राप्ति होती है। सत्तू मुख्यतः भूने हुए चनों या जौ का आटा होता है, जिसे पीसकर बनाया जाता है। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और गर्मियों में विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। सत्तू शरीर को ठंडक प्रदान करता है और ऊर्जा का अच्छा स्रोत होता है। धार्मिक दृष्टि से सत्तू का दान करने से व्यक्ति को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। यह पापों के नाश और मोक्ष की प्राप्ति में सहायक होता है।

आम:- आम दान करने से ग्रहों की शांति होती है और धन लाभ होता है। आम का दान सूर्योदय के समय या ब्रह्म मुहूर्त में करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। आम वैशाख माह में प्रमुख मौसमी फल होता है, और इसका दान करने से सामाजिक सद्भाव और समर्पण की भावना बढ़ती है।

वस्त्र :- वस्त्र दान करने से पुण्य की वृद्धि होती है और गरीबों का भला होता है। वस्त्र दान से व्यक्ति के बुरे कर्मों का नाश होता है और अच्छे कर्मों का फल मिलता है। इसे अगले जन्म में भी शुभ परिणाम देने वाला माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वस्त्र दान करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और धन में वृद्धि होती है।

बौद्ध धर्म में इस वृक्ष का है खास महत्व वैज्ञानिक करते हैं देखरेख

हर साल लाखों रुपए होते हैं खर्च

बिहार के गया में एक ऐसा पीपल का वृक्ष है जिसके देखरेख में प्रत्येक साल लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। हर साल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून से वैज्ञानिक आते हैं और इस पेड़ की स्वास्थ्य जांच करते हैं। यह पेड़ गया के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में है। कहा जाता है कि इसी पेड़ के नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यह जगह बौद्ध धर्म के लिए सबसे पवित्र तीर्थ स्थल है। इसी जगह भगवान बुद्ध ने पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान लगाया था। गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति होने के बाद उस पेड़ को बोधि वृक्ष कहा जाने लगा। बौद्ध धर्म के लोगों के लिए बोधि वृक्ष की बड़ी महत्ता है। बौद्ध श्रद्धालु इस पेड़ से गिरे पत्ते को अपने साथ ले जाते हैं और उसकी पूजा करते हैं। पेड़ से अलग हुई टहनियों को मंदिर समिति सुरक्षित रखती है।

बोधि वृक्ष सही सलामत रहे इसके लिए देहरादून के फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की मदद ली जा रही है। वैज्ञानिक साल में 3 से 4 बार यहां आते हैं और वृक्ष के स्वास्थ्य के अनुसार दवा का छिड़काव, सुखी टहनियों की कटाई और केमिकल लेप लगाते हैं। इसके साथ ही पत्तों पर दवा का छिड़काव किया जाता है और देखा जाता है कि पेड़ को कोई बीमारी तो नहीं लगी है। इसकी टहनियां इतनी विशाल हैं कि लोहे के 12 पिलरों से उन्हें सहारा दिया गया है। पेड के देखभाल मे हर साल लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं।

इस साल भी बोधि वृक्ष के रूटीन चेकअप के लिए दे-हरादून से दो वैज्ञानिक संतन बर्तवाल और शैलेश पांडे इन दिनों बोधगया आए हुए हैं। पिछले दो दिनों से बोधि वृक्ष का चेकअप किया जा रहा है। चेकअप के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि पेड़ पूरी तरह स्वस्थ है, पेड़ में कोई भी परे-शानी नहीं है और इसकी पत्तियों का साइज भी बढ़ा है। हमलोग ने इसके तने की जांच की है किसी भी तरह की कोई बीमारी नहीं है। फिलहाल इसे किसी भी तरह की कोई ट्रीटमेंट की जरुरत नहीं है। दोनों वैज्ञानिक 17 जून तक बोधगया में रहेंगे और बोधि वृक्ष की देखरेख करेंगे।

इतिहासकारों के अनुसार महाबोधि मंदिर में स्थित बोधि वृक्ष वर्तमान में यह चौथा वृक्ष है जिसे लार्ड कनिंघम ने साल 1880 में श्रीलंका के अनुराधापुरम से लाकर लगाया था। प्रथम बोधि वृक्ष को कलिंग युद्ध के पश्चात सम्राट अशोक की बौद्ध धर्म के प्रति रुझान देखकर उनकी पत्नी तिस्यरक्षिता कुपित हो गई। उन्होंने ईसा पूर्व 272- 262 में इस वृक्ष को कटवा दिया था। दूसरे बोधिवृक्ष को बंगाल के एक शासक शशांक ने 602-620 ईसवी में बौद्ध धर्म के अस्तित्व को समाप्त करने के उद्देश्य कटवा दिया। पुनः बोधि वृक्ष की जड़ से तीसरा वृक्ष निकला लेकिन लार्ड कनिंघम के नेतृत्व में खुदाई के दौरान प्राकृतिक आपदा का शिकार हो गया। तब श्रीलंका के अनुराधा पुरम से बोधि वृक्ष की शाखा मंगवाकर वर्ष 1880 में यहां लगाई गई वह आज भी मौजूद है।

मई में बन रहा है ट्रिपल त्रिग्रही योग इन राशियों पर बरसेगा अपार धन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मई 2024 में ग्रहों की चाल कुछ खास योग बना रही है । इस महीने में बुध, शुक्र और गुरु ग्रह वृषभ राशि में गोचर करेंगे। इन तीन ग्रहों का गोचर एक साथ होना ट्रिपल त्रिग्रही योग के नाम से जाना जाता है। यह योग सभी राशियों को प्रभावित करेगा, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी होगा। यह योग 17 मई से 20 मई तक वृषभ राशि में बनेगा। इस दौरान बुध, शुक्र और गुरु ग्रह एक साथ विराजमान रहेंगे। इस दुर्लभ योग का प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से सकारात्मक पड़ेगा।

इन राशियों पर बरसेगा अपार धन

वृषभ राशि यह योग वृषभ राशि के लिए बहुत ही शुभ है। इस राशि के जातकों को धन, करियर, और व्यापार में बड़ी सफलता मिल सकती है। नए अवसरों की प्राप्ति हो सकती है और आय में वृद्धि हो सकती है। इस दौरान इन जातकों को धन प्राप्ति के कई अवसर प्राप्त होंगे। व्यवसाय में वृद्धि होगी और नए अवसर मिलेंगे। नौकरी करने वाले जातकों को पदोन्नति या वेतन वृद्धि मिल सकती है।

कर्क राशि :- कर्क राशि के जातकों को भी इस योग से लाभ होगा। इस राशि के जातकों को नौकरी में प्रमोशन या कार्यक्षेत्र में बदलाव मिल सकता है। व्यवसाय में भी वृद्धि हो सकती है। इस योग से धन लाभ होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे और नए स्रोतों से धन प्राप्त होगा। व्यवसाय में लाभ होगा और निवेश से मुनाफा होगा।

तुला राशि :- तुला राशि के जातकों को भी इस योग का लाभ मिलेगा। इस राशि के जातकों को धन प्राप्ति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं और नया व्यवसाय शुरू करने का अच्छा समय हो सकता है। ट्रिपल त्रिग्रही योग से आय में वृद्धि होगी और अचानक धन प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यवसाय में नई सफलताएं मिलेंगी और नए अवसर प्राप्त होंगे।

मीन राशि :- मीन राशि के जातकों को भी इस योग से लाभ होगा। इस राशि के जातकों को करियर में तरक्की मिल सकती है। व्यवसाय में भी वृद्धि हो सकती है और धन प्राप्ति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस योग से आर्थिक लाभ तो होगा ही साथ ही रुके हुए कार्य पूरे होंगे और नए स्रोतों से धन प्राप्त होगा। व्यवसाय में लाभ होगा और निवेश से मुनाफा होगा।

अन्य राशियों पर भी इस योग का प्रभाव होगा, लेकिन उपरोक्त राशियों को विशेष रूप से लाभ होगा।

इस योग का लाभ उठाने के लिए कुछ उपाय भी ज्योतिष्शास्त्र में बताए गए हैं। इन राशियों के जातक इस योग का लाभ उठाने के लिए लक्ष्मी जी और गणेश जी की पूजा कर सकते हैं।

दान पुण्य कर सकते हैं और सबसे जरूरी है कि नकारात्मक विचारों से जितना हो सके उतना दूर रहें। मेहनत और लगन से काम करें। यह योग उन लोगों के लिए भी शुभ है जो नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, नौकरी की तलाश में हैं, या अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करना चाहते हैं।

असफलता से डरे बिना अपनी योजनाओं पर काम करते रहें और सकारात्मक सोच रखें।

19 की उम्र में डेब्यू, इंटीमेट सीन से हिट हुई फिल्म, तो दोगुनी कर दी अपनी फीस

नेशनल क्रश बनी अनुपमा परमेश्वरन

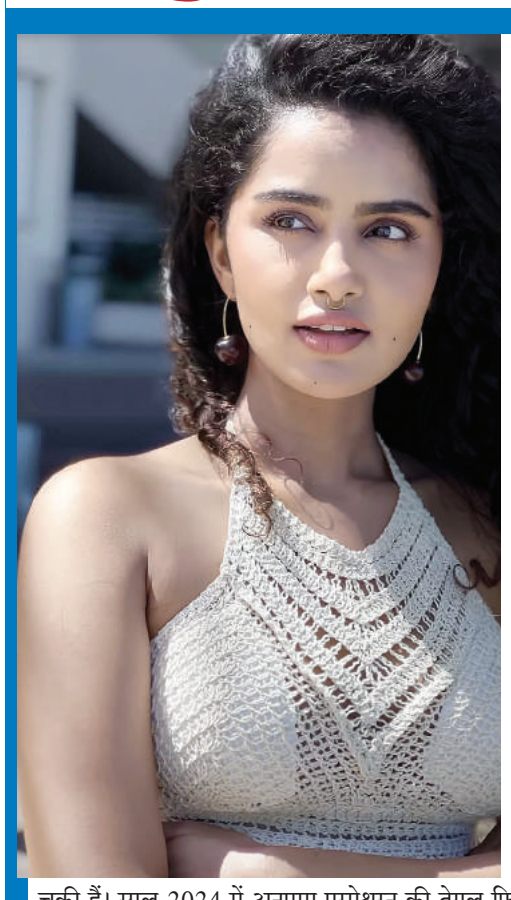

पिछले कुछ सालों से फिल्म इंडस्ट्री की हसीनाओं के लिए एक खास टर्म का इस्तेमाल किया जाता है जो है नेशनल क्रश । अब तक श्रद्धा कपूर से लेकर रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी लोगों की नेशनल क्रश बन चुकी हैं, लेकिन अब इस लिस्ट में एक और हसीना की एंट्री हो गई है जो इन दिनों खास वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं साल 2023 में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल की रिलीज के बाद तृप्ति डिमरी को नेशनल क्रश कहा जाने लगा था। मूवी में उनके इंटीमेट सीन्स और अदाकारी की खूब चर्चा हुई। लोगों ने सोशल मीडिया पर तृप्ति को ढूंढ-ढूंढकर फॉलो किया। अब साल 2024 में लोगों को अपनी नई नेशनल क्रश मिल गई है। हालांकि, वह बॉलीवुड से नहीं बल्कि साउथ सिनेमा से हैं। हम जिस खूबसूरत हसीना की बात कर रहे हैं उनका नाम है अनुपमा परमेश्वरन। वह लगभग एक दशक से मलायलम, तमिल और तेलुगु फिल्मों मे एक्टिव हैं। उन्होंने साल 2015 में महज 19 की उम्र में मलयालम फिल्म प्रेमम से डेब्यू किया था। इसके बाद वह कोडी, रक्षासुदु और कार्तिकेय 2 जैसी कई फिल्मों में अपने हुनर का जलवा बिखेर चुकी हैं। साल 2024 में अनुपमा परमेश्वरन की तेगुलु फिल्म टिल्लू स्कायर रिलीज हुई, जिसने इंडस्ट्री में उनके कद को और ऊंचा कर दिया। यह उनके करियर की सबसे बड़ी हिट मूवी साबित हुई। 40 करोड़ के बजट में बनी टिल्लू स्कायर ने दुनियाभर में 130 करोड़ का बिजनेस किया है। टिल्लू स्कायर में सिद्धू जोन्नालगड्डा के साथ अनुपमा परमेश्वरन की केमिस्ट्री छा गई। इस मूवी में किसिंग और इंटीमेट सीन्स देकर अनुपमा परमेश्वरन ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर फिल्म की रिलीज के बाद एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स वाले कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। वह देश की नई नेशनल क्रश बन गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अनुपमा परमेश्वरन ने टिल्लू स्कायर की सक्सेस के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है। अब वह पहले की अपेक्षा मेकर्स से दोगुनी फीस वसूल रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अनुपमा परमेश्वरन पहले 1 करोड़ फीस लेती थीं, लेकिन अब उन्होंने अपनी फीस बढ़ाकर 2 करोड़ कर दी है। इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन के सामने फिल्मों की लाइन लगी हैं। वह हनुमान फेम डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की फिल्म ऑक्टोपस में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास ध्रुव विक्रम की बाइसन और जेएसके जैसी फिल्में हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुपमा परमेश्वरन का ऑफिशियल अकाउंट है, जहां पर उन्हें 16 मिलियन यानी 1। 6 करोड़ लोग फॉलो करते हैं। अनुपमा परमेश्वरन अक्सर अपनी फोटोज और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं, जिन्हें उनके फैंस बहुत पसंद करते हैं।

पिंक आउटफिट में लगीं कमाल हीरों से बना हेडपीस है खास

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 का धमाकेदार आगाज फ्रांस में 14 मई को हुआ है। इस फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग सेरेमनी में इंटरनेशनल सेलेब्स ने शिरकत की। इस मौके पर कई बड़े स्टार्स को कान्स 2024 के रेड कार्पेट पर देखा गया। यहां 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो में नजर आईं एक्ट्रेस दीप्ति साधवानी को कातिलाना अवतार में देखा गया। तो वहीं उर्वशी रौतेला ने भी जलवे बिखेरे।

कान्स 2024 में पहुंचीं उर्वशी

उर्वशी रौतेला एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने पहुंचीं। 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में उर्वशी का अलग अंदाज देखने को मिला। हर साल कान्स में उर्वशी रौतेला अलग लुक्स में देखा जाता है। उर्वशी अक्सर ही अपने आउटफिट से फैंस और मीडिया को चौंकाती हैं। अब उन्हें फैशन डिजाइनर खालिद और मरवान के बनाए खूबसूरत गाउन को पहने देखा गया।

उर्वशी को रेड कार्पेट पर हॉट पिंक कलर की कॉर्सेट ड्रेस पहने देखा गया। ड्रेस के शोल्डर पर फ्लफी शियर मटेरियल से डिजाइन बना हुआ था। थाई हाई स्लिट के साथ ये आउटफिट बेहद सेक्सी लग रहा था। अपनी ड्रेस के साथ उर्वशी रौतेला ने मैचिंग हेडपीस पहना था, जिसमें बड़े डायमंड जड़े थे और उनके हाथों में मैचिंग ग्लव्स थे। ग्लव्स के अलावा एक्ट्रेस ने डायमंड ब्रेसलेट भी पहने थे।

उर्वशी रौतेला अपने इस लुक में किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। हालांकि उन्हें देखकर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का कान्स 2018 का लुक भी याद आ रहा है। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2018 में दीपिका पादुकोण ने आशी स्टूडियो के समर/स्प्रिंग 2018 कलेक्शन के हॉट पिंक कलर के ओरिगामी गाउन को पहना था। उर्वशी का ये नया लुक दीपिका के उस लुक की याद दिला रहा है।

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने 75वें कान्स फिल्म फेस्टिवल से अपना डेब्यू किया था। 2022 में हुए इस इवेंट में उनके अलग-अलग लुक्स ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद 2023 में भी उर्वशी रौतेला ने कान्स के रेड कार्पेट पर गजब ढाया। अब एक बार फिर एक्ट्रेस की वापसी फिल्म फेस्टिवल में हो गई है। फैंस को उर्वशी रौतेला का नया लुक खूब भा रहा है। ऐसे में उनकी तारीफ हो रही है।

कैंसर से जूझ रही राखी सावंत?

पूर्व पति ने किया अहम खुलासा, सीने और पेट में दर्द के बाद अस्पताल में चल रहा इलाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत को बीते रोज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राखी सावंत ने पेट और सीने में दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा है। अब राखी सावंत के एक्स हसबैंड रितेश राज ने अहम खुलासा किया है। रितेश राज ने बताया कि राखी सावंत को कैंसर हो सकता है।

हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि डॉक्टर्स ने नहीं की है। लेकिन टेस्ट किए गए हैं। जिनकी रिपोर्ट्स आना अभी बाकी है। रितेश ने बताया कि अस्पताल में भर्ती के बाद डॉक्टर्स को पता चला है कि राखी सावंत 'यूट्रस' (ीींशींी) में ट्यूमर पाया गया है। डॉक्टर्स इसकी जांच कर रहे हैं। शुरुआती जांच में ये बताया जा रहा है कि राखी सावंत को कैंसर हो सकता है। हालांकि डॉक्टर्स अभी इसकी जांच कर रहे हैं। अभी तक इसको लेकर डॉक्टर्स ने पुष्टि नहीं की है।

राखी सावंत ने मंगलवार को अपने सीने और पेट में दर्द की शिकायत की थी। जिसके बाद एक्ट्रेस को अस्पताल में भर्ती किया गया था। राखी सावंत के पेट में बेहताशा दर्द उठ रहा था। जिसके बाद डॉक्टर्स इसकी जांच कर रहे हैं। रितेश राज ने छ्शुा18 को दिए इंटरव्यू में इसका खुलासा किया है। रितेश ने फैन्स ने भी राखी सावंत के जल्द ठीक होने की दुआ मांगने की अपील की है। रितेश ने कहा कि राखी ने खुद की पर्सनालिटी ऐसी बनाई है कि उन्हें कोई सीरियस नहीं लेता। लेकिन राखी इस समय संकट से गुजर रही हैं।

क्रिकेट वाली नेट या फिर उर्फी वाला अंदाज

जान्हवी कपूर के स्कर्ट देख लोग हो गए कन्फ्यूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 31 मई को रिलीज हो रही इस फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ राजकुमार राव नजर आने वाले हैं। जान्हवी कपूर अपनी फिल्मों के साथ अपने फैशन और खूबसूरती को लेकर भी खूब वायरल रहती हैं। जान्हवी कपूर के पीछे अक्सर ही पैपराजी घूमते नजर आते हैं।

जान्हवी कपूर अब फिर से सोशल मीडिया पर छा गईं हैं। जान्हवी कपूर का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर जमकर वायरल है। इस वीडियो में जान्हवी कपूर ने नेट वाली स्कर्ट पहनी हुई थी। इस स्कर्ट को देखकर फैन्स भी पहले कन्फ्यूज हो गए। लोगों ने जान्हवी को पहले उर्फी जावेद समझ लिया। फैन्स ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में जाकर जान्हवी की ड्रेस को उर्फी जावेद की तरह फैशन वाला स्कर्ट भी बता दिया।

जान्हवी कपूर हाल ही में एक ईवेंट में हिस्सा लेने पहुंची थीं। यहां जान्हवी कपूर को देख पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और फोटो लेने लगे। जान्हवी कपूर ने एक पैपराजी से उनका हाल भी पूछा और उनकी गर्लफ्रेंड के बारे में भी खबर ली। जान्हवी कपूर ने इस दौरान अतरंगी फैशन भी दिखाया।

जान्हवी कपूर ने सफेद शर्ट, हरा स्कर्ट पहना हुआ था। स्कर्ट के ऊपर जान्हवी ने नेट भी पहना हुआ था। अब जान्हवी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है।

धनुष की रायन का फर्स्ट सिंगल अडंगाथा असुरन आउट

साउथ मेगास्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म रायन का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म सिनेमाघरों में जून 2024 को रिलीज होगी। तब तक मेकर्स भी फैंस की एक्साइटमेंट को बरकरार रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट सिंगल अडंगाथा असुरन रिलीज कर दिया है। जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में धनुष ने रायन का धांसू पोस्टर रिलीज करते हुए फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी। इसके साथ ही उन्होंने बताया था कि फिल्म का फर्स्ट सिंगल 9 मई को रिलीज किया जाएगा। तभी से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मेकर्स ने ऑफिशियली पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा था, अब डी वॉल्यूम बढ़ाने का टाइम आ गया है। रायन का पहला सिंगल 9 मई को आ रहा है। रायन जून 2024 में सिनेमाघरों में आएगी। अब तक मेकर्स ने फैंस को बताया था कि रायन जून 2024 में रिलीज होगी। लेकिन फर्स्ट सिंगल के साथ ही मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। धलुष की रायन सिनेमाघरों में 13 जून 2024 को दस्तक देगी। मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा, रायन का फर्स्ट सिंगल अडंगाथा असुरन आउट नाउ, रायन सिनेमाघरों में जून 2024 को आएगी।

चाहेंगे तुम्हें इतना की स्वाति शर्मा ने अपनी मां से मिली सीख को किया साझा

चाहेंगे तुम्हें इतना में आशी की भूमिका के लिए मशहूर एक्ट्रेस स्वाति शर्मा ने अपनी मां से मिली कुछ सीख साझा की, जिससे उनके एक्टिंग करियर में काफी मदद मिली।स्वाति ने कहा, काम के प्रति मेरा जुनून मेरी मां से आता है, जिन्होंने मुझे वह करना सिखाया जो मुझे सचमुच पसंद है। अपने जुनून के प्रति उनका समर्पण मुझे अपने काम के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करता है।एक्ट्रेस ने उदाहरण देते हुए याद किया कि एक बार उनकी मां ने दूसरों की आलोचना के बावजूद साड़ी के बजाय सलवार कमीज पहनने का फैसला किया था।जिस चीज में वह सहज महसूस करती थी उसे अपनाने की उनकी हिम्मत ने मुझे अपने प्रति सच्चा रहना और नकारात्मकता को नजरअंदाज करना सिखाया। चाहे कुछ भी हो, मैं हमेशा वही करती हूं जो मुझे लगता है कि मेरे लिए सही है, उनके मूल्यवान सीख के लिए धन्यवाद।स्वाति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि त्याग शब्द का इस्तेमाल मां के कामों को बताने के लिए करना ठीक होगा, क्योंकि मेरे पिता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया था कि उन्हें अपनी इच्छाओं को कभी नहीं छोड़ना पड़े।

बॉर्डर 2 बनेगी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म, रिलीज तारीख भी आई सामने

जब से फिल्म बॉर्डर के सीक्वल बॉर्डर 2 बनने का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। वे फिल्म के हर छोटे-बड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं।खबरें थीं कि इस फिल्म के लिए सनी देओल और आयुष्मान खुराना साथ आ रहे हैं और नई जानकारी के मुताबिक, फिल्म में दोनों की एंट्री पक्की हो गई है। इसी के साथ रिलीज से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है।आइए जानते हैं पर्दे पर कब आएगी बॉर्डर 2।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूषण कुमार और जेपी दत्ता ने बॉर्डर 2 को गणतंत्र दिवस, 2026 में रिलीज करने की योजना बनाई है। वे 23 जनवरी, 2026 को इसे दर्शकों के बीच लाने की तैयारी में हैं। 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस की छुट्टी होगी। लिहाजा फिल्म देखने ज्यादा से ज्यादा दर्शक पहुंचेंगे।निर्माताओं को लगता है

कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी का जश्न मनाने वाली इस फिल्म की रिलीज के लिए इससे बेहतर समय कोई नहीं हो सकता।रिपोर्ट में कहा गया है कि आयुष्मान ने फिल्म साइन कर ली है। सनी जहां इसमें दोबारा मेजर कुलदीप सिंह चौधरी की दमदार भूमिका अदा करेंगे, वहीं आयुष्मान भी एक शानदार भूमिका के साथ दर्शकों के बीच दस्तक देने वाले हैं। उनकी भूमिका सनी से कमतर नहीं होगी।अनुराग सिंह इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं।निर्माता-निर्देशक बॉर्डर 2 के रूप में भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म बनाने वाले हैं।बॉर्डर 1997 में रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। खास बात यह है कि बॉर्डर को 2026 में 29 साल पूरे हो रहे हैं। यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। इस फिल्म में सनी के साथ सुनील शेट्टी और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में नजर आए थे।फिल्म देशभक्ति से लबरेज थी। 10 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 65 करोड़ रुपये की कमाई की थी।सनी फिल्म लाहौर 1947 में भी नजर आएंगे।

कॉपर खदान में फंसे 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, एक अधिकारी की मौत

झुंझुनूं, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के नीमकाथाना जिले में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की खेतड़ी क्षेत्र में स्थित कोलिहान खदान में कोलकाता से आए दल द्वारा निरीक्षण के दौरान लिफ्ट की केबल टूटने से करीब पन्द्रह सौ फीट की गहराई में फंसे 15 लोगों में से 14 को बचा लिया गया जबकि एक अधिकारी की मौत हो गई।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसडीआरएफ) अनिल पालीवाल ने बताया कि बचाव दल ने खदान में फंसे पन्द्रह लोगों में से 14 को सुरक्षित निकाल लिया गया जबकि इसमें मुख्य सतर्कता अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे की मौत हो गई। श्री पालीवाल ने बताया कि सबसे पहले इस हादसे के तीन गंभीर घायलों को बाहर निकाला। उसके बाद पांच लोगों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए जयपुर भेज दिया गया। इसके बाद शेष बचे छह लोगों को बाहर निकाल कर अस्पताल भिजवाया गया और साथ ही इस हादसे के मृतक श्री पांडे के शव को बाहर निकाला गया।

उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब दस बजे स्टेट कंट्रोल रूम जयपुर से हिंदुस्तान कॉपर माइंस लिमिटेड खेतड़ी की खदान में करीब 1875 फीट की गहराई में 15 लोगों के फंसे होने की सूचना एसडीआरएफ कंट्रोल रूम को मिलने पर कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार आपदा राहत एवं बचाव के लिए जल महल पुलिस ग्रामीण लाइन में तैनात रेस्क्यू टीम प्रभारी प्लाटून कमांडर रवि वर्मा मय टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।उन्होंने बताया कि कोलिहान खदान में कोलकाता से निरीक्षण के लिए आई एक टीम मंगलवार रात करीब आठ बजे निरीक्षण के दौरान लिफ्ट की केबल टूटने से लिफ्ट करीब 1500 फीट की गहराई में गिर गई। जिससे उसमें सवार 15 लोग फंस गए। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की रेस्क्यू टीम तथा स्थानीय प्रशासन फंसे हुए लोगों को बाहर निकलने का प्रयास कर रही थी। मौके पर जिला कलेक्टर शरद मेहरा तथा पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक भी मौजूद थे। मध्य रात करीब तीन बजे एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम प्रभारी रवि वर्मा 12 जवानों तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। डिप्टी कमांडेंट राकेश पाल सिंह के सुपरविजन में एसडीआरएफ तथा कॉपर लिमिटेड की रेस्क्यू टीम द्वारा संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।श्री वर्मा नौ जवानों तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की रेस्क्यू टीम को लेकर दूसरी लिफ्ट एवं रेस्क्यू रोप की सहायता से घायलों तक पहुंचे। सबसे पहले गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार देकर ट्राली की सहायता से जीरो मीटर लेवल तक लेकर आए। उसके बाद पुली एवं रेस्क्यू रोप से घायलों को इंप्रोवाइज्ड स्ट्रेचर की मदद से प्लस 64 मीटर लेवल बेस तक बाहर निकाला गया। इसके बाद खदान के वाहनों से 400 मीटर बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया। सबसे पहले रेस्क्यू टीमों ने तीन गंभीर घायलों को बाहर निकाला। उसके बाद पांच लोगों को और अंत में शेष बचे लोगों एवं श्री पांडे के शव को बाहर निकाला गया।श्री पालीवाल इस ऑपरेशन में रेस्क्यू टीम ने खेतड़ी कॉपर कार्पोरेशन (केसीसी) इकाई प्रमुख जीडी गुप्ता, कोलिहान खदान उप महाप्रबंधक एके शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत विनोद सिंह शेखावत, सहायक उप महाप्रबंधक मैकेनिक एके बेरा, मुख्य प्रबंधक खदान अर्णय भंडारी, सहायक उप महाप्रबंधक यशोराज मीणा, सहायक उप महाप्रबंधक विजिलेंस वनेन्दू भंडारी, फोटोग्राफर विकास पारीक, वरिष्ठ प्रबंधक रिसर्च निरंजन साहू, सुरक्षा अधिकारी करण सिंह, प्रबंधक प्रीतम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक खदान रमेश नारायण सिंह एवं कर्मचारी हरसी राम एवं भागीरथ को सुरक्षित खदान के बाहर निकाला। सुरक्षित बाहर निकाले गए लोग घायल हो गए लेकिन इनमें कोई गंभीर रुप से घायल नहीं हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफ़ी धन भी खर्च हो सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने ख़ाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप ख़ुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना ख़ाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 16 मई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रात: 06:24 तक
नक्षत्र : मघा सायं 06:14 तक
योग : ध्रुव प्रात: 08:22 तक
करण : बव प्रात: 06:24 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सीता नवमी , गण्डमूल सायं 06:14 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल का निधन

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। पूर्व राज्यपाल एवं राजस्थान की पूर्व उपमुख्यमंत्री कमला बेनीवाल का बुधवार को यहां निधन हो गया।

वह करीब 97 वर्ष की थी और उन्होंने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल अंतिम सांस ली। वह गुजरात की राज्यपाल रही और इससे पहले वह राजस्थान में उपमुख्मंत्री रही। उन्होंने सात बार विधानसभा का चुनाव जीता और राजस्थान की पहली महिला मंत्री बनने का गौरव हासिल किया।

श्रीमती कमला राज्य में कांग्रेस की वयोवृद्ध नेता थी और उनका जन्म राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गोरिर गांव में एक जाट परिवार में हुआ। उन्होंने ग्यारह साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में भी हिस्सा लिया।

उन्होंने 1954 में 27 वर्ष की उम्र में विधानसभा चुनाव जीतकर राजस्थान सरकार में पहली महिला मंत्री बनीं। इसके बाद भी वह कई विभागों की मंत्री बनने के साथ प्रदेश की उपमुख्यमंत्री भी बनी। उन्हें वर्ष 2009 को गुजरात की राज्यपाल बनाया गया और उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी थे। इससे पहले वह त्रिपुरा की राज्यपाल थीं।

गूगल मैप पर सरिस्का का गलत रास्ता दिखाया

अलवर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में विश्व प्रसिद्ध सरिस्का अभ्यारण्य का गूगल मैप पर गलत रास्ता दिखाने का मामला सामने आया है। सरिस्का के उपवन संरक्षक महेंद्र शर्मा ने बताया कि जानकारी में आया है कि गूगल मैप पर दिल्ली से आने वाले पर्यटकों को सरिस्का का मुख्य द्वार पिनान और टहला गेट से बताया जाता है। वहां से रास्ता अंदर होकर सरिस्का का मुख्य गेट दिखाया जाता है, जबकि टहला होकर से सरिस्का का मुख्य द्वार कोई आम रास्ता नहीं है, सिर्फ यहां से पर्यटक और श्रद्धालु ही आ सकते हैं। कई बार सिलीबेरी गेट भी दिखाया जाता है, जिससे पर्यटक काफी परेशान होते हैं।उन्होंने बताया कि गूगल पर आपत्ति दर्ज करायेंगे और रास्ते को सही करने के लिये कहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर गूगल के प्रसंज्ञान में यह आता है और शिकायत दर्ज होती है, तो उसको प्रमाणित कर उसे शीघ्र इसका सही रास्ता दिखाने लगेंगे।

रविंद्र सिंह भाटी को मिली फिर जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

बाड़मेर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से विधायक रविंद्र सिंह भाटी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर जल्द जान से मारने और खुलेआम मारने की बात कही है। वीडियो संदेश के माध्यम से एक युवक की ओर से दी गई धमकी में रविंद्र पर जातीय आधार पर जहर फैलाने का आरोप लगाया गया है और एक लोकदेवता के विषय में भी अर्नगल टिप्पणी की गई है। इस घटना से भाटी समर्थकों ने गहरी नाराजगी जताई है और उन्होंने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

वीडियो संदेश की अवधि करीब डेढ़ मिनट की बताई जा रही है और इसमें कहा गया है कि रविंद्रसिंह भाटी को जल्दी ही सरेआम मारेंगे। इस वीडियो को लेकर बालोतरा पुलिस के अधिकारियों ने गंभीरता बरतते हुए साइबर एक्सपर्ट के माध्यम से आर-ोपी का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। वीडियो मंगलवार शाम जारी किया गया। उल्लेखनीय है कि रविंद्र भाटी को दूसरी बार सोशल मीडिया पर धमकी दी गई है। इससे पूर्व अप्रैल माह के अंतिम दिनों में बालोतरा में रविंद्र भाटी की ओर से अपने कार्यकर्ताओं से पुलिस की ओर से अभद्र व्यवहार किए जाने से नाराज होकर धरना-प्रदर्शन करने के बाद एक व्यक्ति की ओर से सोशल मीडिया पर धमकी दी गई थी जिसे बाद में पुलिस ने पकड़ लिया था। निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी को दूसरी बार फिर धमकी मिलने से बाड़मेर की सियासत फिर से गरमा गई है।

लैंड जेहाद बर्दाश्त नहीं, जमीन घोटाले को नहीं भूले हैं हरियाणा के लोग : धामी

रोहतक, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है देव भूमि उत्तराखंड के मूल स्वरूप को बदलने नहीं दिया जाएगा। नीली व पीली चादर चढ़ाकर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। 5 हजार एकड़ जमीन मुक्त करवाकर लैंड जेहाद को खत्म किया है। धामी बुधवार को रोहतक लोकसभा क्षेत्र के राजपुत बाहुल्य गांव समरगोपालपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

जनसभा में ढाई घंटे देरी से पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे दो दिन पंजाब का दौरा करके लौटे हैं। एक तरफ पंजाब में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी एक-दूसरे को गालियां दे रही हैं, दूसरी तरफ हरियाणा व दिल्ली में एक-दूसरे की गलबहियां कर रही हैं। यह गठबंधन नहीं, बल्कि ठगबंधन है। अब देश व प्रदेश की जनता यह सब समझती है। उन्होंने कहा कि जब वे अयोध्या जाते थे तो भगवान राम एक टेंट के नीचे विराजमान मिलते थे, यह देखकर बहुत देख होता था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भव्य मंदिर बना है। उन्होंने कहा कि जब आम लोग मिलते हें तो राम-राम करते हैं। जब कांटा भी चुभता है तो भगवान राम का नाम लेते हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस ने अदालत में रामसेतू का विरोध करने के लिए वकीलों की लंबी फौज खड़ी कर दी थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस पर एक परिवार का दबदबा है। कोई भी कांग्रेस नेता आगे बढ़कर मेहनत करे, लेकिन उसको बढ़ने नहीं दिया जाता। 2019 की तरह रोहतक की जनता परिवारवाद की जगह मोदी के विकासवाद पर मोहर लगाएगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री व गंगोत्री को रोप-वे से जोड़ा जा रहा है। साथ ही जल्द 125 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद पहाड़ों में भी रेल चलेगी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को हेलीकॉप्टर से सुबह 10 बजे चंडीगढ़ से रोहतक पहुंचना था, लेकिन वायु सेना के अभ्यास के चलते हेलीकॉप्टर को साढ़े नौ बजे उड़ने की अनुमति नहीं मिली। आखिकर यमुनानगर के रास्ते वायुसेना अभ्यास के दायरे से बाहर रोहतक लाया गया। ऐसे में ढाई घंटे से ज्यादा समय लग गयाा। धामी का काफिला दोपहर सवा दो बजे समरगोपालपुर की जनसभा में पहुंचा। इसके लिए धामी के साथ उत्तराखंड के मंत्री विनय रोहिल्ला ने माफी भी मांगी। जनसभा में राजस्थान के मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद रहे।उधर, भाजपा प्रत्याशी एवं लोकसभा सांसद अरविंद शर्मा समरगोपालपुर की रैली में नहीं पहुंच सके। क्योंकि वे कोसली में आयोजित रैली में व्यस्त थे, जहां मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहनलाल यादव आए हुए थे। समरगोपालपुर की रैली में उनकी पत्नी रीटा शर्मा ने लोगों का अभिनंदन किया। रैली का आयोजन महम से भाजपा नेत्री राधा अहलावत ने किया था। साथ ही पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व लोकसभा चुनाव प्रभारी राजीव जैन भी मौजूद रहे।

अंग्रेज चले गए पर कांग्रेस को छोड़ गए : मोहन यादव

रेवाड़ी (हरियाणा), 15 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि लॉर्ड मैकाले ने शिक्षा नीति में से भगवान राम और कृष्ण के सारे अध्यायों को निकालकर शिक्षा नीति को देव विहीन कर दिया, इसके बाद अंग्रेज चले गए लेकिन कांग्रेस को छोड़ गए और वो कांग्रेस आज भी उल्टे रास्ते पर चल रही है।डॉ. यादव रेवाड़ी के बेरली के कोसली में आयोजित रैली में संबोधन दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा अर्थात हरि का निवास। यहां भगवान श्री कृष्ण की धरती पर अपने-अपने ढंग से सब जीवन यापन कर रहे हैं। यहां के हर घर से कोई न कोई रणबांकुरा सीमा पर अपनी ड्यूटी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के जीवन में कष्ट ही कष्ट रहे हैं, लेकिन हर कष्ट के बाद भी कन्हैया, कन्हैया ही नहीं हैं कालिया नाग को मार कर उसके फन पर नृत्य करने की हिम्मत केवल गोपाल कृष्ण में है। जो गाय चरा कर आनंद लेते हैं और अपनी माता-बहनों के कष्ट को भी दूर करने में आगे रहते हैं। कंस जैसे महापराक्रमी को उसके घर में मारते हैं। भगवान श्री कृष्ण कंस को मारने के बाद कुर्सी को लात मार के उज्जैन शिक्षा ग्रहण करने के लिए आ गए। भगवान श्री कृष्ण ने 64 कला, 14 विद्या, 4 वेद, 18 पुराण की शिक्षा ग्रहण की। ऐसा शिक्षार्थी तो कहीं मिलेगा नहीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती पर जब महाभारत का महायुद्ध हुआ।

उस युद्ध की धमक से दुनिया दहल उठी थी, लेकिन ऐसे कठिन समय में भी, जो शिक्षा ग्रहण की थी, उस समय में उनके मुख से 18 अध्याय की पवित्र गीता निकली। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि 1835 में लॉर्ड मैकाले ने जब शिक्षा नीति लागू की तब उस शिक्षा नीति में से दुर्भाग्य से भगवान श्री कृष्ण और भगवान श्री राम के सारे अध्यायों को निकालकर शिक्षा नीति को देव विहीन कर दिया। अंग्रेज चले गए, लेकिन कांग्रेस को छोड़ गए। ये भी आज उस उल्टे रास्ते पर चलते हैं। कांग्रेस ने सोमनाथ के मंदिर का विरोध किया, जिसका इतिहास गवाह है। 17 लाख साल पहले भगवान राम हुए और 5000 साल पहले भगवान श्री कृष्ण हुए। एक ने मर्यादा के साथ जीवन जीना सिखाया और दूसरे ने मर्यादा को तोड़ने वालों को लाइन पर लाने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जब अमेरिका के राष्ट्रपति आते थे तो भेंट के रूप में ताजमहल देते थे, पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पवित्र गीता का ज्ञान उन्हें भेंट करते हैं। जो राम का नहीं, वो किसी काम का नहीं। सबका साथ सबका विकास, यह बोलने के लिए नहीं करके दिखाने के लिए है।

पटवारी तीन हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) बुधवार को अजमेर जिले की अरांई तहसील के गागुन्दा पटवारी सरदार सिंह को तीन हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी ने ब्यूरो में शिकायत दी कि उसका राजस्व रेकॉर्ड में नाम के शुद्धिकरण के नाम पर गागुन्दा पटवारी तीन हजार की रिश्वत मांग रहा है।

प्राप्त शिकायत का सत्यापन करने के बाद ब्यूरो ने सत्यापन कराया तो पटवारी ने सत्यापन के दौरान ही एक हजार रुपये ले लिये।

ब्यूरो टीम ने आज ट्रैप की कार्रवाई करते हुये जाल बिछाया तो पटवारी भवन गागुन्दा से दो हजार की रिश्वत राशि के साथ पटवारी सरदार सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी उपाधीक्षक राकेश वर्मा की अगुवाई में कार्यवाही को अंजाम दिया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नीतीश कुमार जैसा मुख्यमंत्री बिहार में पैदा नहीं हुआ: अनंत सिंह

लालू के बारे में ऐसा कहा

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ में कसीदें गढ़े हैं। पैरोल पर 15 दिन के लिए बाहर आए अनंत सिंह ने स्पष्ट कहा कि नीतीश कुमार की तरह न कोई मुख्यमंत्री बिहार में पैदा हुआ और न ही पैदा होगा। बिहार में उनके जैसा मुख्यमंत्री कभी नहीं होगा। अनंत सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई पारिवारिक जिम्मेदार नहीं थी। उनके भाई आज भी दवा बेचते हैं। बेटा भी राजनीति से दूर है। सीएम के परिवार के बारें में सबको पता है।

अनंत सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार दिन-रात काम में ही लगे रहते थे। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आपने लालू यादव का शासन नहीं देखा है। उस वक्त अपहरण उद्योग चलता था। दिल्ली में नौकरी करने वालों के परिजनों को उठा लिया जाता था। लोग घर से बाहर नहीं निकल पाते थे। अनंत सिंह ने कहा कि मैं किसी की पार्टी में नहीं हूं लेकिन फिर भी कहता हूं कि नीतीश कुमार की तरह न कोई नेता बिहार में पैदा हुआ है और न ही होगा।

छह मई को सीएम नीतीश कुमार मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के पंडारक में ललन सिंह के चुनावी प्रचार में पहुंचे थे। मंच पर मंच पर अनंत की पत्नी और मोकामा की विधायक नीलम देवी भी मौजूद थीं। नीतीश कुमार अपने भाषण के दौरान कहा कि बीच में थोड़ा-बहुत इधर-उधर हो गये थे लेकिन अब देखिए वह भी साथ आ गई हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इनके पति (अनंत सिंह) से हमारा संबंध पुराना है। बीच में थोड़ा बहुत इधर-उधर हुआ, लेकिन वह खत्म होकर फिर दोबारा आ गए हैं। इनके पिताजी से हमारे पिताजी का पुराना रिश्ता था। हम लोग 1995 से साथ हैं।

बता दें कि विधायकी गंवाने वाले बाहुबली और मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पांच मई को बेऊर जेल से बाहर निकले हैं। गृह विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद अनंत सिंह को जेल से 15 दिनों के लिए पैरोल मिला है। आनंद सिंह के जेल से बाहर निकलने की सूचना के साथ ही उनके समर्थकों में काफ़्फ़ी उत्साह का माहौल है। अनंत सिंह लगभग पांच वर्षों से जेल में बंद है। अनंत सिंह पर एके 47 रखने का आरोप है, जिसके तहत कोर्ट ने उन्हें 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। तब से मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पटना के बेउर जेल में सजायाफ्ता बंदी के रूप में सजा काट रहे हैं।

मनोज तिवारी के खिलाफ परिवाद दायर

कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप

पटना (एजेंसियां)।

भाजपा के वरीय नेता व दिल्ली के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से निवर्तमान सांसद और प्रत्याशी मनोज तिवारी की परेशानी बढ़ सकती है। पटना के सीजेएम कोर्ट कोर्ट में उनके खिलाफ परिवाद दायर हुआ है। उनपर आरोप लगा है कि उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी व कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर एक जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसी आरोप के कारण उनके खिलाफ अधिवक्ता अशोक कुमार ने परिवाद दायर किया है।

सीजेएम की कोर्ट में परिवाद दायर करने वाले आवेदक की ओर से अधिवक्ता राम संदेश राय और मणिलाल ने दलीलें ली। उनका कहना था कि भाजपा सांसद मनोज तिवारी की टिप्पणी किसी भी सूरज में समाज को स्वीकार्य नहीं है। सीजेएम कोर्ट ने इस परिवाद को स्वीकृत कर लिया। साथ ही इस मामले को सुनवाई के लिए एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में ट्रांसफर किया गया।

इधर, परिवाद स्वीकृत होने के बाद अधिवक्ता अशोक कुमार ने कहा कि भाजपा नेता मनोज तिवारी एक जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर हैं। उन्होंने कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर एक जाति विशेष पर अपमानजनक टिप्पणी की। यह किसी भी कीमत पर समाज को बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने संविधान विरोध बातें कही है। इसलिए कोर्ट से मांग हैं कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ताकि आगे से कोई भी शख्स किसी भी समाज के खिलाफ टिप्पणी करने से पहले सौ बार सोचे।

पीएम मोदी की गलत नीतियों के कारण 25 करोड़ युवा हो गए बेरोजगार: तेजस्वी यादव

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गलत नीतियों के कारण आज 25 करोड़ नौजवान 'गतायु' हो चुके हैं। यानी नौकरी करने के लिए उनकी उम्र खत्म हो गई। इसका साफ मतलब है कि वो बेरोजगार हो चुके हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। 25 करोड़ युवा मामूली संख्या नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद नीति बनाई थी कि भाजपा में 75 साल की उम्र के बाद लोग मार्गदर्शक मंडली में लोग जाएंगे। मुझे विश्वास है कि पीएम मोदी अपनी बनाई नीतियों के अनुसार मार्गदर्शन मंडली में जाएंगे। अग्निवीर योजना के जरिए सेना में गए युवाओं को 22 साल में सेवानिवृत कर दिया जा रहा है। अब जब 22 साल युवा सेवानिवृत हो रहा है। अब तब 22 साल के युवा को पीएम मोदी सेवानिवृत कर रहे तो खुद भी वह 75 साल के हो गए। उन्हें भी मार्गदर्शक मंडली में बैठ जाना चाहिए।

वहीं मुजफ्फरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी अजय निषाद के पक्ष के वोट मांगने गए तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे डॉक्टर ने दर्द की वजह से आराम करने को कहा है। लेकिन, आराम करेंगे तो भाजपा वाले कोई खेला कर देंगे। कहा कि भाजपा की विदाई को तीन हफ्ते ही रह गए हैं। अभी आराम नहीं कर सकते हैं। मैंने आप लोग के लिए अपने स्वास्थ्य को भी दांव पर लगा दिया है ताकि देश में परिवर्तन हो और मोदी जी को हटा कर नई सरकार बनाने में मदद किया जा सके।

पवन सिंह की मां भी चुनावी मैदान में, चर्चित सीट से किया नामांकन

सासाराम (एजेंसियां)।

काराकाट लोकसभा सीट दिन प्रतिदिन और भी हॉट सीट बनती जा रही है। जैसे-जैसे मतदान का दिन करीब आ रहा है वैसे-वैसे काराकाट की राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है। मंगलवार को नामांकन का आखिरी दिन था।आखिरी दिन काराकाट लोकसभा क्षेत्र से भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की मां प्रतिमा देवी ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। पवन सिंह की मां बिना शोर-शराबे के कलेक्ट्रेट पहुंचीं। इसके बाद चुपचाप रवाना हो गईं। उनके साथ सिर्फ प्रस्तावक थे। बिना किसी नारेबाजी और फूलमाला के सादगी के साथ नामांकन कर वापस चली गईं। इसके पूर्व पिछले नौ मई को पवन सिंह ने अपना नामांकन किया था। पवन सिंह के नामांकन रद्द होने की आशंका पर मां ने भी नामांकन किया है। 15 मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 16 मई तक नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि है।

इसके बाद इस बात की चर्चा थी कि भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह का नामांकन षड्यंत्र के तहत रद्द कर दिया जा सकता है। पवन सिंह के टीम की ओर से बताया गया कि नॉमिनेशन एक संवैधानिक प्रक्रिया है और कोई भी प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के अलावा अपने किसी करीबी रिश्तेदार के नाम पर भी नामांकन करता है। नामांकन में त्रुटि होने या अन्य कोई कारण यदि उसका नॉमिनेशन रद्द हो जाए तो उसके करीबी के नॉमिनेशन के आधार पर वह चुनाव लड़ सकता है। इसलिए एहतियातन के तौर पर पवन सिंह ने भी औरों की तरह अपनी मां प्रतिमा देवी का नामांकन काराकाट लोकसभा क्षेत्र से करवाया है। यह कोई अचंभित बात नहीं है यह सिर्फ संवैधानिक प्रक्रिया है।

उपेंद्र कुशवाहा की पसंदीदा काराकाट सीट पर मतदान लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में एक जून को होगा। अभी चौथे और पांचवें चरण की लोकसभा सीटों पर ज्यादातर दलों का ध्यान है।

यहां एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा को मैदान में उतारा है। वहीं भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर पवन सिंह निर्दलीय ही मैदान में उतर चुके हैं। महागठबंधन की ओर से कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़्फ़ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने राजा राम सिंह को उतारा है और वह इस बात से खुश भी हैं कि एनडीए के वोटर इस नाम पर बंट रहे हैं। भाजपा नेता खुले तौर पर उपेंद्र कुशवाहा का साथ दे रहे हैं। इधर, उपेंद्र कुशवाहा भी कह रहे हैं कि पवन सिंह सिर्फ सोशल मीडिया के जरिए अपनी ताकत दिखाकर जनता को भरमाने की कोशिश कर रहे हैं।

ढूंढा तो जहर खा लूंगी : तीन महीने भक्ति करने के लिए जा रही हूं, ऐसा लिखकर तीन सहेलियां घर से गायब

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फपुर जिले से हैरान कर देने वाला मामले सामने आया है। एक साथ तीन सहेलियां अचानक ही गायब हो गई है। तीनों अपने-अपने घर में एक चिट्ठी को छोड़ गई। इसमें लिखा है कि हमलोग तीन महीने के लिए भक्ति में लीन होने जा रहे। हमलोगों की खोजबीन नहीं की जाए। बहुत ही सिद्ध बाबा ने भक्ति के लिए बुलाया है। तीनों लड़कियों के लापता होने के बाद से उनके परिजन काफ़्फ़ी परेशान हैं। तीनों ने अपने घरों पर एक चिट्ठी भी छोड़ी है। इसमें लिखा है कि वह लोग हिमालय जा रहे है। यही नहीं अगर खोजबीन किया गया तो जहर खा लेंगी। इसके लिए वह सभी को अपने साथ साथ ले गई हैं। पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र का है।

पूरे मामले को लेकर परिजनों ने नगर थाना में गुमशुदगी को लेकर थाने में एक आवेदन दिया है। पुलिस इसके आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। परिजन ने बताया गया कि 13 मई से तीनों लड़की एक साथ अचानक गायब हो गई। इसके बाद सभी लोगों ने काफी खोजबीन की। इसमें दो लड़की नाबालिग हैं। ये दोनों कम्पनीबाग इलाके की रहने वाली हैं।वहीं तीसरी लड़की गोलाबांध रोड इलाके की रहने वाली है। परिजन के मुताबिक, तीनों लड़की के पास मोबाइल है लेकिन अभी वह स्विच ऑफ बता रहा है। उसके जान पहचान वालो से भी जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला।

परिजनों ने बताया कि तीनों लड़कियां अपने-अपने घर में चिट्ठी छोड़ गई हैं। इन लड़कियों ने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से तीन महीने के लिए किसी बाबा के पास जा रही है। भक्ति के लिए इस तरह की बात से तीनों के परिवार में अनहोनी की चिंता सताने लगी है। मामले पर नगर थाना के थानेदार विजय कुमार सिंह ने बताया की आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है। परिजनों का बयान दर्ज कर लिया गया है। सभी बिंदुओं पर जांच चल रही है। आसपास के लगे हुए सीसीटीवी फ़ुटेज को खंगाला जा रहा है। गुमशुदगी की रिपोर्ट को अभी दर्ज कर लिया गया।

चारपाई पर बैठे किशोर के ऊपर अचानक गिरा मकान का छज्जा, मौके पर मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कैमूर जिले के भभुआ प्रखंड के रतवार पंचायत के किशुनपुरा गांव में 15 वर्षीय किशोर के ऊपर मकान का छज्जा गिरने से मौत हो गई। किशोर की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया। वहीं, सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल मौके पर पहुंचे।

जिला परिषद सदस्य ने बताया कि भभुआ प्रखंड के रतवार पंचायत की किशुनपुरा गांव के गुड्डू राम का बेटा शिवम कुमार अपने घर के बाहर खटिया लगा कर बैठा हुआ था। तभी छत का छज्जा उसके शरीर पर जा गिरा, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। गांव के ग्रामीण आनन-फानन में उसको लेकर मोहनिया हॉस्पिटल में पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि शिवम कुमार काफी मिलनसार प्रवृत्ति का किशोर था। गांव में सभी से उसका लगाव रहता था। उसकी मौत हो जाने से पिता गुड्डू राम, उनकी पत्नी और पूरा परिवार सदमे में है।

बताया जा रहा है कि चार बच्चों में शिवम सबसे छोटा था। गांव की महिलाएं शिवम की मां को समझा-बुझा कर शांत कर रही है। लेकिन बेटे के चले जाने से वह बार-बार अचेत हो जा रही है। बताया जा रहा है कि शिवम का परिवार काफी गरीब है। गुड्डू राम मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

वहीं, भभुआ जिला परिषद सदस्य ने आर्थिक सहयोग करते हुए किशोर के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। वह शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहे। साथ ही मौके पर पंचायत के उप मुखिया गणेश राम, कृष्णा, नीतीश पांडे और त्रिवेणी शर्मा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सीएम नीतीश कुमार अस्वस्थ हुए, सारे कार्यक्रम रद्द

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। सीएम हाउस में डॉक्टरों की टीम लगातार उनका देखरेख कर रही है। स्वास्थ्य को देखते हुए मुख्यमंत्री के कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई है। इसमें स्पष्ट लिखा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। इसलिए आज उनके सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। बताया जा रहा है आज सीएम नीतीश पीएम नरेंद्र मोदी के नॉमिनेशन में वाराणसी जाने वाले थे। लेकिन, अस्वस्थ होने के कारण अब वह पीएम के कार्यक्रम में नहीं शामिल हो पाएंगे। इतना ही नहीं आज शाम में सीएम नीतीश कुमार भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के अंतिम संस्कार में भी शामिल होने वाले थे लेकिन अब वहां भी नहीं जा पाएंगे।

इधर, सीएम नीतीश कुमार के अस्वस्थ होने की खबर आने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई थी। इसमें लिखा गया था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्व. सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर दिल्ली से पटना विशेष विमान से लाया जायेगा। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ संपन्न होगा।

मुख्यमंत्री ने उनकी धर्मपत्नी जेसिस जार्ज से दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा सुशील कुमार मोदी के परिजनों, समर्थकों और प्रशंसकों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि स्व. सुशील कुमार मोदी जेपी आंदोलन के सच्चे सिपाही थे।

गया में अपराधियों को खदेड़ रही पुलिस पर गोलीबारी-पथराव, नाबालिग को लगी गोली

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया में अपराधियों को पकड़ने के लिए खदेड़ रही पुलिस पर गोलीबारी और पथराव की घटना में एक नाबालिग युवक को गोली लग गई। घायल युवक को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। हालांकि घटना की सूचना के बाद गया पुलिस ने पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। घटना शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के नादरगंज मोहल्ले की है। घायल युवक की पहचान मो. रेहान के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार की दोपहर विष्णुपद थाना पुलिस सिविल वर्दी में अपराधियों को पकड़ने के लिए खदेड़ रहे थे। इसी दौरान अपराधी नादरगंज मोहल्ले की ओर भागने लगे। अपराधियों ने नादरगंज शाही मस्जिद के पास पहुंचते ही अंधाधुंध गोलियां चलाना शुरू कर दिया। उक्त गोलीबारी की घटना में मस्जिद से नमाज पढ़कर बाहर निकल रहे मो. रेहान के पैर में गोली लग गई।

वहीं, अचानक गोलीबारी की घटना से मोहल्ले वासी दहशत में आ गए। उस दौरान लोगों ने सिविल वर्दी में रहे पुलिसकर्मी को अपराधी समझ कर ईट-पत्थर से हमला कर दिया। कुछ देर के बाद लोगों को पता चला कि ये लोग पुलिस है और अपराधियों की गोलीबारी की घटना में रेहान घायल हुआ है। उसके बाद घायल युवक को इलाज के लिए परिजनों ने अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भर्ती कराया। जहां घायल युवक का इलाज चल रहा है। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी भाग गए।

हालांकि घटना की सूचना के बाद शहर के विभिन्न थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। घटनास्थल से पुलिस ने चार कारतूस के खोखे बरामद किए हैं। वहीं, अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस विभिन्न ठिकानों पर छापामारी कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com